Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 04 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 257 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मनुष्य को हमेशा यह नहीं सोचना चाहिए कि वो अपने जीवन में कितना खुश है, बल्कि यह सोचना चाहिए कि उसकी वजह से दूसरे कितने खुश हैं।

प्रियामणि ने साझा किया शाहरुख संग काम...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,512.10
निफ्टी	:	19,528.75

SARAFA

सोना	:	5,420
चांदी	:	73.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अवैध खान मामले में पंकज मिश्रा की जमानत पर सुनवाई 13 को

RANCHI : साहिबगंज में हुए अवैध खनन मामले के आरोपित पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। इसके बाद अदालत ने पंकज की जमानत पर अगली सुनवाई की तिथि 13 अक्टूबर निर्धारित की है। इससे पहले भी पंकज मिश्रा इसी केस में रांची ईडी कोर्ट से जमानत के लिए याचिका दायर कर चुके हैं लेकिन अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी। पंकज मिश्रा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि हैं। पंकज मिश्रा को ईडी ने 19 जुलाई, 2022 को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान ईडी पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में जमा 11.88 करोड़ रुपये भी जब्त कर चुकी है। ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कई दस्तावेज और 5.34 करोड़ रुपये नकदी जब्त की गई थी।

राहुल गांधी ने दूसरे दिन भी की दरबार साहिब में की सेवा, जूठे बर्तन धोए

CHANDIGARH : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पिछले दो दिन से दरबार साहिब में सेवा कर रहे हैं, लेकिन वह कब तक यहां रूकेंगे, इसे लेकर भी किसी के पास कोई जानकारी नहीं है। मंगलवार को उन्होंने सब्जी काटी और जूठे बर्तन धोए। इसके बाद उन्होंने आए हुए श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा। छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा भी की। राहुल गांधी अपने निजी दौरे पर सोमवार को अमृतसर पहुंचे थे। यहां माथा टेकने के राहुल गांधी अमृतसर में ही रूक गए। सोमवार को रात 12 बजे तक राहुल गांधी दरबार साहिब में ही थे। इसके बाद राहुल गांधी मंगलवार को अल सुबह सेवा करने दरबार साहिब पहुंच गए। मंगलवार को वह दिन के समय भी 24 घंटे में तीसरी बार दरबार साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले लंगर घर में महिलाओं के साथ सब्जी काटी और जूठे बर्तन धोए। इसके बाद उन्होंने आए हुए श्रद्धालुओं को लंगर भी बांटा। उन्होंने परिक्रमा में छबील पर बैठकर काफी समय तक पानी की सेवा की। ये देख श्रद्धालु भी हैरान थे।

72 साल में पहली बार भारत ने महिलाओं के भाला फेंक में जीता स्वर्ण

10वें दिन भारत ने जीते दो गोल्ड, अन्नू ने जेवलिन थ्रो व पारुल दौड़ में जीतीं

AGENCY HANGZHOU : 19वें एशियन गेम्स का 10वें दिन भारतीय एथलीट्स ने दो गोल्ड जीते। जेवलिन थ्रो में अन्नू रानी ने 62.92 मीटर दूर तक भाला फेंक कर सोना जीता, वहीं पारुल चौधरी ने 5000 मीटर की दौड़ में गोल्ड जीता। अन्नू और पारुल के गोल्ड के बाद कुल गोल्ड मेडल 15 हो गए हैं। 72 साल में ऐसा पहली बार हुआ है जब एशियाई खेलों में महिलाओं के भाला फेंक में किसी भारतीय ने स्वर्ण जीता है। ओवरऑल मेडल टैली में देश के नाम 15 गोल्ड 26 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज समेत कुल 69 मेडल हो गए हैं। मंगलवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो गोल्ड, दो सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज सहित 9 मेडल जीते, इनमें 6 मेडल एथलेटिक्स में आए, जबकि बॉक्सिंग से दो और कैनोइंग से एक ब्रॉन्ज मिला। मिडिल डिस्टेंस धावक पारुल चौधरी ने विमेंस 5000 मीटर रेस में पहला स्थान हासिल किया। वे इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। अन्नू रानी ने विमेंस जेवलिन थ्रो में अपने सीजन बेस्ट स्कोर के साथ देश को दिन का दूसरा गोल्ड दिलाया। अन्नू ने चौथे प्रयास में 62.92 मीटर भाला फेंका। श्रीलंका की नदीशा दिलहान

क्रिकेट में भारतीय मेंस टीम ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारत ने एशियन गेम्स मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने मंगलवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में नेपाल को 23 रन से हरा दिया। मेंस सिंगल्स में एच एस प्रणय ने 25 मिनट में सीधे गेम में डील पक्की कर ली। उन्होंने मंगोलिया के मुंखबत को राउंड ऑफ 32 में 9-21, 12-21 से हराया। दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 में पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की सू वेन-ची को सीधे गेम में 21-10, 21-15 से हराया। विमेंस डबल्स के राउंड ऑफ 32 में तनीशा-अश्विनी पोन्नप्पा की जोड़ी जीत गई है। भारतीय पेयर 1-0 से मैच में आगे था। मालदीव के मैसा इस्माइल-ऐशत अफनान के रिटायर होने के कारण भारत को विजेता घोषित कर दिया। विमेंस डबल्स में ही त्रिसा जॉली-गायत्री गोपीचंद ने मालदीव के अमिनाथ और फतिमाथ के पेयर को सीधे गेम में 2-0 से हराया। विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 में भारत की अश्मिता इंडोनेशिया की मरिस्का जॉर्जिया से 2-0 से हार गई। किदांबी श्रीकांत मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 में 2-0 के सीधे गेम से जीते।

आज ED कार्यालय नहीं जाएंगे सीएम हेमंत सोरेन

पलामू में रहेंगे, सातवें मेधा डेयरी प्लांट का करेंगे उद्घाटन

CRIME REPORTER RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 4 अक्टूबर को ईडी कार्यालय नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री 4 अक्टूबर को पलामू दौरे पर रहेंगे। हेमंत सोरेन पलामू में राज्य के सातवें मेधा डेयरी प्लांट का उदघाटन करेंगे। मालूम हो कि बीते 26 सितंबर को सीएम हेमंत सोरेन को ईडी की ओर से पांचवां समन जारी किया गया था। ईडी ने उन्हें 4 अक्टूबर को हाजिर होने को कहा है। जमीन से जुड़े मामले में चौथा समन जारी कर ईडी ने उन्हें 23 सितंबर को ईडी के रांची ऑफिस में उपस्थित होने को कहा था, लेकिन वे हाजिर नहीं हुए थे। सीएम हेमंत सोरेन की ओर से ईडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वे हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं और ईडी के समन को निरस्त करने का आग्रह किया है। सीएम हेमंत सोरेन को पहली बार समन जारी कर 14 अगस्त को ईडी के रांची स्थित रीजनल ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हाजिर नहीं होने पर दूसरी बार समन जारी किया गया और 24 अगस्त को पेश होने को कहा गया। इस बार भी जब सीएम हेमंत सोरेन ईडी ऑफिस पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे, तो तीसरा समन जारी कर 9 सितंबर को पेश होने को कहा गया। इस बार भी सीएम हेमंत सोरेन ईडी ऑफिस नहीं आए। इसके बाद चौथा समन जारी कर 23 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन इस बार भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी के कार्यालय में नहीं आए। 26 सितंबर को ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को पांचवां समन जारी किया है और 4 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय) के रांची कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है।

- 26 सितंबर को ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को भेजा था पांचवा समन, चार को बुलाया था
- हाईकोर्ट में सीएम ने याचिका दाखिल कर कार्रवाई को रोकने का किया है आग्रह

पांच बार भेजा जा चुका है समन

रांची जमीन घोटाले मामले में सीएम हेमंत सोरेन को ईडी अब तक पांच बार समन भेज चुका है। पहला समन 8 अगस्त को भेजा गया था, जिसमें 14 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया था। 14 अगस्त को सीएम ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे तो 19 अगस्त को दूसरा समन जारी कर 24 अगस्त को हाजिर होने के लिये कहा गया लेकिन उससे पहले ही सीएम ने समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी।

सीएम का कार्यक्रम

पलामू प्रमंडल से मिली जानकारी के अनुसार, सीएम मेदिनीनगर के पास गणके गांव में करीब 28 करोड़ की लागत से स्थापित मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन 4 अक्टूबर करेंगे। इस कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री बादल, योजना सह वित्त विभाग के मंत्री रामेश्वर उरांव, मेधा डेयरी प्लांट के एमडी सुधीर कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। 5 एकड़ की भूमि पर पलामू में स्थापित मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। दूध का प्रोसेसिंग से लेकर पैकेजिंग की बेहतर सुविधा है। उद्घाटन के उपरांत मेधा नाम से उत्पाद बाजार में उपलब्ध हो जायेंगे।

महाराष्ट्र के अस्पताल में अब तक 31 की मौत

MUMBAI : महाराष्ट्र में नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में 24 घंटे में 24 मौतों के बाद 1 और 2 अक्टूबर को और 7 लोगों की जान चली गई। इसी के साथ 36 घंटे के दौरान मरने वालों की संख्या 31 पहुंच गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने बताया कि मरने वाले 7 मरीजों में 4 बच्चे हैं। इससे पहले अस्पताल प्रशासन ने बताया था कि 30 सितंबर की रात 12 बजे से 1 अक्टूबर रात 12 बजे के बीच 24 लोगों की जान गई है। जान गंवाने वालों में 12 बच्चे, 7 महिलाएं और 5 पुरुष हैं। अस्पताल में 500 बेड की व्यवस्था है, लेकिन 1200 मरीज भर्ती हैं। इनमें 70 मरीजों की हालत अभी भी गंभीर है। अस्पताल में मरीजों के परिजन हंगामा कर रहे हैं। आरोप है कि दवा और स्टाफ की कमी से मरीजों की मौत हो रही है। 2 अक्टूबर को यह मामला मीडिया में आया। इस बारे में जब अस्पताल प्रशासन से सवाल पूछा गया तो दिनभर (2 अक्टूबर) को इन मौतों को सामान्य घटना बताता रहा। प्रशासन ने कहा कि 4 मरीजों की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। 1 मरीज का लिवर फेल हुआ था। 1 मरीज की मौत जहर खाने, 2 की संक्रमण और 1 महिला की मौत डिलीवरी के वक्त ज्यादा ब्लड बहने से हुई। वहीं, अन्य मौतों की जांच चल रही है। उधर, देर शाम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. श्याम राव वाकोड़े ने कहा कि अस्पताल में स्नेक बाइट (सांप के काटने) और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों की कमी है।

राज्य में 8 अक्टूबर तक हर दिन बारिश

भारी वर्षा से बढ़ी परेशानी, अलर्ट जारी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में पूरे सप्ताह यानी 8 अक्टूबर तक गरज के साथ हल्के और मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 5 अक्टूबर तक लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। बुधवार को भी राज्य के सभी हिस्सों में बारिश की संभावना जाहिर की गई है। जिन इलाकों में बारिश की ज्यादा संभावना है, उनमें सिमडेगा, सरायकेला खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम सहित कई इलाकों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इसी तरह मौसम का मिजाज 8 अक्टूबर तक बना रह सकता है। मौसम विभाग ने वज्रपात को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में वज्रपात से नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने इस दौरान लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। तेज बारिश के दौरान पेड़ के नीचे रहने, बिजली के खंभे के नीचे रहने और बारिश में फोन के इस्तेमाल करने से मना किया है।

कहां कितनी हुई बारिश

राज्य में पिछले 24 घंटे में कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। सबसे अधिक 191.5 मिलीमीटर बारिश गढ़वा के भवनाथपुर में हुई। सरयू में 13.0, हजारीबाग में 12.6, केतार में 12.0, बरडीहा में 114.2, शियालचक में 98.5, लातेहार में 92.6, कांके में 84.4, बोकारो में 76.6, बोकारो थर्मल में 75.6, धुरकी में 2.5 और चंद्रपुरा में 68 मिलीमीटर बारिश हुई। डाल्टनगंज में 62.8, कांडी में 62.7, डुमरी में 60, नंदडीह में 59.6, मांडू में 58.7 और तुलाडीह में 56.3 मिलीमीटर बारिश हुई। इस दौरान रांची में भी 46.4 मिलीमीटर बारिश हुई. खलारी में 44.2, गढ़वा में 44, रामगढ़ में 43.2, तोरपा में 40.2, बरही में 36.6, मांडर में 36.2, तिलैया में 34, सिमडेगा में 18.5 और साहिबगंज में 3.5 मिलीमीटर बारिश हुई।

कार पार्ट्स के गोदाम में शार्ट सर्किट से लगी आग, 50 लाख का सामान राख

रांची के क्लब रोड स्तिथ सिटी सेंटर बिल्डिंग की घटना

CRIME REPORTER RANCHI : चुटिया थाना क्षेत्र स्थित क्लब रोड में सिटी सेंटर बिलडिंग के चौथे तल्ले पर स्थित कार पार्ट्स के गोदाम में शार्ट सक्रिट होने की वजह से आग लग गई। गोदाम के मालिक इमरान ने बताया कि वह सोमवार की रात गोदाम बंद करने के बाद घर चले गए थे। रात 11 बजे उन्हें फोन में सूचना मिली कि उनके गोदम में आग लग गई है। इमरान अपने गोदाम पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। घटना की जानकारी पुलिस और फायर बिग्रेड को दी गई। मौके पर दकमलकर्मी पहुंचे और आग पर काबू पाया। लेकिन जबतक आग पर काबू पाया जाता तबतक गोदाम में रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। इमरान ने बताया कि उनके दुकान का इंश्योरेंस नहीं था। गोदाम में लगभग 50 लाख रुपये का सामान था जो कि पूरी तरह से जलकर राख हो गया। शार्ट सर्किट होने की वजह से आग ने कुछ ही पल में विकराल रूप धारण कर लिया था। मौके पर मौजूद लोग पानी से आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन वे सफल नहीं हो पा रहे थे।

17 अग्निशमन वाहनों को आग पर काबू पाने में लगे सात घंटे

कार पार्ट्स के गोदाम में आग लगने की घटना होने के बाद मौके पर 17 दमकल की गाड़ियां पहुंची। आग पर काबू पाने में दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। रात 12 बजे से लेकर सुबह सात बजे तक दमकलकर्मी डटे रहे तब जाकर आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। गोदाम में प्लास्टिक का सामान होने की वजह से आग तेजी से फैल गया। हालांकि इमरान का कहना था कि दमकलकर्मी देर से घटना स्थल पर पहुंचे थे। दमकलकर्मी जल्दी पहुंचते तो आग पर जल्दी काबू पाया जाता और कुछ सामान उनका बच सकता था। इमरान ने बताया कि उनके दुकान का इंश्योरेंस नहीं था। गोदाम में लगभग 50 लाख रुपये का सामान था जो कि पूरी तरह से जलकर राख हो गया।

देश का गरीब ही सबसे बड़ी जाति : प्रधानमंत्री

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर देश को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश का गरीब ही सबसे बड़ी जाति है और उसके कल्याण के लिए काम करना ही उद्देश्य। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि जितनी आबादी, उतना हक। मैं कहता हूं इस देश में अगर कोई सबसे बड़ी आबादी है तो वह गरीब है। इसलिए मेरे लिए गरीब ही सबसे बड़ी आबादी है और गरीब का कल्याण ही मेरा मकसद। छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर जगदलपुर पहुंचे प्रधानमंत्री ने यहां भाजपा की परिवर्तन संकल्प रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का होने संबंधी बयान को दोहराते हुए कहा कि अब कांग्रेस कह रही है कि समुदाय की आबादी तय करेगी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार किसका होगा। प्रधानमंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि तो अब क्या वे (कांग्रेस) अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कम करना चाहते हैं? क्या वे अल्पसंख्यकों को हटाना चाहते हैं?

शीतकालीन सत्र के दौरान जारी होंगे आर्थिक व सामाजिक सर्वे के आंकड़े

नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 19 दलो की हुई सर्वदलीय बैठक

विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 19 दलों की सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में जातीय गणना के आंकड़ों को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान बीजेपी के नेताओं ने कई सुझाव दिये। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति आधारित गणना की रिपोर्ट में सभी वर्गों की डिटेल जानकारी दी गयी है। अब जाति आधारित गणना की रिपोर्ट आने के बाद सभी दलों की राय से हमलोग राज्य के हित में इस पर काम करेंगे। बैठक में भाजपा की ओर से जाति गणना के दौरान हुए आर्थिक और सामाजिक सर्वे को भी जारी करने की मांग की गयी। सरकार की ओर से कहा गया है कि शीतकालीन सत्र के दौरान इन आंकड़ों को जारी किया जायेगा। अभी इन आंकड़ों को एकत्र किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जाति सर्वे का मामला, 6 को सुनवाई

बिहार में जातीय सर्वे की रिपोर्ट जारी कर दी गयी है। सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर बिहार सरकार ने इस रिपोर्ट को जारी किया जिसके बाद प्रदेश में जातियों की भागिदारी का खुलासा हुआ है। वहीं अब रिपोर्ट जारी होने के बाद इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी गयी है। सुप्रीम कोर्ट आगामी 6 अक्टूबर को बिहार में जातीय सर्वे के डाटा से जुड़े मामले की सुनवाई करेगा। बिहार सरकार की ओर से कराए गए जातीय सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक की गयी तो इसके खिलाफ याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। अब सुप्रीम कोर्ट की ओर सबकी नजरें रहेंगी। बिहार में जातीय सर्वे की रिपोर्ट जारी कर दी गयी है। प्रदेश में अत्यंत पिछड़े वर्ग की भागिदारी 36.0148 प्रतिशत तो पिछड़ा वर्ग 27.1286 प्रतिशत है।

47 सहायक अभियंताओं व लिपिकीय सेवा संवर्ग के 46 चयनित अभ्यर्थियों को हेमंत सोरेन ने दिया नियुक्ति पत्र

शिक्षा समेत सभी विभागों में होगी बंपर बहाली : CM

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में झारखंड नगरपालिका सेवा के 47 सहायक अभियंताओं एवं वाणिज्यकर विभाग अंतर्गत लिपिकीय सेवा संवर्ग के 46 निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस तरह मुख्यमंत्री ने कुल 93 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि ये पहला मौका नहीं है, जब वे नियुक्ति पत्र सौंप रहे हैं। इससे पहले भी बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में शिक्षक समेत विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में सरकारी बहाली होगी। इसके साथ ही सरकार रोजगार मेला के जरिए भी युवाओं को रोजगार दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी नियुक्तियों के साथ-साथ निजी क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में स्थानीय युवक-युवतियों को रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

सीएम के साथ सेल्फी लेते नियुक्ति पत्र लेने वाले अभ्यर्थी।

निजी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में नौजवानों को मिल रहा ऑफर लेटर : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकारी नियुक्तियों के साथ-साथ हमने निजी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में स्थानीय युवक -युवतियों को रोजगार से जोड़ा है। ये रोजगार जाने-माने औद्योगिक समूहों में मिला है। हमारी सरकार ने राज्य में स्थापित औद्योगिक सेक्टरों में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को नौकरी मिले, इस बाबत नियम बनाए हैं, जिससे अब झारखंड के युवक-युवतियों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार सृजन का रास्ता साफ हुआ है। राज्य के कई जिलों में रोजगार मेला लगाकर कहीं 10 तो कहीं 12 हजार युवक- युवतियों के बीच नियुक्ति पत्र बांटे गए हैं। नियुक्ति पत्र बांटने का सिलसिला जारी है। हमारी सरकार सिर्फ पढ़े-लिखे अभ्यर्थियों को ही नहीं, बल्कि कम पढ़े-लिखे तथा मजदूर वर्ग के युवक-युवतियों के लिए भी रोजगार का मार्ग प्रशस्त करने की जिम्मेदारी उठा रही है।

भूकंप के 2 जोरदार झटकों से सहमा दिल्ली-एनसीआर समेत पूरा उत्तर भारत

NEW DELHI : दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में मंगलवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, जयपुर समेत उत्तर भारत के अलग-अलग इलाकों में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार दोपहर को 14:25 बजे पहला भूकंप आया, जिसका केंद्र नेपाल में था और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.2 मापी गई है। वहीं, इसके कुछ देर बाद दूसरा झटका भी महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआरर समेत उत्तर भारत में भले ही भूकंप के दो झटके महसूस किए गए, मगर नेपाल में 40 मिनट के भीतर 4 बार धरती डोली। दिल्ली एनसीआर में जो झटके महसूस किए गए, इसमें पहले 2:25 बजे भूकंप का पहला झटका महसूस किया गया।

न्यूज क्लिक वेबसाइट के फाउंडर समेत 2 अरेस्ट

गैरकानूनी गतिविधि और चीनी फंडिंग के केस में रेड

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली पुलिस ने मंगलवार 3 अक्टूबर की रात न्यूजक्लिक वेबसाइट के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ और एक अन्य पत्रकार अमित चक्रवर्ती को अरेस्ट कर लिया। इन पर फॉरेन फंडिंग लेने का आरोप है। सुबह 30 से ज्यादा लोकेशंस पर छापे मारे गए थे। 37 लोगों से पूछताछ की गई, जिनमें 9 महिलाएं शामिल हैं। इससे पहले न्यूजक्लिक से जुड़े पत्रकार अभिसार शर्मा, उर्मिलेश और परंजॉय गुहा ठाकुरता को पुलिस ले गई थी। मुंबई में एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ के घर भी मुंबई पुलिस की एक टीम पहुंची थी। दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत की है। 5 अगस्त को न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया था कि न्यूजक्लिक को एक अमेरिकी अरबपति नोवेल रॉय सिंघम ने फाइनेंस किया था। वे चीनी प्रोपेगैंडा को बढ़ावा देने के लिए भारत समेत दुनियाभर में संस्थाओं को फंडिंग करते हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर 17 अगस्त को न्यूजक्लिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

BRIEF NEWS

कांके अंचल में जय कुमार राम ने किया पदभार ग्रहण

RANCHI : कांके अंचल के नए अंचलाधिकारी जय कुमार राम ने मंगलवार को अपना योगदान ग्रहण कर लिया। इस दौरान अंचल कर्मियो और जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों के द्वारा बुके दे कर नए अंचलाधिकारी जय कुमार राम का स्वागत किया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद अंचलाधिकारी ने कहा कि सभी के सहयोग से कार्य किया जाएगा। सबसे पहले लंबित मामला का निष्पादन किया जाएगा। जनता कार्य अवधि के समय सीधा कार्यालय में मुझसे संपर्क कर सकते है। स्वागत करने वालो में आजसु नेता मोजिबुल अंसारी सहित कांके सीआई बासुकीनाथ टुडू, कर्मचारी रबिन्द्र कुमार, माधवी कुमारी, किरण ज्योति खलखो, जितेंद्र साहू, विजय उरांव, उप प्रमुख अजय बैठा, प्रभात भूषण, रमलखन मुंडा, दीपक महतो शामिल थे।

दुमका में स्कूल संचालिका से 1.60 लाख रुपये की लूट

DUMKA : शहर के धर्म स्थान मंदिर के सामने बाइक सवार दो उच्चकों ने एक महिला के हाथ से पर्स छीन कर फरार हो गये। पर्स में 1.60 लाख रुपए थे। जानकारी के अनुसार महिला मंगलवार को एसबीआई मुख्य शाखा से रुपया निकासी कर वापस जा रही थी। इसी बीच नगर थाना से कुछ ही दूरी पर धर्म स्थान मंदिर के सामने बाइक सवार उचक्कों ने छिनतई कर ली। घटना के बाद महिला नगर थाना पहुंच घटना की जानकारी पुलिस को दी। पीड़ित महिला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंगरायडीह गांव निवासी पुष्पा राय है। पुष्पा राय एक निजी विद्यालय संचालित करती है। विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को वेतन देने के लिए वह बैंक से रुपए की निकासी की थी। घटना के उद्भेदन के लिए नगर थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

सब्जी मंडी में अचानक बाइक में लगी आग, मची अफरा-तफरी

DUMKA : शहर बीचबीच भीड़ वाले जगह टिन बाजार के सब्जी मंडी में मंगलवार को अचानक एक बाइक में आग लग गई। इससे लोगों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। हालांकि स्थानीय लोगों के प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया। जानकारी के अनुसार पाकुड़ जिला के पाकुड़िया थाना के फुलझड़ी निवासी सत्य भंडारी सब्जी खरीद बिक्री का कारोबार करता है। सब्जी लेने वह दुमका बाजार पहुंचा था, जहां स्पलेंडर बाइक खड़ी कर वह सब्जी की कीमत जानने लगा। उसके बाद जब वह बाइक स्टार्ट करने लगा तो बाइक स्टार्ट नहीं हुई। उसने चॉक लेकर बाइक स्टार्ट करना चाहा। लेकिन चॉक लेकर कीक मरते ही बाइक में आग लग गयी। बाइक खड़ी कर वह किसी तरह जान बचा कर भागा। जबकी बाइक धू-धू कर जलने लगी। मौके पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया। आग बुझने के बाद वह बाइक लेकर ठीक कराने शो रूम चला गया।

लगातार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

BOKARO : राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश होने के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं बोकारो के गोमिया प्रखंड क्षेत्र के अलग अलग पंचायतों में लगातार हो रहे बारिश के कारण कई लोगों के कच्चे मकान गिर गए हैं। प्रखंड के चूटे पंचायत के खरना गांव निवासी रुनवा देवी का कच्चा मकान, होसिर पंचायत के बबिता देवी का कच्चा मकान,सियारी पंचायत के अनिल टुडू का कच्चा मकान,लालो मरांडी के कच्चे मकान की दीवार, रामजी मांझी के घर का दीवार,साड़म पूर्वी पंचायत के मो. मुस्ताक, सब्बीर, बाबुझनकर, मो. सलीम, डोमन राम, साजिद अंसारी, मुमताज अंसारी के कच्चे मकान का दीवार गिर गयी है। दूसरी तरफ जंगली हाथियों का भी आतंक जारी है।बता दें कि प्रखंड के सियारी पंचायत के कांशीटांड़ में एतो मुर्मू, सेवा मांझी, बाबूचंद मांझी, रामजीवन मांझी, जगरनाथ मांझी,रखी किस्कू, बेनीराम मरांडी, वीरहोर डेरा के नवप्राथमिक विद्यालय का किचन शेड, चांदमुनी देवी, पार्वती देवी, सीमा टुडू, असनापानी के आरती देवी सहित कई लोगों के मकान को क्षतिग्रस्त

पलामू पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, बोले-

भाजपा की सरकार बनी तो जेल जायेंगे भ्रष्ट मंत्री और अधिकारी

PHOTON NEWS PALAMU : संकल्प यात्रा के तहत मंगलवार को पलामू पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लेस्लीगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और अन्य संगीन मामलों के आरोपी अधिकारियों पर एफआईआर करने से मुख्यमंत्री डर रहे हैं। उनके काले कारनामे की फाइल दबाकर रखे हुए हैं। ईडी मुख्यमंत्री से लगातार भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर के लिए कह रही है, लेकिन मुख्यमंत्री पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।

मरांडी ने कहा की पलामू समेत पूरे झारखंड की जनता हेमंत सोरेन और महागठबंधन के दलों की करतूत जान रही है। आगामी चुनाव में इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सभी

बाबूलाल मरांडी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

मामलों में झारखंड की सरकार फेल है और भ्रष्टाचार की दुकान खोलकर मंत्री से लेकर अधिकारी तक बैठे हुए हैं। भाजपा की सरकार बनी तो ऐसे मंत्री अधिकारी को जेल भेजेंगे।

मौके पर पांकी के विधायक डॉक्टर शशि भूषण मेहता ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार की दुकान खुली हुई है। यह यात्रा इसी को उखाड़ फेंकने के लिए है। राज्य सरकार के कारण पलामू के इलाके में बालू की किल्लत है। राज्य सरकार को कल्याण विभाग का नाम बदलकर कब्रिस्तान विभाग कर देना चाहिए।

मौके पर भाजपा के कई नेताओं ने भी जनसभा को संबोधित किया और लोगों से 2024 के विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में परिवर्तन की अपील की।

विजय संकल्प यात्रा के तीसरे चरण में बीजेपी झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का मंगलवार को पलामू में आगमन हुआ है। जिले के पांकी प्रखंड के जांजो मोड़ पलामू सीमा पहुंचते ही पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं द्वारा श्री मरांडी का ढोल नगाड़ों से जोरदार अभिनंदन किया गया। वही कार्यकताओं ने भी फूलमालों से उनका भव्य स्वागत किया। पलामू पहुंचकर सबसे पहले श्री मरांडी ने आदिवासियों के इष्ट देवता को नमन किया।

मरांडी ने कुंदरी में बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। जगतपुरवा मोड पर शहीद युगांबर दीक्षित की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। नीलांबर पीतांबर लेस्लीगंज के मध्य विद्यालय मैदान में एक जनसभा को भी संबोधित किया।

खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को पूरी सुविधा देगा प्रशासन : डीसी

बैठक में शामिल उपायुक्त लोकेश मिश्र व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्र की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय खेल संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के खेल पदाधिकारी, खेल संघों के सदस्य, डे बोर्डिंग एवं आवासीय प्रशिक्षक सहित अन्य उपस्थित थे।

मौके पर उपायुक्त ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर कई बिदुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में खेल के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। खिलाड़ियों के बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी संस्थाओं और खेल प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को सहयोग औरं सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश डीसी ने खेल पदाधिकारी को दिया।

इस दौरान तीरंदाजी के क्षेत्र में बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में स्थित क्रीड़ा केंद्र को पुनः संचालित करने का निर्णय लिया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, बिरहू में बालक-बालिका डे बोर्डिंग सेंटर के संचालन का निर्णय। साथ ही राजकीयकृत प्लस 2 उच्च विद्यालय, कर्रा में बालक-बालिका के डे बोर्डिंग सेंटर संचालन का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान फुटबॉल के लिए उत्क्रमित उच्च विद्यालय एवं लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय में डे बोर्डिंग सेंटर खोलने का निर्णय लिया गया। हॉकी के लिए नए हॉकी एस्ट्रोटर्फ परिसर में निर्मित 40 बेड के बालिकाओं के आवासीय सेंटर को प्रारंभ करने के लिए खेल निदेशालय से अनुशंसा करने के प्रस्ताव को सहमति दी गई।

आजसू पार्टी ने शहर की समस्यायों से जुड़ी मांगों को लेकर नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी रांची महानगर ने शहर की समस्यायों से जुड़ी मांगों को लेकर नगर आयुक्त, रांची नगर निगम रांची को एक ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गये ज्ञापन में शहर में हो रही समस्याओं को लेकर कई मांगें की गयी है जिनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें शामिल है।

1. डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया के बढ़ते प्रकोप के अविलंब रोकथाम के लिए नालियों की साफ सफाई, ब्लीचिंग, फॉगिंग की उचित व्यवस्था की जाय।

2. शहर, गलियों के सड़को पर हुए गड्ढों में स्टोन डस्ट भरने की व्यवस्था की जाय या सड़को को पुरी तरह से दुरुस्त किया जाय

नगर आयुक्त को ज्ञापन देते आजसू पार्टी के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

जिससे आवागमन सुगम एवं सुरक्षित हो सके।

3. हालिया बारिश से शहर में जलजमाव के कारण सड़को पर चलना दुभर हो चुका है सड़कों और गड्ढों में फर्क करना मुश्किल हो गया है कई अप्रिय घटनाएं घट चुकी है लोग दुर्घनाग्रस्त हो रहे हैं जलनिकासी का प्रबंध कर उचित समाधान किया जाय।

4. दुर्गा पुजा को देखते हुए शहर के गली मोहल्लों सहित सभी स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किया जाय क्योंकि इस त्योहार के समय गली मोहल्लों के अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व छिनतई, छेड़छाड़ आदि अप्रिय घटनाओं को अंजाम देते हैं। गली मोहल्लों में स्ट्रीट लाइट दुरुस्त रहने से हमारे शहर की माताएं बहनें एवं आम नागरिक सुरक्षित महसूस करेगें।

5. शहर के कई क्षेत्रों में सप्लाई पानी में गंदगी की शिकायतें आ रही है एवं सप्लाई का कोई समय निश्चित नहीं है। शहर के आम जनजीवन को निश्चित समय पर स्वच्छ पेय जल की उचित व्यवस्था की जाय।

उपरोक्त मांगों पर नगर आयुक्त ने उचित समाधान करने का भरोसा दिलाया। ज्ञापन देने में मुख्य रूप से रांची महानगर अध्यक्ष ज्ञान सिन्हा, वरीय उपाध्यक्ष सुनील यादव, बंटी यादव, महासचिव रमेश गुप्ता, उपाध्यक्ष बिरेंद्र प्रसाद, राकेश कुमार सिंह, संगठन सचिव

लगातार हो रही बारिश से हजारों हेक्टेयर में लगी सब्जियां बर्बाद, किसान चिंतित

PHOTON NEWS RANCHI : लगातार हो रहे मूसलाधार बारिश की वजह से किसानों के खेतों में लगी सब्जियां लगभग 70% बर्बाद हो चुकी है। कांके के पिथोरिया क्षेत्र में हजारों हेक्टेयर में लगे फूलगोभी, पत्ता गोभी, धनिया पत्ता, टमाटर, करेला, इत्यादि सब्जियां लगातार हो रहे मूसलधार बारिश के वजह से लगभग खेतों में ही बर्बाद हो चुकी है। ऐसे में किसानों को भारी नुकसान हुआ है। सही समय पर बारिश नहीं होने पर इस साल अधिकतर किसान धान की खेती भी नही लगा पाए है।

कांके के इचापीड़ी पंचायत के किसान हसीब अंसारी ने बताया कि उसके जमीन पर लगभग एक एकड़ में पत्ता गोभी, फूलगोभी सब्जी तैयार होने वाली थी लेकिन लगातार बारिश के वजह से 70 से 80 प्रतिशत

बर्बाद हुए गोभी की फसल दिखाते किसान। ● फोटोन न्यूज

सब्जियां खेतों में ही बर्बाद हो गई।

वहीं किसान पंचाम उरांव, मोहम्मद गुफरान अंसारी ने भी बताया कि अपने खेतों पर उन्होंने फूलगोभी, पत्ता गोभी, धनिया पत्ता, पालक साग, बैंगन की सब्जी लगाई थी। लेकिन भारी बारिश के कारण लगभग खेतों पर ही सभी सब्जियां बर्बाद हो गई हम लोग बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड ऋण लेकर खेती लगाए थे।

इस वर्ष धान की भी खेती नहीं हो पाई। हमलोग किसान कर्ज में डूब गए है। अब तो सरकार से ही उम्मीद है। इचापीड़ी पंचायत के मुखिया लाखो उरांव ने बताया कि हमलोग सुबह से ही पंचायत का भ्रमण कर नुकसान का मुआयना कर रहे है। काफी नुकसान हुआ है। कई गरीब लोगों के कच्चे मकान बारिश की वजह से ढह गए। किसानों के खेतों में लगभग तैयार सब्जियां बर्बाद हो गई है। मैं राज्य सरकार से अपील करता हूं कि, सरकार तुरंत नुकसान का सर्वे करा कर किसानों को तत्काल मुआवजा मुहैया कराए, ताकि किसान फिर से खड़ा हो सके।

श्री श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक बने अजय बैठा, प्रभात भूषण बने अध्यक्ष

PHOTON NEWS RANCHI : श्री श्री केन्द्रीय दुर्गा पूजा समिति सुकुरहुटू का बैठक दुर्गा मंदिर में किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री नागेंद्र महतो ने किया जिसमें पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमिटी का पुनर्गठन किया गया साथ ही पिछले साल का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। बैठक में इस साल भव्य रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन और रावण दहन को लेकर सभी से पारी पारी से अपना विचार लिया गया।

उसके बाद सर्वसम्मति से अध्यक्ष प्रभात भूषण संयोजक दीपक कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शानू कुमार, सचिव परमानन्द कुमार उपाध्यक्ष, राजेश महतो, रमेश साहू, नीलेश महतो, जितेंद्र

महतो, अनूप मुंडा, अमित महतो, अनिल कुमार, सह सचिव दीप नारायण कुमार, आकाश कुमार, पुरषोत्तम दास गोस्वामी, कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार महतो सह कोषाध्यक्ष करण कुमार, संरक्षक अजय बैठा, सुषमा देवी, राम लखन मुंडा, नागेंद्र महतो, राजकुमार महतो, नागेश्वर महतो, हरिनाथ साहू, संजीव कुमार, नरेश महतो, बादल सिंह मुंडा, राजेन्द्र महतो, बेनीराम महतो, रूपलाल महतो, वीणा देवी, रीना देवी, सुनीता देवी, कुमार तनु साथ ही रावण दहन का आयोजन के लिये सर्व सम्मति से रूपलाल महतो को अध्यक्ष के लिये नियुक्त किया गया।

सामाजिक न्याय के लिए जन जागरण अभियान को लेकर लोकहित अधिकार पार्टी की बैठक संपन्न

PHOTON NEWS RANCHI : रांची लोकसभा अंतर्गत कांके विधानसभा के जयपुर पंचायत में सामाजिक न्याय का जनसंपर्क जागरूकता अभियान के तहत लोकहित अधिकार पार्टी का बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक प्रमोद प्रसाद एवं संचालन विधानसभा प्रभारी मुकुल नायक ने किया।

मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी आज तक ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले असंख्य दबे कुचले वंचित शोषित उपेक्षित वर्गों को

बैठक में उपस्थित पार्टी के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

सामाजिक न्याय नहीं मिल पाया है और ना ही राजनीतिक भागीदारी।

देश में दो प्रमुख राजनीतिक घटक दल एनडीए और इंडिया जो सिर्फ हिंदू और मुसलमान का एजेंडा पर राजनीतिक करते हैं।

आगामी 2024 में लोकहित अधिकार पार्टी देश में जाति जनगणना कराने और जिसकी जितनी आबादी उसको उतनी भागीदारी के साथ आरक्षण नीति, सभी वर्गों के लिए निःशुल्क शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था देश में लागू कराने के साथ सामाजिक न्याय के लिए झारखंड के सभी 14 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी।

पार्टी के रांची जिला सलाहकार लगनलाल ठाकुर ने कहा देश में कुछ षड्यंत्रकारी शक्तियां भारतीय संविधान और लोकतंत्र को बदलने की साजिश रच रहे हैं जिसे हर हाल में नाकाम किया जाएगा।

जनसंपर्क जागरूकता अभियान में विशेष रूप से विद्या भूषण पाठक, उमेश प्रसाद सिंह, समीर पाल, संजीब घोष, संजीत उरांव, मिंटू जायसवाल, हरि साव, निरंजन यादव, राजेश साहू, विमल शाहा, संजय कुमार,परमेश्वर यादव, लिकेश कुजूर, प्रदीप वर्मा, राहुल सिन्हा, अजय क्षत्रीय, मनीष थापा, विवेक नायक, सहित दर्जनों स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए।

सरप्लस शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए लगा विशेष शिविर, 350 शिक्षकों के आवेदन की जांच 35 को किया गया निरस्त

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के आदेश पर सरप्लस शिक्षक एवं विशेष परिस्थिति के अधीन वाले शिक्षकों के स्थानांतरण की सामूहिक प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसके लिए लिए शिक्षकों ने आनलाइन पोर्टल पर आवेदन अपलोड किया था। उनके प्रमाण पत्रों की जांच के लिए मंगलवार को विशेष शिविर जिला शिक्षा अधीक्षक सभागार में लगाया गया। इस दौरान जमशेदपुर, पटमदा व बोड़ाम प्रंखड के शिक्षकों के आवेदन का सत्यापन 11 बजे से दो बजे तक, पोटका घाटशिला, मुसाबनी के शिक्षकों को दोपहर के 2:30 बजे से शाम पांच बजे तक जबकि बहरागोड़ा, धालभूमगढ़, चाकुलिया एवं डुमरिया के शिक्षकों के आवेदन के सत्यापन का कार्य 11 बजे से शाम पांच बजे तक हुआ। इसमें कुल 350 शिक्षक शामिल हुए शिक्षकों के आवेदन पत्र की छाया प्रति व मूल प्रति, आवेदन की आइडी, मूल सेवा पुस्तिका, अंतर जिला स्थानांतरण को इच्छुक शिक्षक झारखंड टेट उत्तीर्ण प्रमाण पत्र आदि की जांच की गयी। जिसमें से 35 शिक्षकों का आवेदन को निरस्त किया गया। शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि जल्द ही संसोधित सूची जिला प्रशासन की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

छह दोस्तों ने दो नाबालिग के साथ दो दिनों तक किया दुष्कर्म

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाने क्षेत्र में दो नाबालिग लड़कियों से छह लड़कों की ओर से सामूहिक दुष्कर्म किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में कुचीबेड़ा गांव के मुंडा अजय पुरती ने ग्रामीणों के सहयोग से छह युवकों को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया है। आरोपितों के नामों का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

कुचीबेड़ा गांव के मुंडा अजय पुरती ने बताया कि 29 सितंबर की शाम को दोनों नाबालिग नोवामुंडी से मजदूरी करके घर लौट रही थी। इसी समय बालजोड़ी गांव के एक युवक से मुलाकात हुई। युवक ने उन्हें घर छोड़ने के बहाने अपनी मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। इसके बाद उन्हें घर नहीं छोड़कर मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरने का बहाना बनाकर कोटगढ़ गांव के रास्ते दुधबिला जंगल की ओर ले गया। वहां अलग-अलग गांवों से अपने अन्य पांच साथियों को भी बुला लिया। उसके बाद सभी ने दोनों लड़कियों से दो दिनों तक बारी-बारी दुष्कर्म के बाद तीसरे दिन रविवार को सुबह घर भेज दिया था। परिजनों ने जब लड़कियों से पूछताछ शुरू की तो हकीकत सामने आयी।

परिजनों के निवेदन पर मंगलवार को सुबह मुंडा अजय पुरती ने अपने गांव को छोड़कर दूसरे गांव इटर बालजोड़ी गांव में बैठकर योजना बनायी। इसके उपरांत नाबालिग लड़की ने मोबाइल से बालजोड़ी गांव के युवक को इटर बालजोड़ी गांव आने के लिये बुला लिया। वहां पहले से लोग तैयार थे। युवक के आते ही उसे घेर कर पकड़ लिया। युवक ने अपने को फंसते देख अन्य सभी दोस्तों को बुला लिया। इस तरह से सभी युवक एक-एक करके ग्रामीणों के जाल में फंस गये। ग्रामीणों ने मंगलवार को उन्हें पकड़कर नोवामुंडी पुलिस के सुपुर्द कर दिया। नोवामुंडी थाने में मामला आते ही पुलिस ने अपने स्तर से अनुसंधान शुरू कर दिया है। पीड़िता से भी बयान लिया गया है। थाना प्रभारी अंकिता सिंह इस मामले में फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर रही हैं।

राम जानकी मंदिर निर्माण के पहले आमंत्रण को लेकर विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल ने निकाली यात्रा

कुडू पहुंचे शौर्य जागरण रथ यात्रा का हुआ जोरदार स्वागत

PHOTON NEWS LOHARDAGA : राम जानकी मंदिर निर्माण के पहले आमंत्रण को लेकर विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में निकाला गया शौर्य जागरण रथ यात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार शाम को लोहरदगा के कुडू पहुंचा । कुडू तथा चंदवा की सीमा पर थाना क्षेत्र के राजगुरूवा मोड के समीप शौर्य जागरण रथ यात्रा का स्वागत किया।

विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल कुडू के तत्वाधान में शौर्य

यात्रा में शामिल विहिप व बजरंग दल के लोग। ● फोटोन न्यूज

जागरण रथ यात्रा का बाइक के द्वारा श्रद्धालुओं ने अगवानी करते हुए शहरी क्षेत्र में भ्रमण के बाद रथ यात्रा को देवी मंडप बाजारटांड़ लेकर पहुंचे। देवी मंडप बाजारटांड़ में शौर्य जागरण रथ यात्रा का महिलाओं ने जोरदार स्वागत किया। देवी मंडप परिसर में महा आरती का आयोजन किया गया इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। आरती के बाद शौर्य जागरण रथ लोहरदगा के लिए प्रस्थान कर गया। शौर्य जागरण रथ यात्रा को लेकर चल रहे पुरोहित ने बताया कि झारखंड में भ्रमण के बाद शौर्य जागरण रथ सात अक्तूबर को रांची के जगरनाथपुर पहुंचेगी, जहां सभा का आयोजन किया गया है।

शौर्य जागरण रथ यात्रा के कुडू आगमन तथा भ्रमण को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे । सुरक्षा को लेकर सभी चौक - चौराहे पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल तैनात किया गया था। ड्रोन कैमरे से शौर्य जागरण रथ यात्रा की निगरानी पुलिस अधिकारियों के द्धारा की जा रही थी। सुरक्षा में पुलिस निरीक्षक मंटू कुमार बीडीओ मनोरंजन कुमार थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह, विशाल मिंज, दिलिप कुमार सिंह, राजकुमार बैठा तथा कई पुलिस अधिकारी तैनात थे।

हाईकोर्ट में रांची हिंसा मामले में एनआईए जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर हुई बहस

21 नवंबर को अगली सुनवाई, इंटरवेनर ने कहा- पुलिस फायरिंग की न्यायिक जांच हो

रांची हिंसा की फाइल फोटो।

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में रांची में 10 जून, 2022 को हुई हिंसा की एनआईए जांच को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार से पूछा कि वह कैसे इस केस को एनआईए को ट्रांसफर करने की मांग कर रहे हैं। क्या इसका कोई साक्ष्य है कि यह घटना शेड्यूल ऑफिंस के तहत आ रही है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। उनकी ओर से सिर्फ यह कहा गया कि मामले की जांच नहीं हो रही है। सुनवाई के दौरान इंटरवेनर (हस्तक्षेप याचिका दायर करने वाले) पक्ष की ओर से कहा गया कि पुलिस द्वारा चलायी गयी गोली की न्यायिक जांच होनी चाहिए। जिसके बाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने अगली सुनवाई के लिए 21 नवंबर की तिथि निर्धारित की है। उम्मीद की जा रही है कि अगली सुनवाई में अदालत इस जनहित याचिका पर अपना फैसला सुनायेगा। बता दें कि पिछली सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार से अपटूडेट स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। इससे पहले एनआईए और राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पूरे प्रकरण में यह मामला शेड्यूल ऑफिंस के दायरे में नहीं आता है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने मंगलवार को मामले की सुनवाई की। इस केस के साथ संलग्न एक अन्य जनहित याचिका, जिसमें याचिकाकर्ता अधिवक्ता एके रशीदी ने मामले की न्यायिक जांच करने की मांग की। साथ ही याचिकाकर्ता ने पक्ष रखने के लिए कोर्ट से समय देने का आग्रह किया। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने पक्ष रखा। एनआईए के अधिवक्ता एके दस की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि एनआईए सिर्फ शेड्यूल ऑफिंस होने पर ही अनुसंधान करती है लेकिन इस घटना में अभी तक अनुसंधान में ऐसी बात नहीं आई है। रांची हिंसा मामले में दायर पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव यास्मीन फारूकी समेत रांची उपायुक्त , एसएसपी, मुख्य सचिव, एनआईए, ईडी को प्रतिवादी बनाया है। अदालत से मामले की एनआईए जांच कराकर झारखंड संपत्ति विनाश और क्षति निवारण विधेयक 2016 के अनुसार आरोपितों के घर को तोड़ने का आदेश देने का आग्रह किया है। याचिका में रांची की घटना को प्रायोजित बताते हुए एनआईए से जांच करके यह पता लगाने का आग्रह किया है कि किस संगठन ने फंडिंग कर घटना को अंजाम दिया।

रांची हिंसा : नवाब चिश्ती को डेली मार्केट थाना में भी दर्ज मामले में बनाया गया आरोपी, CID ने जुटाए कई सबूत

RANCHI : रांची हिंसा के दौरान डोरंडा थाना में दर्ज प्राथमिकी में आरोपी बनाए गए नवाब चिश्ती के खिलाफ सीआईडी ने कई सबूत इकट्ठा किए हैं, जिसके आधार पर अब नवाब चिश्ती को रांची हिंसा से जुड़े उस केस में भी आरोपी बनाया गया है, जिसमें भीड़ द्वारा मंदिर में तोड़-फोड़ और पुलिस बल पर फायरिंग का केस दर्ज किया गया है। नवाब चिश्ती फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। उसने रांची सिविल कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट में अपनी जमानत की गुहार लगाई थी, लेकिन उसे बेल देने से निचली अदालत और हाईकोर्ट इंकार कर चुका है। सीआईडी के डीएसपी ने कोर्ट में आवेदन देकर उसे डेली मार्केट थाना में दर्ज कांड संख्या 17/2022 में आरोपी बनाने का आग्रह किया था। जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। सीआईडी के द्वारा कोर्ट में इस बात से जुड़े कई सबूत भी पेश किए गए, जिससे रांची हिंसा में उसकी संलिप्तता प्रतीत होती है।

- कांड संख्या 17/2022 में आरोपी बनाने के लिए सीआईडी ने कोर्ट से किया था आग्रह
- हिंसा के दौरान डोरंडा थाना में दर्ज प्राथमिकी में पहले से ही आरोपी है नवाब

आरोपी नवाब चिश्ती

फिलहाल केस की जांच सीआईडी कर रही है

डेली मार्केट थाना में रांची हिंसा के बाद कांड संख्या 17/2022 दर्ज की गई थी। इस केस के सूचक रांची के तत्कालीन टाउन सीओ अमित भगत हैं। उनके आवेदन के आधार पर दर्ज की गई प्राथमिकी में नदीम अंसारी, शाहबाज, शदाब, सद्दाम हुसैन, शबीर अंसारी, जमाल गद्दी समेत 22 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। वहीं करीब आठ से दस हजार अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। फिलहाल इस केस की जांच सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) कर रही है। प्राथमिकी में यह आरोप लगाया गया है कि सोची समझी साजिश के तहत दस जून को रांची के मेन रोड में हिंसा की गई। मंदिर पर पथराव किया गया और तोड़ फोड़ की गई। वहीं पुलिसकर्मियों से उनके हथियार छीनने की कोशिश की गई और उन पर जान लेने की नीयत से फायरिंग की गई।

रतन हाइट्स सोसाइटी ने लैंड ऑनर व बिल्डर की एलपीए पर जल्द सुनवाई करने के लिए किया मेंशन

आज होगी सुनवाई , प्रतिवादी के अधिवक्ता ने बताया- बिल्डर ने आदेश का पालन नहीं किया

RANCHI : मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स का विवाद एक बार फिर झारखंड हाई कोर्ट पहुंचा है। प्रतिवादी रतन हाइट्स बिल्डिंग रेजिडेंशियल सोसायटी की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने लैंडऑनर एवं बिल्डर वीकेएस रियलिटी की एलपीए की सुनवाई जल्द करने का आग्रह करते हुए मंगलवार को मेंशन किया। लैंड ओनर एवं बिल्डर ने हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश के खिलाफ एलपीए दाखिल की है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई कल यानी बुधवार को निर्धारित की है। प्रतिवादी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश के बावजूद भी बिल्डर ने रतन हाइट के बहुमंजिली इमारत के बगल में स्थित गड्ढे को नहीं भरा है। बीते दो-तीन दिन से रांची में हो रही भारी बारिश की वजह से रतन हाइट्स की एक और बाउंड्री रविवार को गिर गई। साथ ही निर्माण के लिए खोदे गए विशाल गड्ढे में भी पानी का लेवल काफी ऊपर आ गया। बाउंड्री वॉल गिरने के कारण गड्ढे का पानी रतन हाइट्स की नींव के भीतर प्रवेश करने की आशंका पैदा हो गयी है। इससे इस बहुमंजिली इमारत को खतरा बढ़ गया है। इसके कारण बिल्डिंग में रहने वाले लोग काफी दहशत में हैं। रतन हाईट्स बिल्डिंग रेसिडेंशियल सोसाइटी की याचिका पर हाईकोर्ट ने इस वर्ष जुलाई माह में अपना फैसला सुनते हुए नगर आयुक्त द्वारा संशोधित नक्शा पास किए जाने के आदेश एवं संशोधित नक्शे को रद कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 46 कट्ठा पर जो कॉमन एरिया था वह कॉमन एरिया ही रहेगा। कोर्ट ने लैंड ओनर और बिल्डर वीकेएस रियलिटी को गड्ढा भरने और यदि उसमें कोई कंस्ट्रक्शन किया है तो उसे हटाने, रिटेनिंग वॉल हटाने और उस जमीन को एक माह में सोसाइटी को हैंड ओवर करने का दिया निर्देश दिया था।

समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र का मामला

अंतिम आदेश पारित नहीं करने के आदेश को HC ने रखा बरकरार

RANCHI : कांके विधायक समरी लाल के जाति प्रमाण मामले में सुरेश बैठा एवं राज्य सरकार की अपील की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य जाति छानबीन समिति के द्वारा समरी लाल के मामले में अंतिम आदेश पारित नहीं करने के आदेश को बरकरार रखा है। मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी। इससे पहले विधायक समरी लाल के अधिवक्ता एसडी संजय की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने भी पक्ष रखा। वहीं सुरेश बैठा की ओर से अधिवक्ता विभाष सिन्हा और अविनाश कुमार ने पक्ष रखा। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा एवं न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने मामले में अंतरिम आदेश देते हुए कहा था कि राज्य जाति छानबीन समिति की जांच कांके विधायक समरीलाल के मामले जारी रहेगी, लेकिन समिति अपना अंतिम आदेश पारित नहीं करेगी। दरअसल, समरी लाल की ओर से राज्य जाति छानबीन समिति की जांच प्रक्रिया को रोकने का आग्रह ओर से किया गया था।

BRIEF NEWS

अनियंत्रित ट्रक ने बीच सड़क पर लगे लोहे के बिजली पोल में मारी टक्कर

RANCHI : बरियातू थाना क्षेत्र के हिल व्यू मोड़ के समीप एक अनियंत्रित ट्रक ने मंगलवार सुबह बीच सड़क पर लगे हुए लोहे के बिजली पोल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का लोहे का पोल बीच से टूटकर दो भाग में बंट गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की सक्रियता से बड़ी घटना घटने से बच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर बिजली की सप्लाई कटवाया। इसके बाद पहले दोनों तरफ से ट्रैफिक को रोका । घटना के समय सड़क पर सबसे ज्यादा स्कूली बसें गुजर रही थीं। घटना की वजह से लगभग आधे घंटे से ज्यादा समय तक बरियातू रोड जाम रहा। कई स्कूल बसें जाम में फंसी रही। सड़क से बिजली का तार हटाने के बाद यातायात सामान्य हो सका। घटना के बाद ट्रक चालक और खलासी फरार हो गये ।

झारखंड वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता सात को

RANCHI : झारखंड वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन सात अक्टूबर को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित वेटलिफ्टिंग हॉल में होगा। इस संबंध में मंगलवार को झारखंड स्टेट वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव अनिल कुमार जायसवाल ने बताया कि सभी वर्गों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की टीमों ने अपने भाग लेने की सहमति प्रदान की है। इस दिवसीय प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

जेएन कॉलेज के छात्रों ने की तालाबंदी

RANCHI : धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित जगन्नाथपुर महाविद्यालय (जेएन कॉलेज) के मुख्य गेट में मंगलवार को छात्रों ने तालाबंदी की। आक्रोशित छात्र कॉलेज के एंथ्रोपॉलजी के एचओडी प्रोफेसर रवि भूषण साहू पर कार्रवाई की मांग को लेकर तालाबंदी की है। साहू पर आरोप है कि वह कॉलेज के महिला असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ लंबे समय से लगातार दुर्व्यवहार और शारीरिक शोषण कर रहे हैं। इस संबंध में महिला असिस्टेंट प्रोफेसर ने महिला थाना ,राजभवन, रांची यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार, वीसी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। लेकिन प्रोफेसर रवि भूषण साहू के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर छात्रों ने तालाबंदी की।

मुकेश मित्तल की याचिका पर सुनवाई पूरी

RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी निलंबित इंजीनियर इन चीफ बीरेंद्र राम के सहयोगी मुकेश मित्तल की याचिका पर रांची इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट कोर्ट में सुनवाई हुई। आज मंगलवार को दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी कर ली गयी है। अब फैसले का इंतजार है। मुकेश मित्तल ने एऊ कोर्ट में 205 की पीटीशन दायर की है। यह पीटीशन सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत पेशी से छूट देने की मांग के लिए दायर की जाती है। अब कोर्ट क्या फैसला सुनाता है, यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा। मुकेश मित्तल पर आरोप है कि वह बीरेंद्र राम के कालेधन को विभिन्न खातों से सफेद बनाकर बीरेंद्र राम के पारिवारिक सदस्यों के खाते में जमा करवाता था।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

जेएमएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे पारा शिक्षक, जमकर की नारेबाजी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के तत्वावधान में सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) आज रांची के हरमू स्थित जेएमएम कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना दे रहे हैं। इस दौरान पारा शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी की। उनकी मांग है कि सीएम हेमंत सोरेन ने जो वेतनमान देने का वादा किया था, वह पूरा करें। जानकारी के अनुसार, पारा शिक्षक कार्यालय के अंदर धरना देने वाले थे। लेकिन जब वे अंदर वार्ता के लिए गये तो उन्हें बाहर निकाल दिया गया। जिसके बाद पारा शिक्षक कार्यालय के बाहर ही धरने पर बैठ गये। इससे पहले पारा शिक्षक 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर कांग्रेस कार्यालय में भूख हड़ताल पर बैठे थे। बता दें कि झारखंड में लगभग 62000 शिक्षक कार्यरत हैं। पारा शिक्षक अपनी मांगों को लेकर आये दिन धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करते हैं। लेकिन अभी तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। पूर्व शिक्षा मंत्री स्वर्गीय जगन्नाथ महतो ने 2021 में नियमावली बना कर पारा शिक्षक का नाम बदलकर सहायक अध्यापक किया था। जगन्नाथ महतो ने मानदेय वृद्धि, वेतनमान के समतुल्य मानदेय भविष्य निधि समेत अन्य सुविधाएं देने का वादा किया था।

जेएमएम कार्यालय के बाहर एकदिवसीय धरना देते पारा शिक्षक।

बिना इजाजत कार्यालय में जाना उचित नहीं : विनोद

विनोद पांडे ने कहा कि अगर बिना इजाजत किसी के कार्यालय में कोई समूह में जाता है तो पुलिस बाहर जाने के लिए कहेगी ही। आगे कहा कि पांच पारा शिक्षकों को वार्ता के लिए बुलाया गया था। लेकिन वह नहीं आये। आगे कहा कि किसी पार्टी कार्यालय के सामने नारेबाजी और धरना देना कहीं से भी उचित नहीं है।

झारखंड में 152 बीडीओ की ट्रांसफर-पोस्टिंग, रेणु बाला बनीं सिल्ली की नयी प्रखंड विकास पदाधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में 152 बीडीओ (प्रखंड विकास पदाधिकारी) का तबादला मंगलवार को किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है। धीरज कुमार को बुढ़मू (रांची) का बीडीओ बनाया गया है। खगेश कुमार को चतरा के कुंदा से स्थानांतरित करते हुए सोनाहातू (रांची) का बीडीओ बनाया गया है। विजय कुमार ओरमांझी (रांची) के बीडीओ बनाए गए हैं। संजीत कुमार सिंह को कांके (रांची) का बीडीओ बनाया गया है। रेणु बाला को सिल्ली (रांची) का बीडीओ बनाया गया है। झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग की ओर से 152 प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) का मंगलवार को तबादला कर दिया गया है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी। रेणु बाला को जहां रांची जिले के सिल्ली प्रखंड का नया बीडीओ बनाया गया है, वहीं संजीत कुमार सिंह को रांची जिले के कांके प्रखंड का नया प्रखंड विकास पदाधिकारी बनाया गया है। धीरज कुमार को रांची के बुढ़मू का नया बीडीओ बनाया गया है। खगेश कुमार को चतरा के कुंदा से स्थानांतरित करते हुए रांची के सोनाहातू का नया बीडीओ बनाया गया है।

नगड़ी की नयी बीडीओ बनीं दीपाली भगत

दीपाली भगत को रांची के नगड़ी का नया बीडीओ बनाया गया है। रेणु कुमारी को धनबाद के कलियासोल से रांची के बुंडू में ट्रांसफर किया गया है। ये बुंडू की नयी बीडीओ बनी हैं। अशोक कुमार को पलामू के छतरपुर से रांची के चान्हो में तबादला किया गया है। वे चान्हो के नये बीडीओ बनाए गए हैं। जुहीर आलम को धनबाद के गोविंदपुर का नया बीडीओ बनाया गया है। शैलेंद्र कुमार चौरसिया धनबाद के टुंडी के नये बीडीओ बनाए गए हैं।

सुषमा आनंद को बनाया गया बाघमारा का बीडीओ

फनीश्वर रजवार धनबाद के तोपचांची प्रखंड के नए बीडीओ बनाए गए हैं। जयप्रकाश नारायण धनबाद के कलियासोल प्रखंड के बीडीओ बनाए गए हैं। सुषमा आनंद को धनबाद जिले के बाघमारा का प्रखंड विकास पदाधिकारी बनाया गया है। कुमुद कुमार झा को खूंटी के तोरपा का बीडीओ बनाया गया है। प्रशांत डांग को खूंटी के रनिया का बीडीओ बनाया गया है।

ज्योति कुमारी खूंटी सदर की नयी बीडीओ बनीं

सुलेमान मुंडारी को खूंटी के मुरहू का नया बीडीओ बनाया गया है। गणेश महतो खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के बीडीओ बनाए गए हैं। स्मिता नगेशिया खूंटी के कर्रा प्रखंड का नया बीडीओ बनाया गया है। ज्योति कुमारी खूंटी सदर की बीडीओ बनायी गयी हैं। ईश्वर दयाल कुमार महतो को बोकारो जिले के चंद्रपुरा का नया बीडीओ बनाया गया है। महादेव कुमार महतो को बोकारो के गोमिया का नया बीडीओ बनाया गया है।

झारखंड राज्य पोषण मिशन अंतर्गत राज्य अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन समिति की हुई बैठक

कुपोषित बच्चों व एनीमिया पीड़ित महिलाओं का होगा सर्वे

PHOTON NEWS RANCHI : महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की राज्य अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन सभागार में हुई। महिला, बाल विकास एवं महिला सुरक्षा विभाग के सचिव कृपानंद झा ने कहा कि झारखंड में कुपोषित बच्चों और एनीमिया पीड़ित महिलाओं का सर्वे कर उनकी पहचान करें और हेल्थ वर्कर्स इनके स्वास्थ्य की जांच कर डाटा तैयार करें। उन्होंने कहा कि बच्चे व परिवार देश के भविष्य होते हैं। बच्चों को कुपोषण से बचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए विभाग पूरी तत्परता, सजगता और प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। राज्य को हर हाल में कुपोषण मुक्त करने की दिशा में कार्य करना है। इसके लिए राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को लेकर विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं को प्रतिबद्धता के साथ लागू करें। तभी झारखंड को कुपोषण मुक्त बनाया जा सकता है। झारखंड राज्य पोषण मिशन की महानिदेशक राजेश्वरी बी ने समर अभियान योजना की कार्य प्रगति में तेजी लाने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया। बैठक में विभागीय सचिव ने बताया कि अन्य सात जिले में समर अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान से समयबद्ध तरीके से सेवाएं प्रदान करना, ठोस एवं सघन अनुश्रवण एवं हस्तक्षेप की अवसंरचना के लिए तंत्र को सुनिश्चित किया जा रहा है। समर अभियान के अन्तर्गत कुपोषण से ग्रसित बच्चों का समुदाय स्तर पर उपचार किया जा रहा है। अब तक 20 हजार बच्चे ठीक हो चुके हैं।

राज्य अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक में उपस्थित अधिकारी।

आंगनबाड़ी में बच्चों के वजन की माप कराएं

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की राज्य अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक में झारखंड राज्य पोषण मिशन की महानिदेशक राजेश्वरी बी ने जिलावार सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत बच्चों के वजन माप की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीकृत बच्चों का वजन करायें एवं कुपोषित/अति कुपोषित बच्चों को एमटीसी में भर्ती सुनिश्चित करायें। बैठक में योजना के सफल कार्यान्वयन को लेकर आईसी पर विस्तृत चर्चा की गई। सचिव ने कहा कि प्रचार-प्रसार कर योजना को राज्य में मजबूती से लागू करें। इस बैठक में मनरेगा आयुक्त ने परियोजनावार सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत बच्चों के वजन की माप की स्थिति की समीक्षा करते हुए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मनरेगा आयुक्त ने कहा कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीकृत बच्चों का वजन करायें एवं कुपोषित/अति कुपोषित बच्चों को एमटीसी में भर्ती सुनिश्चित करायें।

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने सड़क पर निकले SSP

अलबर्ट एक्का चौक से अंजुमन प्लाजा तक कराया जाम मुक्त

जाम से निजात दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाती रांची पुलिस।

PHOTON NEWS RANCHI : शहर के ट्रैफिक व्यवस्था को जाम से मुक्त करने के लिए मंगलवार को एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा खुद सड़कों पर उतरे। अलबर्ट एक्का चौक से अंजुमन प्लाजा तक एसएसपी के नेतृत्व में ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों से जुमार्ना वसूला गया। साथ ही उनके साथ सामान भी जब्त किए गए। एसएसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुकानदारों की मनमानी नहीं चलेगी। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाये। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर रांची पुलिस का विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। शहर में एक साथ कई इलाकों में अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी ने सभी थानेदारों को अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

BRIEF NEWS

तालाब से युवक का शव बरामद

ROURKELA : सदर थाना के म्युलजोर गांव के तालाब से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। मृतक उसी गांव का मनोरंजन मिश्र है। मनोरंजन तालाब में नहाने गया था। हालाँकि मौत का कारण स्पष्ट नहीं हैं। खबर मिलने पर पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विद्या स्टडी प्वाइंट पर मनाई गई गांधी एवं शास्त्री जयंती

ROURKELA : सारनगरी स्थित निजी शिक्षण संस्थान में महात्मा गांधी एवं पीएम लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। संस्थान के निदेशक सरोज कुमार बेहरा की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। गांधी कॉलेज के शिक्षा विभाग के प्रोफेसर अशोक कुमार बेऊरा, वरिष्ठ शिक्षक बिपिन बिहारी राउत, हाथीबंदा कॉलोनी हाई स्कूल के शिक्षक विजय कुमार मिश्रा अतिथि के रूप में शामिल हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डॉ. निरंजन साहू, जितेंद्र पुष्टि, सुनील सामल, हरिहर पाढ़ी, स्नेहरानी साहू समेत अन्य शामिल थे।

दल से बिछड़ा हाथी, वन विभाग भगाने का कर रहा प्रयास

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ सदर वन क्षेत्र के सेवतीबहाल में दल से एक हाथी बिछड़ गया है। मंगलवार सुबह 10 बजे हाथी को सड़क पर तफरी करता देख लोग डर गए। खबर मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। हाथी को भगाने का प्रयास कर रही है। हाथी अब जंगल छोड़कर शहर की ओर जाते नजर आ रहे हैं। कुछ दिन पहले भोजपुर के पास स्टेट हाईवे 10 पर सुंदरगढ़ शहर के पास 2 हाथी सड़क पर घूमते मिले थे। इसी तरह, 2 दिनों पहले भी हाथी बीरमित्रपुर शहर में प्रवेश कर आए थे।

यात्री ट्रेन ठहराव की मांग को हेमगिरी स्टेशन पर रेल रोको आंदोलन, आवाजाही बाधित

SUNDARGARH : पैसेंजर ट्रेनों में सुविधा की मांग को लेकर कनिका निवासियों ने मंगलवार को 12 घंटे की रेल रोका है। सुंदरगढ़ जिले के हेमगिरी रेलवे स्टेशन पर दो यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर यह आंदोलन किया गया। कनिकावासियों ने टाटा-इतवारी और टाटा-बिलासपुर पैसेंजर ट्रेन के ठहराव की मांग की। 12 घंटे के रेल रोक आंदोलन के कारण झारसुगुड़ा, बिलासपुर रूट पर ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया है। इस मांग को लेकर कनिका के लोगों ने एक माह पहले भी विरोध प्रदर्शन किया था। उस समय रेलवे विभाग की ओर से ट्रेन ठहराव का आश्वासन दिया गया था।

टाटा स्टील ने लांच किया ऑनलाइन स्पोर्ट्स पोर्टल

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में खेलों के पंजीकरण करने के लिए ऑनलाइन स्पोर्ट्स पोर्टल लॉन्च किया है। इससे अब लोगों के लिए जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में विभिन्न खेलों के लिए पंजीकरण और सदस्यता प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। वहीं अब पोर्टल के माध्यम से ही खेल के लिए मैदानों की बुकिंग की जा सकेगी। यह पोर्टल खेल और फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में टाटा स्टील द्वारा दी जाने वाली सभी खेल सुविधाओं और सेवाओं तक पहुंचने का एक सहज और सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।एकीकृत ऑनलाइन स्पोर्ट्स पोर्टल की लॉन्चिग टाटा स्टील के खेल विभाग के लिए एक रोमांचक नए अध्याय का प्रतीक है। भविष्य को देखते हुए कंपनी इस मंच के माध्यम से रन-ए-थॉन और समर कैंप जैसे प्रमुख कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है, जो सदस्यों के लिए और भी अधिक आकर्षक अनुभव प्रदान करेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

बूथ कमेटी मजबूत कर आगामी लोकसभा चुनाव में हासिल करना है बेहतर परिणाम : MADHU KODA

- कार्यकर्ता सहनशीलता एवं अनुशासन को अपना कर पार्टी और संगठन को मजबूत करें : बंधु तिर्की
- संसदीय कार्यकाल की उपलब्धियां एवं पार्टी की नीतियों से जनता को अवगत करायें : सांसद गीता कोड़ा

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मंगलवार को कांग्रेस भवन में जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोकसभा चुनाव को लेकर सांगठनिक रूप से बेहतर कार्य करने के लिए प्रखंड कमेटी पंचायत कमेटी एवं बूथ कमेटी की तैयारी का जायजा लिया गया, साथ ही सभी कमेटियों को आगामी लोकसभा को ध्यान में रखते हुए 15 दिन के अंदर जहां कहीं भी संगठन में कमी है उसे पूरा करने को निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया एवं तकनीकी को अपनाते हुए लोगों से जुड़ने की भी बात कही गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए कार्यकर्ता तैयार रहे। आम जनता से कार्यकर्ताओं को जुड़ने की सलाह दी।

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और जिला प्रभारी बंधु तिर्की ने कहा कि कार्यकर्ता अनुशासन और सहनशीलता को बनाए रखें। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को मजबूती प्रदान करते हुए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है।

जनता को संबोधन करते मधु कोड़ा व उपस्थित अन्य। ● फोटोन न्यूज

सांसद गीता कोड़ा ने कार्यकताओं को आह्वान करते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में प्रत्येक बूथ पर पहले से बेहतर करना है इसके लिए कार्यकताओं को संकल्पित होना होगा। आधुनिकता, नई तकनीक सहित समसामयिक विषयों को समझने की जरूरत है। क्योंकि लड़ाई बड़ी है। मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से झारखंड सरकार की योजना जन-जन तक पहुंचना है एवं संसदीय कार्यकाल की उपलब्धि से भी आम जनता को अवगत कराना है।

विधायक सोनाराम सिंकु ने कहा कि हम सभी कांग्रेस पार्टी के सिपाही हैं।आने वाले लोकसभा चुनाव में पहले से बेहतर परिणाम होगा। लोकसभा संयोजक डीएन चाम्पिया ने भी कार्यकताओं को सीधे बूथ तैयारी का आवाहन किया।

बैठक में अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरायकेला खरसावां के पूर्व जिला अध्यक्ष छोटे राय किस्कु, अंबर राय चौधरी, नीतिमा बारी बोदरा ,कुतुबुद्दीन खान, हस्लुद्दीन खान, रंजीत यादव देवराज चातर, लक्ष्मण हांसदा, तोहिद आलम के अलावा सभी प्रखंड एवं नगर अध्यक्ष, सभी एलडीएम एवं विधानसभा प्रभारी, सभी सांसद प्रतिनिधि एवं सभी जिला पदाधिकारी, सभी मंच मोर्चा संगठन के अध्यक्ष एवं चेयरमैन लोकसभा तैयारी बैठक में शामिल थे, कार्यक्रम का मंच संचालन राजकुमार राजा एवं धन्यवाद ज्ञापन रंजीत यादव ने किया।

सुष्मिता मिंज मौत मामले में उदितनगर थाने का आदिवासियों ने किया घेराव

घेराव करने जाते आदिवासी समुदाय के लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : सहायक जिलाधिकारी सुष्मिता मिंज व उदितनगर थाने की एएसआई एलिस नर्मी लुगुन की संदिग्ध मौत की जांच की मांग को लेकर जिला आदिवासी संघ ने एसपी कार्यालय का घेराव किया। इसमें राउरकेला महानगर कार्यालय के सामने से हजारों की संख्या में आदिवासी हाथों में तख्तियां लेकर विशाल रैली के रूप में निकले। इसका नेतृत्व जॉर्ज सेना, सुंदरगढ़ जिला सरपंच एसोसिएशन और अन्य आदिवासी संघों के नेताओं ने किया। इसमें जिला सरपंच संघ के उपाध्यक्ष जॉर्ज तिर्की और अजीत तिर्की नजर आये।

उल्लेखनीय है कि लोकप्रिय सहायक जिला कलेक्टर सुष्मिता मिंज की मृत्यु को दो सप्ताह हो चुके है। अभी तक घटना की असली सच्चाई लोगों के सामने नहीं आई है। पुलिस जहां कह रही है कि सुष्मिता ने आत्महत्या की है, वहीं उनके परिवार और रिश्तेदार इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। सुष्मिता को न्याय दिलाने के लिए सीबीआई जांच की मांग की गई है। दूसरी ओर एक अतिरिक्त एसपी रैंक के अधिकारी की सीधी निगरानी और मानवाधिकार संरक्षण सेल (एचआरपीसी) डीएसपी बनिता माझी के नेतृत्व में जांच जारी है।

बीजेपी महिला मोर्चा ने की सीबीआई जांच की मांग

मीडिया को जानकारी देती महिला मोर्चा की सदस्य। ● फोटोन न्यूज

ROURKELA : राउरकेला के चर्चित सुष्मिता मिंज की मौत के मुद्दे पर बीजेपी महिला मोर्चा की ओर से मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुष्मिता की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। महिला कांग्रेस ने भी सुष्मिता मिंज की मौत की सीबीआई जांच की मांग की है। सोमवार को महिला कांग्रेस की ओर से पानपोस गांधी स्ट्रीट में एक मौन विरोध सभा का आयोजन किया था।

एएसआई नरमी लुगुन की संदेहास्पद मौत पर उदित नगर थाना का घेराव

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर के उदितनगर थाने के एएसआई एलिस नरमि लुगुन की संदेहास्पद मौत पर विवाद बढ़ता जा रहा है। घटना को लेकर मंगलवार को नरमी लुगुन के घर और गांव के लोगों ने उदित नगर थाना समक्ष धरना दिया। नरमी लुगुन को न्याय की मांग ले कर नारेबाजी भी की। घटना में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आज कोर्ट चालान किया है। पुलिस का कहना है कार चालक और अन्य सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। इस बीच मृतक एएसआई लुगुन की पति संजय कुमार लकड़ा ने लिखित शिकायत दर्ज करायी है।

पुलिस ने संजय की लिखित एफआईआर के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मारपीट की घटना में 'राजा गोल्ड' बस के मालिक की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक और मामला दर्ज किया है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किये गये दोनों व्यक्ति घटना में शामिल हैं।

थाना का घेराव करते लोग।

स्नेही समाज का स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित, 50 डिसमिल जगह की मांग

PHOTON NEWS ROURKELA : सामाजिक संगठन स्नेही समाज की स्वर्ण जयंती पर मंगलवार को भंज भवन परिसर में दो दिवसीय कार्यक्रम सुबह 11:00 बजे शुरू हुआ। मुख्य अतिथि श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक थे। वहीं स्नेही समाज के अध्यक्ष मोहन साहू, सचिन गौतम साह, श्याम धनी प्रसाद, रामलाल राम, रामप्रसाद साहू, संतोष कुमार, देवनारायण प्रसाद साहू, प्रमोद शाह ,कुबेर समाज के कार्यकारी अध्यक्ष भवानी महापात्र, ललित साहू , बरहमपुर से आए प्रमोद मंचासीन थे।

मंच पर बैठे अतिथियों को फूलों का गुलदस्ता एवं बैच पहन कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्नेही समाज के अध्यक्ष मोहनलाल साहू ने कहा कि समाज के युवाओं को आगे आने के साथ-साथ समाज के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। शिक्षा के द्वारा समाज के युवाओं को अच्छी तालीम समाज का विकास और कैसे ज्यादा हो उसे पर ध्यान देना चाहिए । जिस प्रकार परिवार में हम सब मिलजुल कर रहते हैं इस प्रकार समाज में मिल-जुल कर आपस में द्वेष को त्याग कर समाज कैसे और आगे बढ़ेगा उस पर ध्यान देना चाहिए ।

वहीं श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक से समाज के भवन के लिए 50 डिसमिल जगह की मांग की गई है। जिस भवन बनने से शादी विवाह समेत अन्य कार्य समाज का होगा। समाज में पढ़ने वाले बच्चों को प्रोत्साहन के साथ-साथ 80 प्रतिशत से जो ज्यादा अंक लाते हैं, उन्हें सम्मानित किया जाता है।

समारोह में उपस्थित संगठन के लोग। ● फोटोन न्यूज

जंगली हाथियों ने मचाया उत्पात, फसलों को रौंद कर किया तहस-नहस, ग्रामीण चिंतित व भयभीत

PHOTON NEWS CHAIBASA : क्षेत्र में जंगली हाथियों ने उत्पात मचा रखा है। कई लोगों के फसलों को रौंद कर तहस नहस कर दे रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीण काफी चिंतित व भयभीत हैं। इसे लेकर वन विभाग के पदाधिकारी से कई बार संपर्क की गई, लेकिन उचित पहल नहीं की जा रही है। इसे लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

इलीगाड़ा गांव के ग्रामीणों ने विधायक दीपक बिरुवा से मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि हाथियों के आतंक से निजात दिलाने के लिए कोई उपाय लगाइए। मंगलवार को विधायक दीपक बिरुवा एक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के लिए इलीगाड़ा गांव पहुंचे हुए थे। इसी क्रम में ग्रामीणों ने विधायक को अपने दुखड़ा सुना रहे थे। ग्रामीणों ने विधायक जी को बताया कि हाट गम्हारिया प्रखंड के इलीगाड़ा समेत आसपास के ग्रामीण पिछले कई माह से जंगली हाथियों से काफी परेशान है। इस क्षेत्र में गरीबी 25-30 की संख्या में जंगली हाथी डेरा जमाए हुए हैं। शाम होते ही जंगल से निकलकर गांव व खेत में विचरण कर रहे हैं। खेतों में लगी धान के फसलों को रौंद कर तहस-नहस कर दे रहे हैं। हाथियों के झुंड खूब उत्पात मचा रहे हैं। हाथियों की चिंघाड़ सुनकर ग्रामीण जागे और डर कर गांव घर में दुबके रहते हैं। हाथियों के झुंड से पूरे गांव में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

ग्रामीणों की समस्या सुनते विधायक दीपक बिरुवा। ● फोटोन न्यूज

वन विभाग नहीं कर रहा कोई कार्रवाई : इस सब को देखकर ग्रामीणों ने वन विभाग से मदद की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि घर जब टूटेगा तब टीम आएगी और नुकसान का आकलन करेगी। ग्रामीणों ने कहा कि हाथी उत्पात मचाते हुए गरीबों को तबाह कर रहे हैं और विभाग क्षति का आकलन कर रहा है, लेकिन यहां भरी बरसात में बेघर हुए ग्रामीणों के आशियाने के बारे में कौन सोचेगा। इस पर विधायक जी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों को अश्वात किया कि इस संबंध में जल्द ही वन विभाग के पदाधिकारी से मिलकर समस्या का हल निकाला जाएगा।

विधायक दीपक बिरुवा ने दस करोड़ की लागत से बनने वाली दो सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ, बोले-

क्षेत्र का विकास मेरी प्राथमिकता, हर गांव हो मुख्य सड़क से कनेक्ट, इसके लिये रहेंगे हमेशा फिक्रमंद

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर विधायक दीपक बिरुवा ने मंगलवार को हाटगम्हारिया प्रखंड के ईलीगाड़ा एवं जैरपी में ग्राम सड़क योजना अंतर्गत दो सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत मुख्य सड़क को जोड़ने वाली सड़क करीब साढ़े सात करोड़ की लागत से इलीगाड़ा से केंदपोसी भाया छोटा नुरदा फुंसिया तक तथा करीब 3 करोड़ की लागत से जैरपी में नर्सरी से केंदपोसी तक जाने वाली सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। हालांकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा गुवा दिवस के उपलक्ष्य पर दोनों सड़कों का आनलाइन शिलान्यास किया गया था।

सड़क का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो एवं समय पर पूरा हो तथा निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को सही मजदूरी भुगतान हो। इसे देखते हुए माननीय विधायक जी ने मंगलवार को स्थानीय ग्रामीण व संवेदक को बुलाकर कई दिशा निर्देश दिए।

मौके पर विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है। हर गांव मुख्य सड़क से कनेक्ट हो इसके लिये वे हमेशा फिक्रमंद हैं। क्षेत्र के विकास के लिये जनता कहे या फिर नहीं कहे यह उनकी जवाबदेही में शामिल है। यह दोनों सड़क के निर्माण की मांग वर्षो से लोगों की थी जो पूरा हुआ। सड़क का निर्माण से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल देखा गया। इस दौरान विधायक जी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्रामीण में विधायक के समक्ष कई समस्याएं रखी। विधायक ने प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मौजूद विधायक। ● फोटोन न्यूज

मंगलवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा ने दोनों ही जगहों पर ग्रामीणों की मौजूदगी में विधिवत पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका पारंपरिक रूप से भव्य स्वागत किया गया और इस सड़क निर्माण कार्य के लिए ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि यह सड़क पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में अति जर्जर हालत में है जिसका निर्माण काफी जरूरी है। इस सड़क के बन जाने से इस दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को सीधे तौर पर इसका लाभ मिलेगा। यह काफी दुर्गम क्षेत्र की सड़क है इसलिए इसका निर्माण कार्य काफी गुणवत्तापूर्ण कराया जाएगा। इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप, प्रखंड उप प्रमुख राजेश सिंकु, जिला परिषद सदस्य प्रमिला सिंकु, विकास गुप्ता, हरीश गागराई , राजू खंडाईत, हरीश गोप, मुरलीधर कोड़ा, रसाई सिंकु , दामु चातोंबा, देवेंद्र देवगम, गुलाब सिंह चातोंबा, बागुन सिंकु , कैलाश सिंकु, गाजू चातोंबा, नरेश कोडा, टोटो कोडा, श्याम चातोंबा, जनार्दन चातोंबा, प्रताप कुमार गुप्ता, बाबू मंडल, दुर्गा चरण चातोंबा, इलीगाड़ा में जिप सदस्य प्रमिला सिंकु, पंचायत समिति सदस्य चंदू सिंकु, उप मुखिया लक्ष्मण सिंकु, टीकन सिंकु, अर्जुन सिंकु, विजय सिंकु, तुरी सिंकु, मोरा सिंकु , रासीका सवैया, भरत सिंकु , कृष्ण कुंकल, सुकरा खंडाइत, नारा सिंकु सुमित काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

को-ऑपरेटिव कॉलेज में कल आएगी नैक की टीम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोऑपरेटिव कॉलेज जमशेदपुर में इन दिनों नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडेशन काउंसिल (नैक) की तैयारी चल रही है। 5 व 6 अक्टूबर को नैक की टीम कॉलेज के निरीक्षण को पहुंचेगी और सात अलग अलग बिंदुओं पर कॉलेज का मूल्यांकन करेगी। ऐसे में कॉलेज का पूरा अमला इन दिनों इसकी तैयारी में जुटा हुआ है। यहां आधरभूत संरचना से लेकर सभी दस्तावेजों तक को अपडेट किया जा रहा है। इसके लिए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अमर सिंह ने टीम का गठन किया है जिसकी देख रेख में यह तैयारी चल रही है। मालूम हो कि कॉलेज के नैक एक्रिडिएशन की अवधि 2020 में ही पूरी हो चुकी है। यही वजह है कि कॉलेज इस साल तक हर हाल में नैक कराने की तैयारी में जुटा था। कॉलेज की ओर से पहले ही एसएसआर रिपोर्ट अपलोड कर दी गयी थी। जिसे नैक ने एक्सेप्ट कर लिया है अब भैतिक निरीक्षण की बार ही है। जो अक्टूबर में हो जाएगा। इसके एक महीने के अंदर नैक कॉलेज के लिए ग्रेड जारी कर देगा।

अभी तक नैक से कॉलेज को मिला है बी ग्रेड : कोऑपरेटिव कॉलेज की बात करें तो अभी तक उसे नैक से बी ग्रेड प्राप्त था। लेकिन इस बार कॉलेज ए ग्रेड प्राप्त करने की बात कह रहा है। कॉलेज प्रशासन का दावा है कि पिछले तीन से चार सालों में यहां आधारभूत संरचना से लेकर मूल्यांकन के सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य हुआ है। ऐसे में ग्रेड भी इस बार बेहतर ही मिलेगा।

शिक्षकों की कमी बन सकती है बाधा : कॉलेज में भले ही आधरभूत संरचना की स्थिति में सुधार हुआ हो। लेकिन शिक्षकों की कमी अभी भी बेहतर नैक की राह में बाधा बन सकती है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कॉलेज में शिक्षकों के 60 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त हैं।

5 घंटे चली वार्ता का कोई निष्कर्ष नहीं

13वें दिन भी सफाई कर्मचारियों का हड़ताल जारी, 400 टन से भी कम कचरे का हो रहा उठाव

पटना। नगर निगम के कर्मचारियों की हड़ताल आज 13वें दिन भी जारी है। सड़क पर कचरा फैला हुआ है, जिसकी दुर्गन्ध आने-जाने वाले राहगीरों को परेशान कर रही है। बारिश होने से शहर के गली-मोहल्ले और मुख्य सड़कों पर कूड़ा-कचरा बजबजाने लगा है। इस बीच कल मेयर ने पटना नगर निगम के कर्मचारियों को बातचीत के लिए बुलाया था, पर 5 घंटे चली वार्ता का कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पटना नगर निगम कर्मचारी समन्वय समिति के प्रवक्ता जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस वार्ता में मेयर सीता साहू सहित डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी, नगर आयुक्त अनिमेष पाराशर और स्थाई समिति के सदस्य शामिल हुए थे। कर्मचारियों की ओर से समान काम का समान वेतन, 26 दिन की बजाय 30 दिन का वेतन भुगतान और वेतन बढ़ोतरी की बात रखी गई। निगम प्रशासन की ओर से यह कहा गया कि उनकी मांगों को स्थाई समिति में लाया जाएगा और फिर सरकार से बात कर इस पर फैसला लिया जाएगा। कोई निष्कर्ष नहीं निकलने के कारण यह हड़ताल अब भी जारी रहेगा। निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था का दावा किया है, लेकिन एजेंसी और कुछ कर्मियों द्वारा 50 फीसदी कूड़े का ही उठाव हो रहा है। शहर से रोज करीब 800 टन कूड़ा-कचरा निकलता है, लेकिन हड़ताल की वजह से 400 टन से भी कम का उठाव हो रहा है। कूड़ा उठाव के लिए करीब 1100 छोटी-बड़ी गाड़ियों के साथ-साथ जेसीबी हैं। इनके ड्राइवर भी हड़ताल पर हैं। इसके कारण 500 से अधिक गाड़ियां नहीं चल रही हैं। नगर विकास एवं आवास के अपर मुख्य सचिव अरुणीश चावला ने 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' कार्यक्रम के दौरान बताया कि पटना में आधुनिक तरीके से कचरे के निपटान की सुविधा नहीं है। डेढ़ हजार टन कचरे के निपटान के लिए लगभग 500 करोड़ इन्वेस्टमेंट की जरूरत है। इस काम को प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में किया जा रहा है। इस तरह का आधुनिक प्लांट विदेश से ही आ सकता है। भारत सरकार के संबंधित विभागों के साथ उसके लिए सहमति हो गई है। इसके लिए डॉक्यूमेंट अंतिम चरण में है। जल्द ही इससे पटना नगर निगम को सहायता मिलेगी। आज से 2-3 साल बाद पटना 100% सेग्रीगेशन, ट्रांसपोर्टेशन, प्रोसेसिंग और डिस्पोजल कर पाएगा। किसी भी तरह की समस्या या शिकायत पर निगम ने टोल फ्री नंबर 155304 डायल कर सूचना देकर संपर्क करने की बात कही है। इसके अलावा निगम के सफाई कार्य में अगर कोई हड़ताली असामाजिक तत्व बाधा पहुंचाते हैं, तो नगर निगम कर्मी भी 155304 या इमरजेंसी कॉल बॉक्स की सहायता से शिकायत कर सकते हैं। पटना नगर निगम द्वारा विशेष रात्रि अभियान की शुरूआत की गई थी। इस अभियान में पदाधिकारी कर्मचारी और सफाई कर्मचारियों रात में घूम-घूम कर पूरे शहर की सफाई कर रहे हैं। रात 8 बजे से लेकर सुबह 8 बजे तक यह विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। 12 घंटे तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान सभी कार्यपालक पदाधिकारी, सिटी मैनेजर, टास्क फोर्स की टीम को सफाई का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में छात्र-छात्राओं ने संस्कृति कार्यक्रम का किया प्रदर्शन

मोतिहारी। बापू के जन्म जयंती और जिला के स्थापना दिवस के अवसर पर मोतिहारी में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समाहरणालय को नीले रंग के बत्ती से सजाया गया था। बापू ऑडिटोरियम में संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार, एसपी कांतेश मिश्रा, मेयर प्रीति कुमारी, पंकज कुमार आदि ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इस दौरान सरकारी गैर सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एक से एक डांस और नाटक से वहा हॉल में मौजूद लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान सुगौली कस्तूरवा गांधी आवासीय विधायक की छात्राओं ने अपने डांस से लोगो को झुमने पर मजबूर कर दिया। वही दे दी हमे आजादी बिना खड़क बिना ताल सवार मति के संत तूने कर दिया कमाल भजन पर खूब तालियों की गरगराहट से ऑडिटोरियम गुंज गया।

मोतिहारी पुलिस ने तीन अलग-अलग लूट मामले का किया खुलासा

मोतिहारी। एसपी कांतेश मिश्रा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में कुछ अपराधी लूट की घटना को अंजाम देने के लिए जमा हुए है। सूचना का सत्यापन करते हुए थानाध्यक्ष को अपराधियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया। इस दौरान कोठी चौक पर सघन वाहन जांच के दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देख भागने लगा। जिसके बाद सभी को पकड़ा गया, जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक पिस्टल और चार गोली बरामद हुआ। पूछताछ में बताया की सभी लूट की घटना को अंजाम देने आए थे। मधुबन थाना क्षेत्र के मनपुरवा में हुए एचडीएफसी कर्मी से लूट की घटना में शामिल तीन अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने बताया की सूचना मिली की कुछ अपराधी जमा हुआ है। छापेमारी के दौरान तीन अपराधी को गिरफ्तार किया गया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास एचडीएफसी फाइनेंस कर्मी से हुए लूट के 3200 रुपए, ड्राइविंग लाइसेंस आदि बरामद हुआ। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया।छौड़ादानों थाना क्षेत्र में हुए भारत फाइनेंस कर्मी हुए लूट का सफल उद्भेदन कर लिया गया है। लूट में शामिल तीन अपराधी को गिरफ्तार किया गया हैं। जिसके पास से लूट के नगर 20 हजार रुपए सहित अन्य सामान बरामद हुआ है। पूछताछ में कई कांड का खुलासा किया है। वही पुलिस अन्य अपराधियों की तलाश में भी जुटी है।

स्वर्ण व्यवसायी से लूट

वैशाली । पातेपुर थाना क्षेत्र के मुंशी चौक स्थित एक सोना दुकान में घुसकर बेखौफ बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। स्कूटी सवार तीन की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने पीएफ ज्वेलस दुकान में घुसकर दुकानदार पप्पू कुमार साह को पिस्टल दिखाकर अपने कब्जे में ले लिया और दुकान से सोने चांदी का जेवरात समेत बिक्री का रुपए भी लूटकर आसानी से भाग गया। लूटी गई जेवरात की कीमत 6 लाख रुपए बताए गए हैं जबकि 10 से 12 हजार रुपए नगदी लूटे गए हैं। घटना के बाद दुकानदार द्वारा शोर मचाने पर मौके पर आस पास के लोग जूट गए। मौके पर जूटे लोगों ने घटना की सूचना मिलते ही पातेपुर पुलिस थानाध्यक्ष शिवेंद्र नारायण सिंह पुलिस पदाधिकारियों और बल के जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की जांच की वही घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल रही है घटना की जानकारी मिलते ही महुआ एसडीपीओ सुरभ सुमन भी मौके पर पहुंच कर मामले में स्थानीय लोगों के साथ दुकानदार से भी पूछताछ की वही थानाध्यक्ष को कई दिशा निर्देश दिया। महुआ एसडीपीओ सुरभी सुमन ने बताया कि पातेपुर बालिगांव बॉर्डर के पास पीएफ ज्वेलर्स दुकान दर को स्कूटी सवार 3 अपराधियों ने लूटपाट किया है। सभी को जल्द गिरफ़्तार कर लिया जाएगा।

माह के पहले सप्ताह में जिउतिया

औरंगाबाद। जिउतिया पर्व पुत्रों के जीवन कामना को लेकर माताएं करतीं हैं। यह एक लोक पर्व है। यह अन्य पर्व और त्योहार से अपना अलग और खास महत्व रखता है। इस पर्व के दौरान माताएं अपनी संतान के दीघार्यु, स्वास्थ्य, खुशहाली और मंगल की कामना को लेकर 36 घंटे तक निर्जला उपवास करतीं हैं। यह पर्व प्रत्येक वर्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष के अष्टमी तिथि को मनाया जाता है और इस वर्ष 6 अक्टूबर को मनाया जाना है। इस दिन महिलाएं भगवान जिमुत वाहन की पूजा कर अपनी मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना करतीं हैं। बिहार के दाउदनगर का जिउतिया पर्व आज देश ही नहीं विश्व में भी काफी प्रसिद्ध और प्रचलित हो चुका है। इस पर्व को दाउदनगर में पूरे 9 दिनों तक धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान नकल के कलाकारों की ओर से बहुरंगी प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया जाता है। पर्व को लेकर एक लोकोक्ति भी प्रसिद्ध है। बताया जाता है कि कभी यह शहर फ्लैग जैसी महामारी से ग्रसित हुआ था। स्थिति यह हो गई थी कि यहां मौत के आंकड़े बढ़ते चले जा रहे थे। लोग इसे कोई दैवीय प्रकोप भी मान रहे थे। प्रकोप को शांत करने के लिए पूजा-पाठ किए गए। लेकिन मौत में कमी नहीं हो रही थी। तभी किसी दक्षिण भारत के तांत्रिक, ओझा, गुणी और महा पंडित से संपर्क साधा गया और उन्हें बुलाकर इस दैवीय प्रकोप को शांत करने का आग्रह किया गया। दैवीय प्रकोप को शांत करने में ओझा गुणीजन को एक माह लगे। लेकिन उसमें से 9 दिन काफी महत्वपूर्ण रहे। इस 9 दिनों में नकल की अलग-अलग विधाओं को कर्म के रूप में प्रदर्शित कर प्रकोप से मुक्ति दिलाई गई थीक तब से आज तक वह विद्या यहां की लोक संस्कृति बनकर लोगों के जीवन में बस गई है। उस वक्त ओझा और पंडितों ने भगवान जिमूतवाहन को दाउदनगर के पटवा टोली, नया शहर चौक, कसेरा टोली और पुराना शहर चौक पर स्थापित किया गया था और तब से लेकर आज तक उन चौक पर प्रतिवर्ष महिलाएं संतान के दीघार्यु की कामना को लेकर पूजा करने लगी। दाउदनगर में जिमुत वाहन भगवान की पूजा की जाती है। वे सूर्यवंशी राजा शालिवाहन के पुत्र थे और शालिवाहन ने ही शक संवत की शुरूआत की थी। दाउदनगर की जिउतिया एक लोक उत्सव के रूप में न सिर्फ प्रसिद्ध हुई बल्कि काफी समृद्ध भी हुई। इस उत्सव में स्थानीय कलाकार कई विधाओं को प्रदर्शित करते हैं। इन विधाओं में साहित्य भी है, सृजन भी है, दर्शन भी है जिसमें जीवन के विभिन्न रूप दृष्टिगोचर होते है। पर्व के मौके पर साहस, पराक्रम का खुला प्रदर्शन किया जाता है। अनूठे अजूबे करतब दिखाए जाते हैं। जिसमें युवा अपनी कमर, बांह, हथेली, चेहरा एवं हाथ में चाकू, त्रिशूल और तलवार आदि को आर पार कर देते हैं।

बिहार में राजनीतिक पार्टियां बढ़ती गईः जातियां बंटती गई

अब ठाकुर पर बवाल, जीभ से लेकर गला काटने की धमकी, याद आया रणवीर सेना-लोरिक सेना का दौर

पटना। बिहार में मानसून फिलहाल सक्रिय है। इसलिए पिछले तीन दिनों से अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आज यानी मंगलवार को भी राज्य के उत्तर पश्चिम और दक्षिण पश्चिम भाग के 11 जिलों में भारी बारिश होने के आसार हैं। जबकि अधिकांश जिले के एक या दो स्थानों पर मेघगर्जन के साथ वज्रपात होने की संभावना है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, भोजपुर, रोहतास, कैमूर, मुजफ्फरपुर, गया, नवादा, जमुई, किशनगंज, सुपौल एवं पूर्णिया जिले में भारी बारिश का अलर्ट है। कैमूर जिले में पिछले तीन दिनों से झमाझम बारिश हो रही है। जिससे नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। तटीय इलाके पर स्थित डीएवी भभुआ समेत आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। पानी भर जाने के कारण आज स्कूल में होने वाली इंग्लिश की परीक्षा को रद्द कर दिया गया। बढ़ते जल स्तर को देखते हुए विद्यालय प्रशासन ने बस में सभी बच्चों को वापस भेज दिया। पटना में आज सुबह से बादल छाए रहेंगे। दोपहर के बाद बारिश की भी संभावना है।

मौसम विभाग ने पटना के आसपास के इलाकों में वज्रपात की आशंका जताई है। मंगलवार को सूर्योदय का समय सुबह 5:42 बजे और सूर्यास्त शाम 5:35 बजे होगा। पटना मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक मंगलवार को 14 से 22 डट/ल्ट की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। दिन भर बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। शाम को तेज हवाएं भी चल सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 डिग्री तो न्यूनतम 27 डिग्री रहने की उम्मीद जताई गई है। सोमवार को भी राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून गतिविधि बहुत सक्रिय रहीं। इस दौरान नवादा, रोहतास, गया और समस्तीपुर जिले में भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश नवादा जिले के हिसुआ में 101.2 एमएम दर्ज की गई। हालांकि पटना में दिन में कई बार रुक-रुक कर हल्की और शाम में कुछ देर के लिए तेज बारिश हुई।

समस्तीपुर में 24 घंटे में 15 एमएम बारिश दर्जः कई इलाकों में सड़कें जलमग्न

जिले । रात से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के कारण शहर व आसपास के कई इलाकों में सड़कों पर पानी लग गया है। शहर के वार्ड-19 के मसलनचक मोहल्ले की मुख्य सड़क की ओर जाने वाली सड़क पर एक फीट तक पानी लग गया है। पुरानी पुलिया भी क्षतिग्रस्त है। जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है। पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के कारण आसपास के गड्ढों में पानी भर गया है। निकासी नहीं होने के कारण निकास बंद होने के कारण पानी सड़क पर आ गया है। दूसरी तरफ शहर के स्टेशन रोड, केंद्रीय विद्यालय जाने वाली सड़क, मोलगोदाम रोड, काशीपुर केई इंटर कॉलेज रोड, आदर्शनगर आदि कई इलाकों में जलजमाव है। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय मौसम विभाग ने आज और कल यानी 3 व 4 अक्टूबर को जिले में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। उधर, पिछले 24 घंटे के दौरान जिले में 15 एमएम बारिश रिकार्ड की गई है। मंगलवार सुबह से आसमान में काले बादल छाए हैं। मौसम वैज्ञानिक डॉ. गुलाब सिंह ने कहा कि बारिश के दौरान जिले में 10-12 किलोमीटर की रफ्तार से पूरवा हवा चल सकती है। इस दौरान आकाशीय बिजली भी गिरने की संभावना है। 24 घंटे के दौरान जिले का अधिकतम तापमान 32.2 व न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान 5.9 किलोमीटर की रफ्तार से पूरवा हवा चली।

कैमूर में तीन दिन से लगातार हो रही बारिशः स्कूल में पानी घुसने पर रद की गई

कैमूर । पिछले तीन दिन से झमाझम बारिश हो रही है। जिससे नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है और नदी के तटीय इलाके पर अवस्थित डीएवी भभुआ सहित आसपास के इलाकों में पानी भर गया। यह जलस्तर सुबह में काफी कम था, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ रहा है जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। विद्यालय में आज इंग्लिश का परीक्षा होने वाली थी। लेकिन पानी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए विद्यालय प्रशासन ने बस में सभी बच्चों को बारी-बारी से विद्यालय से उनके घर तक पहुंचाया और आज की होने वाली परीक्षा को रद्द कर दिया। लोगों की माने तो पिछले तीन सालों में जल स्तर बढ़ने की ऐसी स्थिति नहीं देखी गई थी। अच्छी बारिश होना सभी ने सराहा लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था दुरुस्त करने की भी लोगों ने मांग रखी। डीएवी भभुआ के छात्र दक्ष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह में हम स्कूल आए हुए थे तब पानी कम था, लेकिन 1 घंटे में पानी काफी बढ़ गया है। आज हम लोगों का अंग्रेजी का परीक्षा था पानी के बढ़ने के कारण परीक्षा रद्द कर दिया गया है। अखलासपुर के चंद्रशेखर सिंह बताते हैं कि मेरा बच्चा 3 साल से इस विद्यालय में पढ़ रहा है। पानी का जलस्तर आज तक विद्यालय परिसर तक नहीं पहुंच पाया था। बारिश अच्छी हुई है बहुत अच्छी बात है लेकिन प्रशासन को उसके इंतजाम प्रोटेक्शन वाल के रूप में करना चाहिए। विद्यालय बच्चे आ गए थे लेकिन उनको बसों के माध्यम से बाहर निकाला जा रहा है और प्रिंसिपल द्वारा बताया गया कि आज विद्यालय जलस्तर बढ़ जाने के कारण बंद रहेगा। डीएवी भभुआ के कंप्यूटर शिक्षक सत्यम प्रकाश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया वर्ग 2 से 12वीं तक विद्यालय चलता है। आज बारिश के कारण नदियां उफान पर थी। विद्यालय परिसर के आसपास पानी भर गया है। जिससे विद्यालय का छुट्टी कर दिया गया है।

बिहार पर निगाह

बिहार सरकार द्वारा जारी जाति-आधारित गणना के परिणाम सुखद और स्वागतयोग्य हैं। ज्यादातर आंकड़े अनुमान के अनुकूल ही आए हैं। यह पता चल गया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) राज्य की कुल आबादी का 63 प्रतिशत है, जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग सबसे बड़ा सामाजिक खंड है। आंकड़े जारी करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस प्रक्रिया में शामिल पूरी टीम को उचित ही बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने लगे हाथ यह भी दोहराया है कि नए आंकड़ों के आधार पर सभी वर्गों के विकास और उत्थान के लिए काम किए जाएंगे। लगभग 90 साल बाद हुई जाति गणना और उसके आंकड़ों का सार्वजनिक होना खास मायने रखता है। बिहार में विगत वर्षों से यह मांग लगातार उठती रही थी और एक तरह से केंद्र सरकार का रुख बहुत अनुकूल न होने के बावजूद बिहार सरकार ने हठपूर्वक इस कार्य को अंजाम दिया है। इसके लिए लिए राज्य सरकार को उच्च न्यायालय से सर्वोच्च न्यायालय तक एकाधिक बार संघर्ष करना पड़ा और अब बिहार सरकार की इस ताजा सफलता से देश में दूसरे राज्यों की सरकारों को भी प्रेरणा मिलेगी। आने वाले दिन जातिगत आंकड़ों की पड़ताल के हैं और इसमें अलग-अलग ढंग से विवेचना का क्रम चलेगा। जाति आधारित गणना अपने आप में पर्याप्त नहीं है, इसे वास्तविक आर्थिक स्थिति से जोड़कर देखने की जरूरत है। बिहार सरकार ने यह काम अच्छा किया है कि जाति के आंकड़ों के साथ ही आर्थिक आंकडे. भी जुटा लिए हैं। प्रशासन के लिए यह जानना ज्यादा जरूरी है कि कौन-सी जाति ज्यादा पिछड़ी हुई है और किस जाति को कम या किसे ज्यादा समर्थन की जरूरत है। नए आंकड़ों से सामाजिक अध्ययन को भी बल मिलेगा। बिहार राज्य की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ से कुछ अधिक है, जिसमें सामान्य वर्ग 15.52 प्रतिशत है। यह महत्वपूर्ण आंकड़ा भी अनुमान के अनुरूप है। बिहार के लगभग 84 प्रतिशत लोगों को किसी न किसी प्रकार से आरक्षण का लाभ मिलता रहा है और अगर किसी वर्ग को ज्यादा आरक्षण की जरूरत है, तो उस दिशा में ज्यादा तैयारी के साथ कदम बढ़ाना होगा। जाति के आधार पर किसी से कुछ लेना और किसी को कुछ देना आज के समय में आसान नहीं है, पर समावेशी विकास के लिए पूरी सावधानी से ऐसा करना जरूरी है और अब इसके लिए बिहार के पास पूरे आंकडे. उपलब्ध हैं। अब जातिगत गणना से राजनीति का प्रभावित होना तय है। जहां भाजपा और केंद्र सरकार को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं भाजपा के नेताओं ने भी बिहार की सत्तारूढ़ पार्टियों को आड़े हाथ लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट से विपक्षी गुट की इसी तरह की राष्ट्रव्यापी गणना कराने की मांग और तेज होने की संभावना है। बिहार के नेताओं ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया है, जबकि केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने रिपोर्ट को धोखाधड़ी बताते हुए कहा है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव को अपने संयुक्त 33 वर्षों के शासन का रिपोर्ट कार्ड देना चाहिए। वास्तव में, ऐसी राजनीति आने वाले दिनों में खूब होगी, पर इससे बचने की जरूरत है।

मालदीव से मेसेज

मालदीव के चुनाव नतीजे इस मायने में जरूर भारत के लिए निराशाजनक कहे जा सकते हैं कि विजेता के रूप में उभरे नेता मोहम्मद मुइज्जू खुले तौर पर भारत विरोधी अजेंडा चलाते रहे हैं। मुइज्जू को पूर्व राष्ट्रपति यामीन का समर्थन हासिल है जो अपनी भारत विरोधी और चीन समर्थक नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं। इस लिहाज से यह लगभग तय है कि मुइज्जू की अगुआई वाली सरकार के कार्यकाल में सामरिक तौर पर महत्वपूर्ण इस द्वीप राष्ट्र में भारत को वैसी प्राथमिकता नहीं मिलेगी जैसी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के नाते उसे मिलनी चाहिए। मगर फिर भी यह मान लेना उचित नहीं होगा कि यहां से भारत का प्रभाव पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। इसके पीछे कई ठोस वजहें हैं। पहली बात तो यह कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सरकारों के हेर-फेर से हितों के समीकरण रातों-रात पूरी तरह बदल नहीं जाते। ये समीकरण जिन हालात पर निर्भर करते हैं वे तुरंत नहीं बदलते और ये कभी-कभी सरकारों को भी अपना रुख बदलने के लिए मजबूर कर देते हैं। इसका एक अच्छा उदाहरण श्रीलंका है जहां अपने पिछले कार्यकाल में चीन का पिछलग्गू माने जाने वाले महिंदा राजपक्षे की सत्ता में वापसी भी भारत और श्रीलंका के द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई खास असर नहीं डाल सकी। आर्थिक संकट ने जहां कुछ समय में राजपक्षे को सत्ता से बाहर कर दिया वहीं भारत को 4 अरब डॉलर की आपात सहायता की बदौलत शुभचिंतक पड़ोसी की अपनी भूमिका मजबूत करने का मौका दे दिया। दूसरी बात, अगर चीन पिछले राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के पूरे कार्यकाल के दौरान मालदीव में अपने पांव जमाए रख सका तो कोई कारण नहीं कि भारत ऐसा नहीं कर सकेगा। चाहे 50 करोड़ डॉलर की लागत वाले ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रॉजेक्ट की बात हो या 38 अन्य कम्युनिटी डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट्स की, ये वहां के ट्रांसपोर्ट ही नहीं, लोकल इकॉनमी का भी स्वरूप बदलने वाले हैं। कोई भी सरकार इन प्रॉजेक्ट्स की राह में अड़ंगा डालकर अपने लोगों का गुस्सा मोल नहीं लेना चाहेगी। तीसरी बात यह कि मुइज्जू को मिले पूर्व राष्ट्रपति यामीन के समर्थन के साथ भी कई किंतु-परंतु जुड़े हैं। इसके पीछे यह समझ है कि सत्ता में आते ही मुइज्जू यामीन की रिहाई का बंदोबस्त करेंगे।

भाजपा के मध्य प्रदेश मॉडल के मायने

ANALYSIS

ऋतुपर्ण दवे

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि यह एक तीर से कई निशाने लगाने जैसा है। निश्चित रूप से भाजपा जो दांव खेल रही है वह भारत की राजनीति में कइयों को अटपटा या नया भले लगे लेकिन हवा का रुख भांपने वालों का मानना है कि राजनीतिक बैरोमीटर पर संभावित आंधी-तूफान के संकेत भांपते हुए ही ऐसा बड़ा कदम उठाया होगा? फिलाहाल टिकट वितरण को लेकर मध्य प्रदेश मॉडल की जहां पूरे देश में चर्चा है। इसके राजनीतिक मायने भी बहुत गहरे हैं। भाजपा यहां कांग्रेस की 15 महीने पुरानी सरकार गिराकर फिर सत्ता में आई थी। अब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित प्रभावशाली सांसद राकेश सिंह (जबलपुर), गणेश सिंह (सतना), उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद), रीति पाठक (सीधी) को सीधे विधानसभा चुनाव के रण में उतारना बताता है कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को अछूता नहीं रख जहां-तहां ऐसे उम्मीदवार उतारेगी जो पूरे क्षेत्र में तो प्रभावी हों और कम से कम उस पूरे अंचल या संभाग में भी असर डालें।

क्या देश के अगले आम चुनाव के लिए दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में नया प्रयोग करने जा रही है? क्या यही प्रयोग राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी होगा? मध्य प्रदेश विधानसभा उम्मीदवारों की हालिया सूची में बड़े-बड़े नाम यहां तक केन्द्रीय मंत्री, सांसद और संगठन के छत्रपों के जारी हुए हैं। इससे न केवल दूसरे प्रतिद्वंद्वी दलों की सांसें अटकी हुईं हैं बल्कि खुद भाजपा के संभावित दावेदार भी हक्का-बक्का हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि यह एक तीर से कई निशाने लगाने जैसा है। निश्चित रूप से भाजपा जो दांव खेल रही है वह भारत की राजनीति में कइयों को अटपटा या नया भले लगे लेकिन हवा का रुख भांपने वालों का मानना है कि राजनीतिक बैरोमीटर पर संभावित आंधी-तूफान के संकेत भांपते हुए ही ऐसा बड़ा कदम उठाया होगा? फिलाहाल टिकट वितरण को लेकर मध्य प्रदेश मॉडल की जहां पूरे देश में चर्चा है। इसके राजनीतिक मायने भी बहुत गहरे हैं। भाजपा यहां कांग्रेस की 15 महीने पुरानी सरकार गिराकर फिर सत्ता में आई थी। अब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित प्रभावशाली सांसद राकेश सिंह (जबलपुर), गणेश सिंह (सतना), उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद), रीति पाठक (सीधी) को सीधे विधानसभा चुनाव के रण में उतारना बताता है कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को अछूता नहीं रख जहां-तहां ऐसे उम्मीदवार उतारेगी जो पूरे क्षेत्र में तो प्रभावी हों और कम से कम उस पूरे अंचल या संभाग में भी असर डालें। भाजपा ने शुरूआती सूची में मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, महाकौशल-विंध्य, भोपाल-नर्मदापुरम पर जबरदस्त फोकस किया है। अब कयास है कि अगली सूची में शेष निमाड़, बुन्देलखंड, उत्तर-पश्चिम मालवा, नर्मदा उद्गम संभाग (शहडोल) सहित बाकी सीटों में कइयों पर चौंकाने वाले उम्मीदवार देगी। अभी 320 सीटों में केवल 79 सीटों की घोषणा ने ही राजनीति में नई लहर पैदा कर दी है। इसमें भाजपा ने केवल वर्तमान तीन विधायकों का टिकट काटा है। सबसे चर्चित नाम मैहर से नारायण त्रिपाठी का है। उन्होंने हमेशा अपना बगावती सुर दिखाया है। उनकी जगह श्रीकांत चतुर्वेदी को टिकट दिया गया है। वह ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी हैं। वहीं सीधी से केदारनाथ शुक्ला की जगह सीधी सांसद रीति पाठक को टिकट देना अर्चभित करने वाला है। सीधी के चर्चित पेशाबकांड के आरोपित प्रवेश शुक्ला को केदारनाथ शुक्ला का करीबी बताकर विपक्ष ने देश-प्रदेश में काफी हंगामा किया था। लगता है कि यह कहीं न कहीं डैमेज कंट्रोल है। इसी तरह नरसिंहपुर विधायक जालिम सिंह का टिकट उनके छोटे भाई केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह सांसद) को देकर भोपाल-नर्मदापुरम अंचल की सभी सीटों को साधने की कोशिश हुई है। अभी महज 79 घोषित उम्मीदवारों के जरिए भाजपा ने मध्य प्रदेश में अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं।आगे 241 सीटों पर उम्मीदवार तय होने बाकी हैं जिनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र की सीमा से जुडे तमाम क्षेत्र भी हैं। क्षेत्रीयता के हिसाब से महाकौशल में सबसे ज्यादा 38 में से 22 सीटों पर, मालवा-निमाड़ में 66 में से 21, ग्वालियर-चंबल की 34 में से 15, भोपाल-नर्मदापुरम की 36 में से सात, विंध्य की 30 में सात तो बुंदेलखंड की 26 में से सात सीटों पर उम्मीदवारों का चयन हो चुका है। निश्चित रूप से चंद दिनों में मध्य प्रदेश सहित सभी पांच राज्यों में चुनावी अखाड़ा सजते ही एक से एक और ऐसी राजनीतिक तस्वीरें आएंगी जिनमें कई पहली बार दिखेंगी तो कई उम्मीदों से इतर भी होंगी। बावजूद इसके मध्य प्रदेश में मुकाबला भाजपा बनाम जनता दिख रहा है। कांग्रेस कमलनाथ के उदारवादी हिन्दू चेहरे पर दंगल में उतरने के बावजूद संगठन के लिहाज से भाजपा से उन्नीस क्या पंद्रह भी नहीं है। यहां विज्ञप्तिवीरों को छोड़ दें तो कांग्रेस धरातल पर सिवाय कुछ इलाकों के वर्षों से कहीं दिखी नहीं। गत वर्ष के नगरीय चुनाव में कई बूथों पर कांग्रेसी एजेंट तक नहीं थे। कहीं बहुमत में आकर भी अध्यक्ष की दौड़ में मात खा गई। ऐसे में मध्य प्रदेश का मुकाबला भाजपा और जनता के बीच है जिसमें रणीतिक रूप से भाजपा भारी पड़ेगी। राजस्थान में भी चुनावी सरगर्मी चरम पर है। गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ हुई महज 15 मिनट की बैठक चचाओं में है। यहां भाजपा की 200 सीटों पर निकली चार परिवर्तन यात्राओं में जुटी भीड़, उसमें भी ज्यादातर में वसुंधरा का गायब रहना और इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की ताजा तस्वीरें सामने आने के गहरे मायने हैं। यहां प्रेशर पॉलिटिक्स की पक रही नई खिचड़ी कौन खाएगा यही बड़ा सवाल है? संकेतों को समझें तो मध्य प्रदेश मॉडल के तहत केंद्रीय जल शक्तिमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा कुछ अन्य सांसद मैदान में दिखेंगे। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों में से 80 की सूची तैयार है। भाजपा ने 21 उम्मीदवारों की पहली सूची अगस्त में ही जारी कर दी थी। सवाल यह है कि अब तीन अक्टूबर को प्रधानमंत्री के बस्तर आने से पहले दूसरी सूची जारी होगी? मध्य प्रदेश मॉडल यहां भी चर्चा में है। चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री महीनों से ताबड़तोड़ दौरे, घोषणाएं और रेवड़ियां बांट लोगों को लुभाने में कोई कमीं नहीं छोड़ रहे हैं। तीनों हिन्दीपट्टी इलाकों में कहीं भी मौजूदा या पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा सामने नहीं रखना भाजपा की गंभीरता और विवशता दोनों दिखाता है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह 17 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं तो छत्तीसगढ़ में रमन सिंह 15 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे। दोनों के नाम पहली सूची में नहीं है। वहीं राजस्थान में पांच बार सांसद, चार बार विधायक और दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे अलग ही चचाओं में हैं। कभी लगता है कि भाजपा डरी हुई है तो कभी लगता है कि भाजपा गंभीर है और कभी लगता है कि भाजपा जनता के मिजाज को भांप, अपने अंदर ही साफ-सफाई में तो नहीं लगी हुई है? अब वजह जो भी हो वो शीर्ष नेतृत्व जाने लेकिन जिस तरह के बयान गुजरे रविवार को सीहोर की एक जनसभा में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए और कहा कि ह्यमैंने राजनीति की परिभाषा बदल दी है। मैं सरकार नहीं परिवार चला रहा हूं, मेरे जैसे भैया नहीं मिलेगा, जब मैं चला जाऊंगा तब आप सबको बहुत याद आऊंगा।' उस बयान के राजनीतिक अखाड़े में कई मायने लगाए जा रहे हैं। वहीं जिस तरह से टिकट वितरण में अब तक जो सच सामने है उससे काफी कुछ समझा जा सकता है और बयान से जोड़ा भी रहा है। लेकिन इतना तो है कि विपक्ष को भी भाजपा कमतर नहीं आंक रही है क्योंकि छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठनात्मक रूप से राजस्थान-मध्य प्रदेश के मुकाबले मजबूत है। राजस्थान की नई राजनीतिक खिचड़ी कांग्रेस-भाजपा दोनों के लिए चुनौती से कम नहीं है। मिजोरम और तेलंगाना का मिजाज तीनों राज्यों से अलग है। इसीलिए निश्चित रूप से मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों के चुनाव, आम चुनाव की दिशा तय करने वाले तो साबित होंगे ही साथ भाजपा में भी अन्दरखाने संगठन व सत्ता मे बड़े बदलाव के संकेत देते नजर आ रहे हैं।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

खिलौना उद्योग में भारत की धमक

मजबूत इच्छाशक्ति से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। इसका जीता जागता उदाहरण देश का खिलौना उद्योग है। यह अभी कल की ही बात लगती है जब भारत 20 हजार करोड़ रुपये के खिलौने अकेले चीन से आयात करता था। कोरोना के बाद बदली परिस्थितियों में चीन को लेकर दुनिया के देशों का मोहभंग हुआ और उसके बाद हालात यह होने लगे कि दुनिया के देश चीन और उसकी नीतियों को हिकारत की दृष्टि से देखने लगे। सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और सरकार के एक आह्वान और सकारात्मक नीतियों का परिणाम यह रहा कि देश में खिलौना उद्योग ने रफ्तार पकड़ी। हालात में तेजी से बदलाव का ही परिणाम है कि आज भारत में खिलौना उद्योग तेजी से फलने-फूलने लगा है। देशी बाजार में स्वदेशी खिलौनों की मांग बढ़ी तो विदेशी बाजार में भी भारतीय खिलौनों की तेजी से मांग बढ़ी है। इसमें कोई दोराय नहीं कि इसमें प्रमुख कारण खिलौना उद्योग के लिए प्रोत्साहन नीतियां प्रमुख कारण रहीं। आयात शुल्क बढ़ाने के साथ ही सरकार प्रोडक्शन लिंक इंसेटिव स्कीम लागू कर उद्योग के विकास में सहभागी बनी। आज 12 प्रतिशत विकास दर के साथ खिलौना उद्योग बढ़ रहा है। यह चक्रवृद्धि विकास दर है। इसे भारतीय खिलौना उद्योग के लिए शुभ संकेत ही माना जा सकता है। देखा जाए तो खिलौना उद्योग पर चीन का एकाधिकार ही रहा है। लगभग 80 प्रतिशत बाजार चीन के पास रहा है। ऐसे में चीन के खिलौना उद्योग को चुनौती देना बड़ी मुश्किल भरा काम रहा है, पर सरकार के एक आह्वान ने सब कुछ बदल कर रख दिया। केन्द्र व राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से देश में खिलौना उद्योग ने गति पकड़ ली है। पहले भारत, चीन से 20 हजार करोड़ के खिलौना आयात करता था। और अब हालात यह हो गए हैं कि आज भारत में खिलौनों का घरेलू बाजार 124.73 अरब रुपये का हो गया है। भारत से खिलौनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। 2018-19 में 16.81 करोड़ के खिलौने निर्यात होते थे 2022-23 में बढ़कर 27.08 अरब डालर हो गया है। माना जा रहा है कि 2028 तक भारत में खिलौना उद्योग 249.47 अरब रुपये को पार कर जाएगा। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि जो माहौल बना और बनाया गया उसका परिणाम यह रहा कि बच्चों की पहली पसंद भी भारतीय खिलौने ही हो गए हैं। खिलौना उद्योग में आज 4000 एमएसएमई अपनी भागीदारी निभा रही है। एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एमएसएमई उद्योग देश का ग्रोथ इंजन होता है। एमएसएमई उद्योगों से जहां रोजगार के अधिक अवसर विकसित होते हैं वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होता है। होता यह है कि बड़े उद्योगों में एक सीमा तक ही रोजगार के अवसर होते हैं क्योंकि वहां टेक्नीक का अधिक उपयोग होता है तो दूसरी और एमएसएमई उद्योग में रोजगार के अधिक अवसर होने से आर्थिक व्यवस्था को नई दिशा मिलती है। स्थानीय स्तर से लेकर निर्यात तक के अवसर आसानी से उपलब्ध होते हैं। जहां तक खिलौनों का संबंध है 2600 ईसा पूर्व सुमेरियन सभ्यता के अवशेषों में मानव और पशु आकृति के अवशेष मिले हैं जिनके बारे में यह माना जाता है कि यह उस जमाने के खिलौनों के ही अवशेष हैं। 500 ईसा पूर्व अवशेष पूर्व ग्रीक के अवशेषों में खिलौनों के अवशेष देखे गए हैं। जहां तक हमारे देश की बात है रामायण-महाभारत व पुराणों में खेल-खिलौनों की बाकायदा चर्चा मिलती है। आज प्लास्टिक का दौर है तो सर्वाधिक खिलौने प्लास्टिक के ही बनने लगे हैं। हमारे यहां मिट्टी, धातु, टेरीकोट्टा, कपड़े, लकड़ी, सींग, रत्नों आदि से निर्मित खिलौने तैयार होते हैं। समय के अनुसार खिलौनों की मांग भी बदलती रही है। एक समय था और आज भी बार्बी की मांग सबसे अधिक देखी जाती है। इसके बाद क्यूबिक की भी मांग सबसे अधिक देखी गई। गेंद, बंदूक, जहाज, कार, ट्रेन, डमडमी, बाजे, सिटी और इसी तरह के खिलौने सामान्य से लेकर ऑटोमेटिक, चाबी से चलने वाले और आज तो सेल व सोलर से चलने वाले खिलौने बाजार में आने लगे हैं। दरअसल खिलौने बच्चों के मन बहलाव के ही साधन ना होकर ज्ञानवर्द्धक और बच्चों की मानसिकता के विकास में भी सहायक रहे हैं। खेल खेल में सीखने की प्रवृत्ति खिलौनों के माध्यम से रही है। खिलौने मानसिक विकास के भी प्रमुख माध्यम रहे हैं। दरअसल सरकार के खिलौनों पर आयात शुल्क 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर देने, कच्चे माल की सहज उपलब्धता, ईज ऑफ डूइंग के तहत आसानी से उद्योगों की स्थापना और इसके साथ ही पीएलआई यानी कि प्रोडक्शन लिंक इंसेटिव से उद्योग को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही सरकार द्वारा निर्यात को आसान और आम उद्यमी की पहुंच में करने से देशी विदेशी बाजार मिलने में आसानी हुई है। देश के हस्तशिल्प निर्यात संवर्द्धन परिषद द्वारा भी आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकारें भी आगे आई हैं और यही कारण है कि बहुत कम समय में देश के खिलौना उद्योग ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है। अंत में एक बात और विदेशों में प्रतिस्पर्धा में बना रहना है तो गुणवत्ता, मूल्य प्रतिस्पर्धा के साथ ही नवाचार और शोध को बढ़ावा देना होगा। सशक्त आरएंडटी टीम बनानी होगी और इसके साथ बाजार की मांग को भी समझना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि खिलौना उद्योग का लक्षित वर्ग बच्चे हैं, ऐसे में बच्चों के लिए हानिकारक ना हो ऐसे कच्चे माल का ही उपयोग करना होगा। बच्चों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा। सरकार को भी इस दिशा में सहयोगी की भूमिका निभानी होगी और तकनीकी, वित्तीय व मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

कांग्रेस ने नया राग अलापना शुरू किया है- जितनी आबादी उतना हक। इससे साफ है कि वो देशवासियों में आपसी खाई और वैर-भाव बढ़ाना चाहती है। सच्चाई ये है कि अगर हक की बात करनी ही है, तो मैं कहूंगा कि इस देश के संसाधनों पर पहला हक भारत के गरीबों का है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

आज आप लोगों के साथ-साथ सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण दिन है। सरकार के पास जो पदाधिकारियों की कमी है वह धीरे-धीरे पूरी हो रही है। राज्य में क्षमता की कोई कमी नहीं है, दक्षता की कोई कमी नहीं है बस थोड़ा प्रयास की आवश्यकता है। एक साथ मिलकर हम झारखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा कर सकते हैं। इसी आशा उम्मीद के साथ आप सभी को मेरी ओर से पुनः हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

एक घंटा का सफाई, बोले तो जास्ती नईं हो जाएंगा

अपुन का मुलुक में बोले तो एक से बढ़ के एक आइटम देखने को मिलताए। जबी तुम कोई बी बात को सीरियसली लेंगा, तबी भौत हैराण होएंगा। इस करके अपुन तुमकूं क्या बोलताए भिड्डू, कि फुल्टू मसखरी करने का। तुम बोल सकताए कि अईसा हर बखत पे कईसा मसखरी करने का, तो अपुन क्या बोलताए तुमकूं कि जो लोक बी इधर नवा-नवा आईटम देताए ना, वो बी किदर कूं लोड लेताए। अभी तुम कटिंग चाय पीने का अऊर शांति से अपुन का बात सुनने का। अबी बोले तो अपुन कट टू कट बात करेंगा। तुम बीच में मचमच नईं करने का, बाबूराव! अईसा है कि अपुन का कंट्री का भीतर बोले तो एक से बढ़के एक झक्कास लोक हुएला। हुएला कि नईं? सब का साल का भीतर दो नईं तो तीन मर्तबा कबी बोले तो जयंती, कबी बोले तो पुण्यतिथि, नईं तो अईसाईच कोई न कोई दिन आताए। अपुन नईं बोतलाए कि तुम वईसा लोक कूं याद नईं करने का। करना मांगताए। कोई वांदा नईं। पन अपुन कूं अईसा लगताए कि भौत जास्ती प्रोग्राम नईं रखने का। घड़ी दो घड़ी का वास्ते हात जोड़ने का। लगे तो थोड़ा फोटू-बिटू के आगे मुंडी झुकाने का और सटक लेने का। अबी तुम किसी कमती एज का छोकरा लोक कूं बोलेंगा कि ह्यबाबा, तुम इसका जयंती नईं तो उसका पुण्यतिथि पे आने काह्न, तबी तुम जानताए कि वो क्या बोलेंगा? पैले तो वो उसका नाम फर्स्ट टाइम सुनेलाए, इस करके आएंगाईच नईं। बाई चांस जानता बी होएंगा तबी बी साफ बोलेंगा कि आज छुट्टी का दिन उसकूं खोटी नईं करना मांगताए। उदर मामू का गर्ल फ्रेंड हफ्ता भर पैले से नवा मूवी का टिकिट बुक करके बईठाए। अबी गांधी, नेहरू, आंबेडकर का नाम पे फिलिम मिस करेंगा तो आई शप्पथ, छोकरी का थोबड़ा सूड जाएंगा अऊर उसका वाट लग जाएंगा। तो अपुन क्या बोलताए कि तुमकूं जित्ता बी अईसा प्रोग्राम करना मांगताए, बिंधास करने का, पन थोड़ा टाइम लिमिट रखने का। लगे तो वर्चुअल कर लेने का। जूम मीटिंग कईसा होताए, बस वईसाईच करने का। कोव्हिड-कोरना का बखत तुम देखा नईं कि स्कूल-कॉलेज का अक्खा छोकरा लोक एक्जाम बोले तो कईसा ऑनलाइन दिएला। उसका फरक बी गिरेला। जित्ता बी छोकरा-छोकरी थर्ड डिविजन का उप्पर कबी बी पास नईं हुएला, वो बी फर्स्ट क्लास आएला। इस करके बोलताए कि तुमकूं अईसा जित्ता बी प्रोग्राम करना मांगताए करने कूं सकताए। पन थोड़ा जल्दी करने का। फास्ट लोकल का माफिक फटाफट। तुम कूछेंगा कि कईसा? ध्यान से सुनके लेने का! अबी एक तारीक को तुम सबकूं क्या बोला कि एक घंटा साफ-सफाई करने का। अबी डिजिटल टाइम पे वो बी वर्चुअल नईं हो सकताए क्या? काएकूं नईं होने कूं सकताए? घर पे मोबाइल कूं स्टिक पे फिट करने का नईं तो कोई फ्रेंड कूं विडियो बनाने कूं बोलने का, अऊर दो-चार मिनट का मस्त विडियो बनाके अपलोड करने का। अबी तुम एक घंटा का सफाई नईं कर सकताए अऊर विडियो बी नईं बनाने कूं सकताए। इत्ता देर सफाई तुम करेंगा किदर? बोले तो अईसा प्रोग्राम वाला जास्ती लोक पैले से बड़ा-बड़ा हाउसिंग सोसाइटी का भीतर रहताए। उनका सोसायटी पैले से चकाचक होताए। तुमकूं एक घंटा स्वच्छता प्रोग्राम करनेकाए भिड्डू, तो तुमकूं पैले कचरा फैलाना पड़ेगा। फिर उसकूं साफ करेंगा। अपुन तो कहताए कि एक घंटा का विडियो का वास्ते तुमकूं डम्प यार्ड से कचरा लाके गिराना मांगताए। तबी तुमारा टाइम पास हो सकताए। अबी एक अऊर प्राब्लेम गिरेंगा। एक घंटा का वीडियो अक्खा लोक बनाके अपलोड करेंगा नईं तो स्टेटस में डालेंगा तो बॉस, यूट्यूब, फेसबुक, वट्सएप क्रैश हो जाएंगा। जो बी करनाए, कोई वांदा नईं। पन सबका टाइम का ख्याल रखने का।

बेलगाम अलगाववादी

खालिस्तानी चरमपंथियों के सवाल पर कनाडा से चल रहे विवादों के बीच ब्रिटेन के ग्लासगो में भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारा जाने से रोके जाने की जो घटना सामने आई है, वह इस पूरे मामले की गंभीरता को कई गुना बढ़ा देती है। यह वाकई चिंताजनक है कि स्कॉटलैंड के ग्लासगो गुरुद्वारा में पहले से तय एक कार्यक्रम में शिरकत के लिए जा रहे भारतीय उच्चायुक्त की गाड़ी गुरुद्वारे के पार्किंग में ही रोकी गई, खालिस्तान समर्थक तीन व्यक्तियों ने न केवल धमकियां और गालियां दीं बल्कि उच्चायुक्त की कार के दरवाजे भी जबरन खोलने के प्रयास किए। अच्छा हुआ कि आयोजन से जुड़े कुछ लोगों ने समय पर हस्तक्षेप करते हुए इन लोगों को रोका और खुद उच्चायुक्त ने भी हालात को और बिगड़ने से बचाने के लिए तत्काल गाड़ी वापस लेने का फैसला कर लिया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में ब्रिटेन सरकार और वहां के पुलिस महकमे को बताया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोबारा न हो। लेकिन यह घटना भी कई सवाल खड़े करती है। गौर करने वाली बात है कि ग्लासगो के ये खालिस्तानी तत्व भी कनाडा के प्रधानमंत्री के बयान का हवाला देते हुए भारतीय उच्चायोगकर्मियों के गुरुद्वारे में आने का विरोध कर रहे थे। ध्यान रहे, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने अपने देश की संसद में जो आरोप भारत पर लगाया, उसके पक्ष में कोई भी सबूत वहां की सरकार अभी तक पेश नहीं कर पाई है। फिर भी खालिस्तानी तत्वों को उनके इस आधारहीन, साक्ष्यहीन आरोप ने एक आड़ दे दी है जिसके सहारे अब वे पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा सुविधाजनक ढंग से भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर सकते हैं। ग्लासगो की घटना बताती है कि कनाडा से शुरू हुई यह बीमारी फैल रही है। इससे पहले कि यह अन्य देशों में भी सिर उठाए, इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सोने में गिरावट, चांदी 7 महीने के निचले स्तर पर

- सोने का वायदा भाव 900 और चांदी का 2,900 रुपए गिरा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में डॉलर की तेजी की वजह से मंगलवार के कारोबारी दिन सोने और चांदी के वायदा भाव धड़ाम से गिर गए। चांदी के भाव 7 महीने के निचले स्तर तक चले गए हैं। सोने की वायदा कीमतों में भी तेज गिरावट आई है। चांदी के वायदा में भाव करीब 2,900 और सोने के वायदा भाव में करीब 900 रुपये की गिरावट दर्ज की जा रही है। सोमवार को भारतीय बाजार बंद थे। इसलिए आज बाजार खुलने पर भारतीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। इस साल चांदी के वायदा भाव अपने उच्च स्तर से करीब 12 हजार रुपए टूट चुके हैं। बाजार के जानकारों के मुतो बिक अगले कुछ दिनों तक सोने और चांदी के वायदा भाव उतार-चढाव के साथ नरम बने रहेंगे। दीवाली के लिए त्योहारी बढ़ने पर इनकी कीमतों में सुधार की संभावना है। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 175 रुपए की गिरावट के साथ 57,425 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 902 रुपए की गिरावट के साथ 56,698 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 57,425 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 56,565 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। मंगलवार को चांदी के वायदा भाव में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके भाव घटकर 7 महीने के निचले स्तर तक पहुंच गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 602 रुपए की गिरावट के साथ 69,255 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 2,884 रुपए की गिरावट के साथ 66,973 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक बार तो भाव 65,666 रुपए तक गिर गए थे। फिलहाल इसने 69,255 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 65,666 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1844.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1947.20 डॉलर था। फिलहाल यह 10.70 डॉलर की गिरावट के साथ 1836.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 21.31 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 21.42 डॉलर था। फिलहाल यह 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 21.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

विश्व बैंक ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का लगाया अनुमान

नई दिल्ली।

विश्व बैंक ने 2023-24 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने मंगलवार को जारी अपनी इंडिया डेवलपमेंट रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र की गतिविधि 7.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मजबूत रहने की उम्मीद है और निवेश वृद्धि भी 8.9 प्रतिशत पर मजबूत रहने का अनुमान है।विश्व बैंक के अनुसार, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल की पृष्ठभूमि में भारत लगातार लचीलापन दिखा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर बैंक की प्रमुख अर्धवार्षिक रिपोर्ट का मानना है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत वित्त वर्ष 2012/23 में 7.2 प्रतिशत के साथ सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की विकास दर जी20 देशों में दूसरी सबसे अधिक और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के औसत से लगभग दोगुनी है।0रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2023/24 की पहली तिमाही में बैंक ऋण वृद्धि बढ़कर 15.8 प्रतिशत हो गई, जबकि वित्त वर्ष 22/23 की पहली तिमाही में यह 13.3 प्रतिशत थी। आईडीयू को उम्मीद है कि उच्च वैश्विक ब्याज दरों, भू-राजनीतिक तनाव और सुस्त वैश्विक मांग के कारण वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियां बनी रहेंगी और तीव्र होंगी। परिणामस्वरूप, इन संयुक्त कारकों की पृष्ठभूमि में वैश्विक आर्थिक विकास भी मध्यम अवधि में धीमा होना तय है। भारत में विश्व बैंक के कंट्री निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा, प्रतिकूल वैश्विक माहौल अल्पावधि में चुनौतियां पैदा करता रहेगा।सार्वजनिक व्यय का दोहन करके अधिक निजी निवेश लाने से भारत के लिए भविष्य में वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने और इस प्रकार उच्च विकास हासिल करने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां पैदा होंगी।÷ प्रतिकूल मौसम की स्थिति ने हाल के महीनों में मुद्रास्फीति में वृद्धि में योगदान दिया है। गेहूं और चावल जैसी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उछाल के कारण जुलाई में सकल मुद्रास्फीति बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। खाद्य पदार्थों की कीमतें सामान्य होने और सरकारी उपायों से प्रमुख वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ने से मुद्रास्फीति धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। हालांकि हेडलाइन मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी अस्थायी रूप से खपत को बाधित कर सकती है, हम एक नरमी का अनुमान लगाते हैं।

टेस्ला ने चीन में की अपडेटेड मॉडल वाई इलेक्ट्रिक कार की लांचिंग

हांगकांग ।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने चीन में वाई इलेक्ट्रिक कार की लों चिंग की है। जानकारी के अनुसार अपडेटेड डिजाइन और परफॉर्मेंस में बदलाव के साथ लगभग 263,900 युआन (37,000 डॉलर) की शुरुआती कीमत पर एक नई मॉडल वाई इलेक्ट्रिक कार लॉन्च की है। नई कार चीन में संशोधित हाईलैंड मॉडल 3 को फॉलो करती है, जिसने पिछले महीने की शुरुआत में यूरोप में भी धूम मचाई थी। टेस्ला की चीनी वेबसाइट पर आई जानकारी के अनुसार, मॉडल वाई में अब 0-100 किमी/घंटा का समय 5.9 सेकंड है। ईवी में रिफ्रेश मॉडल 3 की तरह नए पहिये और डैश में एलईडी लाइटिंग स्ट्रिप है। टेस्ला 299,900 युआन (लगभग 42,000 डॉलर) में एक लॉन्ग-रेंज वर्जन और 349,900 युआन (लगभग 49,000 डॉलर) में हाई-परफॉर्मेंस वर्जन भी पेश कर रहा है। कंपनी ने अभी तक अमेरिका में अपडेटेड मॉडल वाई की घोषणा नहीं की है। हालों कि अगस्त में, टेस्ला ने अपने प्रमुख मॉडल एस और मॉडल एक्स को अमेरिका और कनाडा में अधिक किफायती कीमतों पर मानक वेरिएंट के साथ लॉन्च किया, और प्रीमियम ईवी कार मार्केट में कंपीटिशन के बीच इसमें 10,000 डॉलर की कटौती की।

टेस्ला की आधिकारिक वेबसाइट पर मॉडल एस स्टैंडर्ड रेंज की कीमत अब विकल्पों से पहले 78,490 डॉलर है। मॉडल एस एसआर प्रति चार्ज 320 मील की रेंज और 3।7-सेकंड, 0-60 मील प्रति घंटे का समय प्रदान करता है। वाहन में 149 मील प्रति घंटे की टॉप स्पीड भी है। टेस्ला मॉडल एक्स स्टैंडर्ड रेंज अब विकल्पों से पहले 88,490 डॉलर की शुरुआती कीमत पर पेश की गई है। यूजर्स पूरी तरह से इलेक्ट्रिक एसयूवी प्राप्त कर सकते हैं जिसमें प्रति चार्ज 269 मील की रेंज और 4.4 सेकंड में 0-60 मील प्रति घंटे की गति होती है।

सितंबर में भारत का कारखाना उत्पादन थोड़ा कम, लेकिन मजबूत एसएंडपी रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने अगस्त की तुलना में सितंबर के दौरान विकास में हल्की मंदी दर्ज की है, लेकिन एसएंडपी के अनुसार, उत्पादन, इनपुट खरीद और रोजगार में निरंतर विस्तार के कारण नए ऑर्डरों में तेज वृद्धि के कारण यह अभी भी मजबूत बना हुआ है। मंगलवार को जारी वैश्विक पीएमआई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सितंबर में 57.5 दर्ज किया गया, जो अगस्त में 58.6 था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि पांच महीनों में सबसे कम, नवीनतम रीडिंग 50.0 के बिना किसी बदलाव के निशान और इसके दीर्घकालिक औसत (53.9) से ऊपर बनी हुई है, इसलिए यह विस्तार की तेज दर का संकेत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आपूर्ति-श्रृंखला की स्थिति मोटे तौर पर स्थिर थी, एक उत्साहित व्यापारिक विश्वास और बढ़ती मांग

ने फैक्ट्री गेट शुल्क में तेज वृद्धि की सुविधा प्रदान की। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा, भारत के विनिर्माण उद्योग ने सितंबर में मंदी के हल्के संकेत दिखाए, मुख्य रूप से नए ऑर्डर में नरम वृद्धि के कारण उत्पादन वृद्धि में कमी आई। फिर भी, मांग और उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, और कंपनियों ने एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और मध्य पूर्व में ग्राहकों से नए व्यवसाय में लाभ भी देखा।

बाजार के लिए सबसे बड़ा नकारात्मक पहलू एफआईआई की लगातार बिकवाली है

नई दिल्ली।

निकट अवधि में भारतीय शेयर बाजार में प्रमुख नकारात्मक पहलू एफआईआई की निरंतर बिकवाली है, जो जारी रहने की संभावना है। सितंबर के महीने में नकदी बाजार में 26,689 करोड़ रुपये की एफआईआई ने बिकवाली की है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है। अक्टूबर सीरीज़ के लिए मिश्रित संकेत हैं, जो ऐतिहासिक रूप से बाज़ारों के लिए एक अच्छा महीना रहा है। उन्होंने कहा कि डॉलर इंडेक्स का 107 से ऊपर बढ़ना और यूएस 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 16-वर्ष के उच्चतम स्तर 4.68 प्रतिशत पर होना बाजार के लिए प्रमुख बाधाएं हैं। बढ़ते डॉलर और यूएस बॉन्ड यील्ड के चलते एफआईआई द्वारा बिकवाली जारी रखने की संभावना है। लेकिन, सकारात्मक पक्ष यह है कि ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 5 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। इसके चलते डीआईआई और खुदरा निवेशक बाजार को समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि निकट अवधि में इन नकारात्मक और सकारात्मक कारकों से बाजार में उथल पुथल जारी रहने की संभावना है। वैशाली पारेख, उपाध्यक्ष - तकनीकी अनुसंधान, प्रभुदास लीलाधर, ने कहा कि निफ्टी ने पिछले सत्र में भारी गिरावट के बाद 19,500 के स्तर से 19,720 के स्तर को छूने के लिए थोड़ा सुधार किया। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 381 अंक गिरकर 65,446 अंक पर है। कारोबार में मारुति सुजुकी 2 फीसदी नीचे है।

देश में कोयला उत्पादन सितंबर में 16प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़ टन पर

नई दिल्ली:

देश में कोयला उत्पादन सितंबर महीने में 15.81 प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़ टन रहा। एक साल पहले इसी महीने में यह 5.80 करोड़ टन था। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान कोयला उत्पादन 12.06 प्रतिशत बढ़कर 42.82 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 38.22 करोड़ टन था। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. का उत्पादन सितंबर महीने में बढ़कर 5.14 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 4.57 करोड़ टन था। कोयला आपूर्ति आलोच्य महीने में बढ़कर 7.03 करोड़ टन रही जो बीते वित्त वर्ष के इसी महीने में 6.11 करोड़ टन थी। मंत्रालय ने कहा कि कोयला क्षेत्र में अच्छी वृद्धि देखी गई। उत्पादन, आपूर्ति और स्टॉक उल्लेखनीय स्तर पहुंचा। बयान में कहा गया, ''इस असाधारण वृद्धि का श्रेय सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों को जाता है। इन कंपनियों ने इस उल्लेखनीय प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयकर की 30.75 लाख ऑडिट रिपोर्ट जमा विभाग

नई दिल्ली । कर आकलन वर्ष 2023-24 के लिए 30 सितंबर की तय समयसीमा तक 30.75 लाख से अधिक ऑडिट रिपोर्ट ई-फाइलिंग पोर्टल पर जमा की गई थीं। आयकर विभाग ने कहा कि इन ऑडिट रिपोर्ट में से 29.5 लाख कर ऑडिट रिपोर्ट आकलन वर्ष 2023-24 से संबंधित हैं। इनके अलावा कुछ रिपोर्ट फॉर्म 29बी, 29सी, 10सीसीबी से संबंधित हैं। विभाग ने कहा कि करदाताओं की सुविधा के लिए विभाग ने सघन पहुंच कार्यक्रम भी संचालित किए थे। इन कार्यक्रमों के तहत ई-मेल, एसएमएस, सोशल मीडिया के जरिये निर्धारित समय के भीतर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के संबंध में जागरूकता फैलाने से संबंधित 55.4 लाख संदेश भेजे गए थे। इसके अलावा आयकर विभाग की वेबसाइट पर भी करदाताओं की जागरूकता से संबंधित कई वीडियो अपलोड किए गए थे। ये प्रयास करदाताओं एवं कर पेशेवरों की तरफ से तय समय के भीतर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने में सहायत रहे हैं।

जेनेरिक एआई कंपनियों में 100 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा वीजा

सैन फ्रांसिस्को।

ग्लोबल कार्ड पेमेंट्स लीडर वीजा ने एआई टेक्नोलॉजी और ऐप्लिकेशन को डेवलप करने पर ध्यान केंद्रित करने वाली नेक्स्ट जनरेशन की कंपनियों में निवेश करने के लिए 100 मिलियन डॉलर की नई जेनरेटिव एआई पहल की घोषणा की है, जो कॉमर्स और पेमेंट्स के भविष्य को प्रभावित करेगी। निवेश कंपनी की 16 साल पुरानी ग्लोबल कॉर्पोरेट इंवेस्टमेंट आर्म वीजा वेंचर्स के माध्यम से किया जाएगा। कंपनी ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा, 1993 से भुगतान में एआई के अग्रणी के रूप में, वीजा इस पहल को भुगतान में नवाचार लाने, भागीदारों और ग्राहकों के लिए मूल्य बनाने और वैश्विक वाणिज्य को सक्षम और सशक्त बनाने के लिए एआई के उपयोग में कंपनी के नेतृत्व का विस्तार मानता है। जेनरेटिव एआई एक उभरता हुआ सबसेट है जो लार्ज लैग्वेंज मॉडल (एलएलएम) पर बनाया गया है, ताकि आर्टिफिशियल जर्नल इंटेलिजेंस डेवलप की जा सके, जो संकेत दिए जाने पर मौजूदा डेटा के बड़े सेट से टेक्स्ट, इमेज या अन्य कंटेंट जनरेट करने में सक्षम हो। वीजा के मुख्य उत्पाद और रणनीति अधिकारी जैक फॉरेस्टेल ने कहा, अब तक अधिकांश जेनेरिक एआई टास्क और कंटेंट क्रिएशन पर केंद्रित है, यह तकनीक जल्द ही न केवल हमारे रहने और काम करने के तरीके को नया आकार देगी, बल्कि यह कॉमर्स को भी सार्थक रूप से बदल देगी। वीजा वेंचर्स 2007 से पेमेंट्स और कॉमर्स में इनोवेशन लाने वाली कंपनियों में निवेश और साझेदारी कर रहा है। वीजा वेंचर्स के प्रमुख डेविड रॉल्फ ने कहा, जेनेरिक एआई की हमारे समय की सबसे परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों में से एक होने की क्षमता के साथ, हम जेनेरिक एआई, वाणिज्य और भुगतान में कुछ सबसे नवीन और विघटनकारी उद्यम-समर्थित स्टार्टअप्स में निवेश करने के लिए अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए उत्साहित हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 316 अंक , निफ़्टी 109 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के अलावा बिकवाली हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों एचडीएफ़सी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। इसके अलावा वाहन कंपनियों के शेयर भी गिरे। इससे भी बाजार पर दबाव आया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.31 अंक करीब 0.48 फीसदी टूटकर 65,512.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय ये 483.82 अंक के निचले स्तर तक गिर गया था। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ़्टी 109.55 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी नीचे आकर 19,528.75 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में से मारुति के शेयर सबसे ज्यादा 2.46 फीसदी गिरे। मारुति के अलावा एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी नुकसान के साथ ही नीचे आये। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे अधिक 2.04 फीसदी की बढ़त आई। बजाज के अलावा लार्सन एंड टूब्रो, बजाज फिनसर्व और टाइटन के भी लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो टोक्यो और हांगकांग के बाजारों में गिरावट रही जबकि शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहा। इसके अलावा यूरोपीय बाजार से भी मिलेजुले संकेत मिले। गत दिवस

अमेरिकी बाजार में तेजी रही थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स सुबह 332.07 अंक की गिरावट के साथ 65,496.34 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 104.00 अंक की गिरावट के साथ 19583.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग सत्र में बाजार में हल्की बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 64.63 अंक की बढ़त के साथ 65,893.04 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 23.75 अंक की बढ़त के साथ 19662.05 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले सोमवार 2 अक्टूबर को बाजार गांधी जयंती के अवसर पर बंद थे। इसी कारण बीएसई और एनएसई पर कोई कारोबार नहीं हुआ। इक्विटी, डेरिवेटिव और एसएलबी समेत सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं हुआ। इसके अलावा मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज भी सुबह और शाम दोनों सत्रों के लिए बंद रहे

डंज़ो के एक और सह-संस्थापक ने की कंपनी छोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली। नकदी की कमी से जूझ रहे त्वरित-किराना डिलीवरी प्रदाता डंज़ो के सह-संस्थापक मुकुंद झा ने भी सह-संस्थापक दलवीर सूरी के बाद अब कंपनी छोड़ने का फैसला कर लिया है। कंपनी को वेतन में देरी और आसन्न छंटनी के बीच गंभीर नकदी संकट का सामना करना पड़ रहा है। द मॉर्निंग कॉन्टेक्स्ट के अनुसार, झा 1 सितंबर को डंज़ो के बोर्ड से बाहर हो गए। हालांकि, डंज़ो के प्रवक्ता ने न तो इस खबर की पुष्टि की और न ही खंडन किया। उन्होंने कहा कि 'मुकुंद डंज़ो की नेतृत्व टीम का अभिन्न अंग बने हुए हैं'। प्रवक्ता ने कहा, 'हालांकि हम संगठन का पुनर्गठन कर रहे हैं। मुकुंद डंज़ो के भविष्य के रोडमैप का मार्गदर्शन और निर्देशन करने वाली रणनीतिक नेतृत्व टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहेंगे। झा के डंज़ो से आगे बढ़ने की खबर कंपनी के सह-संस्थापक सूरी के प्रस्थान की पुष्टि के एक दिन बाद आई। रिपोर्ट के अनुसार, डंज़ो ने अपने कुछ बोर्ड सदस्यों को भी बाहर कर दिया है, इनमें लाइटरॉक से वैदेही रवींद्रन और रिलायंस रिटेल के राजेंद्र कामथ और अश्विन खासगीवाला शामिल हैं। डंज़ो व्यवसाय के पुनर्गठन में संगठन-व्यापी परिवर्तन कर रहा है। डंज़ो, जो कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और गूगल जैसे मौजूदा समर्थकों के साथ-साथ नए निवेशकों से 35 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाने की संभावना है, कथित तौर पर कम से कम '150-200' अधिक कर्मचारियों की छंटनी भी कर रहा है। डंज़ो अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 30-40 प्रतिशत की और कटौती कर सकता है। कंपनी ने कथित तौर पर प्रभावित कर्मचारियों को सूचित किया है कि उन्हें जनवरी में अपना पूर्ण और अंतिम निपटान प्राप्त होगा। पिछले महीने, धन की कमी के कारण डंज़ो ने अपने कर्मचारियों के जून और जुलाई के वेतन में देरी की। लागत में कटौती के लिए स्टार्टअप बेंगलुरु में अपना कार्यालय भी खाली कर सकता है।

बेरोजगारी दर सितंबर में एक साल के निचले स्तर पर रही

मुंबई। देश की बेरोजगारी दर सितंबर में 12 महीने के निचले स्तर पर आ गई। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, देश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बेरोजगार लोगों की संख्या कम हुई है। समग्र बेरोजगारी दर अगस्त के 8.10 प्रतिशत से घटकर सितंबर में 7.09 प्रतिशत रह गई। आंकड़े उलटफेर का संकेत देते हैं क्योंकि अगस्त से पहले जुलाई में यह 7.9 प्रतिशत रही थी। मौसम विभाग के अनुसार, इस साल देश में मानसूनी बारिश 2018 के बाद सबसे कम थी। ऐसा अल नीनो प्रभाव के कारण हुआ। अगस्त में शुष्क रहने के कारण रोजगार के अवसरों में कमी आई। वहीं, सितंबर में बारिश के फिर से गति पकड़ने से कृषि गतिविधियों में पुनरुद्धार हुआ, जिससे प्रतीत होता है कि इस महीने के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रोजगार पैदा हुये।

अगस्त में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संग्रह में 18 फीसदी की कमी

- कुल टैक्स कलेक्शन 2.9 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

अगस्त महीने में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संग्रह में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 18 फीसदी की गिरावट आई है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब राज्यों को कर विभाजन के पहले कर संग्रह 94 प्रतिशत बढ़ा है। इस साल अगस्त में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संग्रह घटकर 23,576 करोड़ रुपए रह गया है, जो पिछले साल अगस्त में 28,816 करोड़ रुपए था। वहीं दूसरी ओर कुल कर संग्रह इस महीने में बढ़कर 2.9 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2022-23 के अगस्त महीने में 1.5 लाख करोड़ रुपए था। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों से यह जानकारी मिलती है। विशेषज्ञों को यह सुनिश्चित नहीं है कि उत्पाद शुल्क संग्रह में अगस्त महीने में कमी क्यों आई है, जबकि पेट्रोलियम का उत्पादन इस दौरान बढ़ा है। उत्पाद शुल्क से प्राप्तियों में न सिर्फ पिछले साल की तुलना में कमी आई है, बल्कि पिछले महीने की तुलना में भी यह कम है। जुलाई के 24,387 करोड़ रुपए की तुलना मे अगस्त में संग्रह 3.3 प्रतिशत कम हुआ है। दरअसल अगस्त महीने में इस मद में कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में सबसे कम रहा है, सिर्फ अप्रैल में ही उत्पाद शुल्क 960 करोड़ रुपए था।

जुलाई में उत्पाद शुल्क संग्रह में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में हुई 1.9 प्रतिशत की वृद्धि टिक नहीं सकी। मई और जून में भी इस मद में कर संग्रह में कमी आई थी। इसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में कुल कर संग्रह 12 प्रतिशत घटकर 1 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1.1 लाख करोड़ रुपए था। अगर यही धारणा जारी रहती है तो उत्पाद शुल्क संग्रह के बजट अनुमान के लक्ष्य को हासिल कर पाना कठिन होगा।

एलन मस्क व उनके एक्स प्लेटफॉर्म पर अमेरिका में नए मुकदमे

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क और उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नए मुकदमे दायर किए गए है। 22 वर्षीय कॉलेज ग्रेजुएट ने लापरवाह आचरण के आरोप में तकनीकी अरबपति पर मुकदमा किया है। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि मस्क ने बेंजामिन ब्रॉडी को यह कहकर बदनाम किया कि उन्होंने एक नव-नाजी चरमपंथी समूह की ओर से एक हिंसक सड़क विवाद में भाग लिया था। आरोप के मुताबिक मस्क ने यह भी झूठा कहा कि चरमपंथी विवाद में ब्रॉडी की कथित भागीदारी का मतलब था कि यह घटना संभवतः अमेरिकी जनता को धोखा देने के लिए एक अभियान था। मस्क के बयानों के दो सप्ताह बाद, बेन को यह स्पष्ट हो गया कि उनकी प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंचा है। मुकदमें में आरोप लगाया गया कि मस्क ने एक्स पर झूठे दावों को बढ़ाया, ब्रॉडी की कथित भागीदारी को वर्णित किया। मस्क की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप ब्रॉडी के प्रति नफरत की बाढ़ आ गई। इस बीच, एक कंपनी ने ट्विटर का नाम बदलने को लेकर मस्क के एक्स के खिलाफ अमेरिका में मुकदमा दायर किया है।

सोच-समझ कर बदलें करियर

कुछ लोगों को मौजूदा करियर की टाइमिंग पसंद नहीं आती तो कुछ को उस क्षेत्र की जिम्मेदारियां उबाऊ लगती हैं। वहीं कुछ को लगता है कि अपनी योग्यता व क्षमता के हिसाब से योजना न बनाने के चलते वे गलत करियर में आ गए हैं। यानी युवा कई कारणों से करियर में बदलाव चाहते हैं। लेकिन नए क्षेत्र में कदम बढ़ाना पूरी तरह से नई सोच के साथ काम करने जैसा होता है। करियर बदलने के रास्ते और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बता रही हैं वंदना भारती

कई साल एक ही क्षेत्र में नौकरी करने के बावजूद किसी न किसी मोड़ पर ज्यादातर लोगों को यह महसूस होने लगता है कि करियर का उनका चुनाव गलत था। इस बात का एहसास होते ही उस क्षेत्र से निकलने की उनकी बेचैनी बढ़ जाती है। वरिष्ठ करियर काउंसलर डॉ. संजीब कुमार आचार्य ने बताया कि लोगों को ऐसा तब ज्यादा महसूस होता है, जब वह किसी काम में असफल होने लगते हैं। जब तक किसी क्षेत्र या करियर में उन्हें सफलता हासिल हो रही होती है, उन्हें अपने गलत करियर में आने का एहसास नहीं होता। ऐसे लोगों को करियर बदलने से पहले तीन बातों का ध्यान रखना चाहिए। पहला – अपनी रुचि, दूसरा – अपना व्यक्तित्व और तीसरा – अपनी योग्यता। योग्यता, जानकारी और कौशल के अभाव में सिर्फ रुचि और व्यक्तित्व के आधार पर करियर का चुनाव नहीं किया जा सकता। वह फैसला हमेशा गलत होगा। यदि आप वर्तमान करियर को बदल कर अपनी रुचि वाले क्षेत्र में भाग्य आजमाना चाहते हैं तो भी उस क्षेत्र का ज्ञान, कौशल और समझ जरूरी है। हुनर और जानकारी के अभाव में आप कहीं भी सफल नहीं हो सकते और असफलता आपको हर पल अपने गलत फैसले का एहसास कराती रहेगी। इसलिए करियर बदलने से पहले उससे जुड़ी इन बातों को समझ लें

वर्तमान कंपनी में ही परख लें अपनी क्षमता

करियर में परिवर्तन करने से पहले यह जरूरी है कि कहीं और काम तलाशने से पहले वर्तमान संस्थान में ही कोई मिलता-जुलता मौका तलाशें। कई ऑफिस में काम के रोटेशन को बढ़ावा दिया जाता है यानी कुछ दिनों तक एक विभाग में रहने के बाद यदि कर्मचारी चाहे तो उसकी रुचि के हिसाब से दूसरा विभाग सौंप दिया जाता है। इससे आपको किसी दूसरे संस्थान में जाए बगैर ही अपनी क्षमताओं को परखने का मौका मिल जाएगा।

पहले कर लें तैयारी

किसी भी नये काम में उतरने से पहले अपनी शैक्षणिक योग्यता, अपने हुनर और रुचियों आदि का हिसाब लगाएं। अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें। जिस क्षेत्र में जाना चाहते हैं, उस क्षेत्र की कंपनियों के बारे में भी जानकारी एकत्रित करें। उनकी वेबसाइट देखें। नई खबरों से अपडेट रहें। वर्कशॉप और सेमिनार में भाग लें। उस क्षेत्र में पहले से काम कर रहे लोगों से वास्तविक स्थिति को जानें और उसके हिसाब से खुद को ढालें। किसी नए क्षेत्र में कदम रखने से पहले उसकी तैयारी जरूरी है।

भटकाव से घबराएं नहीं

आप क्या करना चाहते हैं, क्या नहीं? यह पशोपेश सिर्फ आपके साथ नहीं, अधिकांश लोगों के साथ होता है। ज्यादातर लोग जीवन की पहली नौकरी बिना लक्ष्यों को जानते हुए करते हैं। उनमें से कुछ उसी काम को जीवनभर करते रहते हैं और कुछ स्विच कर जाते हैं। पहले करियर बदलने वाले लोगों की संख्या सीमित होती थी, पर आज के दौर में दो-तीन साल की नौकरी करने के बाद ही युवा करियर बदलने को बेचैन होने लगते हैं।

नौकरी बदल कर देखें

कई बार लोग काम से बोरियत होने या बॉस व सहकर्मियों के स्वभाव के कारण भी करियर बदलने का फैसला कर लेते हैं। यदि ऐसा है तो आप कुछ दिनों का ब्रेक ले सकते हैं या नौकरी बदल सकते हैं। नौकरी में बदलाव से ही आपकी जरूरत पूरी हो रही है तो करियर में बदलाव के बड़े फैसले पर न टिके रहें, क्योंकि ऐसा दूसरी जगह नहीं होगा, इस बात की गारंटी नहीं है। ऐसे में नया करियर अपनाने की जगह अपने ही क्षेत्र की दूसरी कंपनी में नौकरी तलाशना अधिक बेहतर होगा।

जान लें सभी पहलुओं को

कई बार हम जल्दबाजी में फैसला कर बैठते हैं। योजना बनाते हुए हमें सब कुछ अच्छा ही दिखता है। लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं यानी हर क्षेत्र में खूबियों के साथ कुछ खामियां भी होती हैं। किसी सेक्टर में पांव रखने से पहले उसके सभी पहलुओं को जान लें।

तरक्की भी है जरूरी

उद्देश्य और लक्ष्य के बगैर कोई भी जोखिम उठाना शुरू से ही मुसीबत का सबब होता है, इसलिए यदि करियर स्विच करने का विचार बना रहे हैं तो पहले दीर्घकालिक रणनीति जरूर बनाएं। यह देख और समझ लें कि उस क्षेत्र में तरक्की की कितनी संभावना है। उस क्षेत्र के किसी करीबी दोस्त से राय लें और तभी फैसला करें।

अवसर पर नजर

करियर स्विच करने के लिए मौका मिलना भी एक अहम बात है। इसलिए अवसरों को पहचानें और अखबारों व पत्रिकाओं पर नजर रखें, जहां नई नौकरियों की जानकारी दी जाती है।

रेज्यूमे में बदलाव

रेज्यूमे हमारा प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए उसका प्रभावी होना बेहद जरूरी है। लेकिन रेज्यूमे में किया गया बदलाव संबंधित क्षेत्र के शोध पर आधारित होना चाहिए। वहां के ऑफर व पैकेज की जानकारी लें। इसके बाद अपने रेज्यूमे में अपने कौशल और अनुभव से जुड़े तथ्य जोड़ें। ध्यान रखें कि अपने रेज्यूमे में कभी गलत जानकारी ना दें। आजकल अमूमन हर कंपनी बैक ग्राउंड चैकिंग करवाती है और अगर आपके द्वारा दी गई जानकारी गलत निकली, तो आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

कहीं आप गलत करियर में तो नहीं !

सोचिये अगर सचिन तेंदुलकर गाना गा रहे होते और लता मंगेशकर क्रिकेट खेलतीं तो क्या होता! जाहिर है अपने क्षेत्र में गगनचुंबी कामयाबी देखने वाली और सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली ये दोनों हस्तियां आज इस मुकाम पर न होतीं। यानी हमारे जीवन में सही करियर का चुनाव बेहद मायने रखता है। लेकिन यह कैसे मालूम होगा कि आप सही करियर में हैं या नहीं। नीचे बताए गए लक्षणों के जरिये आप समझ पाएंगे कि आपने अपने लिए विकास का गलत रास्ता चुना है या सही-

नौकरी की खामियां निकालना

काम कोई भी हो, उसे करने के दौरान या उसके बाद खुशी महसूस न होना, हमेशा उसमें कमियां नजर आना और दोस्तों के बीच उस काम की बुराइयां गिनाते रहना नौकरी के प्रति आपकी उदासीनता को दर्शाता है। इन सभी लक्षणों से यह स्पष्ट होता है कि आपकी नौकरी आपको खुशी नहीं दे रही।

नहीं होते गौरवान्वित

जब कोई आपके काम के बारे में पूछता है, आप मुद्दा बदल देते हैं या कहते हैं कि कुछ खास नहीं है बताने को। गलत करियर में फंसने का यह दूसरा लक्षण है।

खराब प्रदर्शन

जब किसी काम में आप अच्छे और कुशाग्र होते हैं तो उसे करना अच्छा लगता है, लेकिन लगातार गिरता प्रदर्शन इस बात का संकेत देता है कि आप उस काम में ठीक नहीं हैं। यदि आपके साथ ऐसा है तो दूसरे क्षेत्र के बारे में सोचने का यह सही समय है।

हर दिन चुनौतीपूर्ण

जिस तरह हर गेंद पर छक्का नहीं मारा जा सकता, उसी तरह ऑफिस का हर दिन एक समान नहीं होता। किसी दिन आप बेहतर प्रदर्शन करते हैं और कोई दिन चुनौती भरा होता है। लेकिन यदि आपका हर दिन चुनौतीपूर्ण होता है और दिन काटना मुश्किल हो जाता है तो निश्चित तौर पर आप गलत जगह काम कर रहे हैं।

सिर्फ पैसे के लिए नौकरी

हम में से कुछ लोग अपने सपनों की बजाय ज्यादा वेतन वाली नौकरी को प्राथमिकता देते हैं। यदि आप सिर्फ पैसों के लिए कोई नौकरी कर रहे हैं तो संभवत- आप एक गलत करियर में हैं।

योग्यता के विपरीत

हम सब में कुछ खास हुनर होता है और उसके हिसाब से हमारी रुचि भी विकसित हो जाती है। जब करियर इससे मेल खाता हो तो उस पर गर्व महसूस होता है और उससे सच्ची खुशी मिलती है। दूसरों की देखादेखी में नौकरी से जुड़े अहम निर्णय ना लें। इसलिए अपने वर्तमान काम की अपनी योग्यता और पसंद से तुलना कर देखें। यदि ये मेल नहीं खाते तो आप गलत करियर में हैं।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट में भविष्य

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट अर्थात निर्यात प्रबंधन के उत्पादन से लेकर उसे विदेश भेजने तक के कायरे का समन्वय। इसमें उत्पादन इकाई के समस्त कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रहती है। किसी भी निर्यात या विदेश व्यापार करने वाली इकाई में डाक्यूमेंटेशन, परचेज, प्रोडक्शन तथा कोआर्डिनेटर इकाइयां परस्पर समन्वय से ही एक्सपोर्ट कार्य करती हैं

एक्सपोर्ट मैनेजर (निर्यात प्रबंधक) विदेशी कंपनी के साथ संपर्क बनाकर कॉन्ट्रैक्ट हासिल करते हैं, तो डाक्यूमेंटेशन ऑफिसर के माध्यम से समस्त कानूनी प्रोडक्शन विभाग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उत्पादन करता है। जनसंपर्क अधिकारी विदेशी कंपनियों के साथ संपर्क स्थापित करता है। लेकिन इन सभी कायरें में व्यावहारिक कुशलता, बेहतर कम्युनिकेशन कौशल तथा ग्राहक की आवश्यकताओं को पहचान कर अपेक्षित माल का निर्यात ही एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की सफलता का मूलमंत्र है।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट व डाक्यूमेंटेशन से संबंधित पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को निर्यात से संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं से अवगत कराना है। निर्यात प्रक्रिया, ट्रेड-प्रैक्टिस तथा सही डाक्यूमेंटेशन की समझ से ही छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में सफलता हासिल होती है।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंटेशन के अंतर्गत छात्रों को अनेक विषयों की गहन शिक्षा दी जाती है- वैधानिक व वित्तीय डॉक्यूमेंटेशन, ईपीजेड डॉक्यूमेंटेशन, परिवहन डॉक्यूमेंटेशन, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार विधियां, आयात-निर्यात निति, आयात निर्यात डाक्यूमेंटेशन, डॉक्यूमेंटेशन सत्यापन व पूछताछ, डॉक्यूमेंटेशन की वैज्ञानिक विधि से रिकार्ड कीपिंग, मार्केटिंग आदि। इन सभी विषयों का गहन अध्ययन छात्रों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मार्केट में स्थापित करने योग्य बनाता है, ताकि वे बढ़ती प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान बना सकें।

भारत के कई संस्थानों में एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की शिक्षा दी जाती है, जहां संबंधित व्यवसाय की सारी बारीकियों से अवगत कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूलत- एक्सपोर्ट मार्केटिंग, एक्सपोर्ट प्राइसिंग एंड फाइनेंस, इंपोर्ट मैनेजमेंट

डॉक्यूमेंटेशन, इंटरनेशनल बिजनेस आदि विषय पढ़ाये जाते हैं। पहले केवल आधारभूत शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र ही इस क्षेत्र में रोजगार तलाशते थे। किन्तु अब प्रतिस्पर्धा तथा आधुनिकीकरण के चलते एमबीए शिक्षा प्राप्त लोग भी इस ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि आधुनिक बाजार व प्रतिस्पर्धा की बारीकियां इन्हीं पाठ्यक्रमों से सीखकर कोई भी अपना आधार तैयार कर सकता है। करियर की अच्छी संभावनाओं के चलते इस कोर्स के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ने लगा है।

कई संस्थानों द्वारा एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की शिक्षा विभिन्न स्तरों पर दी जाती है, लेकिन सभी के प्रवेश के मानक अलग-अलग निश्चित किए गए हैं। इस क्षेत्र में एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीजीसी), फॉरेन ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड का नाम विशेष उल्लेखनीय है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड एक सरकारी संस्थान है, जो ''एक्जीक्यूटिव मास्टर्स इन इंटरनेशनल ट्रेड' तथा ''मास्टर्स प्रोग्राम इन इंटरनेशनल बिजनेस' नामक दो पाठ्यक्रमों की शिक्षा देता है। इन पाठ्यक्रमों में पचास प्रतिशत अंकों से स्नातक उत्तीर्ण छात्रों को अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश-परीक्षा के उपरांत प्रवेश दिया जाता है, जबकि एक्जीक्यूटिव मास्टर्स इन इंटरनेशनल ट्रेड के एक वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पांच वर्ष का कार्यानुभव होना भी आवश्यक है। फॉरेन ट्रेड डेवलवमेंट सेंटर के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में इंटरमीडिएट छात्र भी दाखिला ले सकते हैं। यह संस्थान ई- एक्सपोर्ट मैनेजमेंट में चार महीने का डिप्लोमा कोर्स भी कराता है, ताकि छात्र ई-बिजनेस की बारीकियों से अवगत हो सकें। इस क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग एक उचित कदम सिद्ध हो रहा है।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट में शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रमुख संस्थान निम्नलिखित हैं

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, नई दिल्ली
-फॉरेन ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर, नई दिल्ली
-एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीजीसी) नई दिल्ली।
-एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, मुंबई
-एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, बेंगलुरु

सही दिशा व काम करने की स्पीड सफल करियर के लिए जरूरी

स्पीड की दुनिया में जापान ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उसने अपनी ट्रेन की गति को 603 किलोमीटर प्रति घंटा दौड़ाने का रिकार्ड बनाया है। जापान की यह नई स्पीड दुनिया के लिए चैलेंज है। जीवन में भी सफलता के लिए स्पीड का अपना महत्व है। स्पीड बढ़ाने के लिए जीवन में नए लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। जब हम नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं तो हमारी काम करने की स्पीड बढ़ती है। भूख व जनून पैदा होता है। लगातार काम करते-करते हमारी काम करने की स्पीड कम हो जाती है। जिस गति से हम काम करते हैं, उसकी ही हमें आदत हो जाती है। गति बढ़ाने के लिए हमें खुद की प्राथमिकताएं तय करते हुए अनावश्यक चीजों को, इच्छाओं को हटाना जरूरी है

कौशल को प्रभावित करता है कचरा: कंप्यूटर जब पुरानी फाइलों से भर जाता है तो

उसकी स्पीड कम होने लगती है, उसका कौशल प्रभावित होने लगता है, वह हैंग होने लगता है। जैसे ही उसके कचरे को हम रिसाइकिल बिन में डालते हैं वह दौड़ने लगता है।

हाइवे पर वाहनों की संख्या अगर ज्यादा है तो उस पर चलने वाहनों की स्पीड निश्चित रूप से कम हो जाती है। स्पीड बढ़ाने के लिए कुछ ट्रेफिक को दूसरे रूट पर डाइवर्ट किया जाता है ताकि स्पीड बढ़े। काम का ट्रेफिक अगर ज्यादा भी है तो भी अपनी स्पीड को बनाए रखने की हर संभव कोशिश करें। स्पीड हमारी सफलता व असफलता दोनों को तय करती है। स्पीड बढ़ाने के लिए कचरे को हटाइए।

हैंग होने से बचें: जीवन में आगे बढ़ते हुए हम बहुत बार हैंग भी होते हैं। यह तब होता है जब हम ओवर लोडिड होते हैं। जरूरत से ज्यादा हैवी फाइल सिस्टम को हैंग कर देती हैं, काम का अधिक बोझ अगर है तो भी आपके काम करने की स्पीड को यह बुरी तरह से प्रभावित करता है। ऐसे में आपके सिस्टम की हैंग होने की संभावना बनी रहेगी। स्पीड बढ़ाने के लिए खुद को ओवरलोड न होने दें। काम के बोझ को अपने व्यक्तित्व पर न हावी होने दें, वरना एक बार सिस्टम हैंग हो गया, तब स्पीड का कोई महत्व नहीं रहेगा।

स्पीड व दिशा दोनों का ध्यान रखें: जब हम हाइवे पर चल रहे होते हैं तब हमें स्पीड चाहिए, शहर में ट्रेफिक में फंसे होते हैं तब हमारे लिए दिशा चाहिए। स्पीड का तब तक कोई महत्व नहीं है जब तक हमें यह नहीं पता हो कि हमें किस दिशा में जाना है। कुछ लोग बिना किसी लक्ष्य के भागते रहते हैं, मेहनत करते हैं। उनकी मेहनत कभी रिजल्ट में इसलिए तब्दील नहीं होती, क्योंकि उन्होंने दौड़ने से पहले दिशा का सही तरीके से चयन नहीं किया। करियर में सफलता के लिए भी पहले यह पता होना जरूरी है, जब दिशा तय हो जाए, तभी गति का महत्व है। इसलिए जब दिशा सही हो तभी गति बढ़ाएं।

स्पीड व परफेक्शन के बीच संतुलन जरूरी: कुछ ऐसे व्यक्तित्व के लोग भी होते हैं जिनकी स्पीड कम होती है, लेकिन उनमें गजब का परफेक्शन होता है। परफेक्शन के कारण ही उनकी स्पीड कम होती है। स्पीड के साथ अगर काम करने की गुणवत्ता बनी रहे, तो किसी भी क्षेत्र में कदम रखिए, सफलता जरूर मिलेगी। जब स्पीड पर हमारा नियंतग्रनहीं होता, तो दुर्घटना भी भयानक होती है। मंजिल तक जाने के लिए दोनों के बीच में संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

पहले ही बाहर हो जाएंगे: अगर करियर की दिशा सही नहीं है, करियर का चुनाव करने में गलती हुई है, ऐसी स्थिति में मैदान में उतरने से पहले ही उससे बाहर होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। जीवन में करियर का निर्णय बहुत ही सोच विचार कर होना चाहिए, पहले ही परख लें कि आप जहां हैं वहां से कहां तक जा सकते हैं।

जल्दी से दौड़िए, वरना असफल हो जाएंगे: अंग्रेजी में एक कहावत है कि आइदर विन फास्ट ऑर लूज फॉस्ट। अपने कार्यक्षेत्र में हम तेजी से दौड़ते नहीं है तो असफल भी उतनी तेजी के साथ होते हैं। सफलता के लिए अपनी स्पीड को बनाए रखना जरूरी है। जब कदम आगे बढ़ा लिया है तो पीछे मत हटिए, तेजी के साथ दौड़िए, जिस गति से हम दौड़ते हैं, उसी गति से अपने लक्ष्य को भी हासिल करते हैं।

दिल्ली पर फिर मंडराया प्रदूषण का संकट, नियंत्रण के लिए ग्रीन वॉर रुम

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस साल भी दिल्ली पर प्रदूषण का संकट मंडराने लगा है। कारण ये है कि इसी मौसम में किसान पराली जलाते हैं और दीपावली पर पटाखे भी फोडे जाते हैं जिसके कारण प्रदूषण बढने की संभावना ज्यादा रहती है। हालांकि दिल्ली सरकार ने एतिहात के तौर पर पटाखों पर प्रतबिंध लगा दिया है साथ ही चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद भी पटाखे फोडने के शिकायतें मिलती रहीं है। इसलिए लोग पटाखे नहीं फोडेंगे इसको लेकर संशय बना हुआ है। वहीं दूसरी तरफ जानकारों का मानना है कि नीनो के दौरान हवाएं काफी कमजोर रहती हैं जिसके कारण खतरा बढ जाता है। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की निगरानी और शिकायतों के निवारण के लिए दिल्ली सरकार के नियंत्रण केंद्र के रूप में ग्रीन वॉर रूम बनाए है जो प्रदूषण पर नजर रखेंगे और जो भी शिकायतें मिलेंगी उनका तत्काल समाधान करेंगे। इसके अलावा जो डेटा मिलेगा उसका जानकार एनालेसस करेंगे। वहीं, मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, इस बार सर्दियों में एनसीआर के निवासियों को वायु प्रदूषण की अधिक मार झेलनी पड़ सकती है। दरअसल, अल नीनो के दौरान हवाएं काफी कमजोर रहती हैं। खासतौर पर सर्दियों में इनकी गति तीन से पांच किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भी कम होने लगती है। इसीलिए वायु प्रदूषण से बचने के लिए इस बार एनसीआर में लोगों को पहले के मुताबिक अधिक प्रदषण का सामना करना पड़ सकता है।

चंद्रबाबू नायडू को 6 दिन और जेल में रहना होगा, नौ अक्टूबर तक सुप्रीम कोर्ट में टली सुनवाई

नई दिल्ली । कौशल विकास निगम घोटाला मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू को 6 दिन और जेल में रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू की उस याचिका पर सुनवाई नौ अक्टूबर तक के लिए टाल दी, जिसमें कौशल विकास निगम घोटाला मामले में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की उनकी अपील खारिज करने संबंधी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। पूर्व सीएम को 9 सितंबर को कौशल विकास निगम से धन के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जब वह 2015 में पद पर थे। यह घोटाला 371 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। सीआईडी ??ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में आरोप लगाया कि नायडू धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज़ बनाने और सबूतों को नष्ट करने के अलावा, सरकारी धन को अपने उपयोग के लिए धोखाधड़ी से गबन करने या अन्यथा परिवर्तित करने, एक लोक सेवक के नियंत्रण में संपत्ति का निपटान करने के इरादे से एक आपराधिक साजिश में शामिल हुए। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को मामले के संबंध में उच्च न्यायालय के समक्ष पेश की गई सभी सामग्रियों को रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया। रोहतगी ने कहा कि प्राथमिकी रद्द करने के अनुरोध वाली नायडू की याचिका खारिज कर दी जानी चाहिए, क्योंकि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-17ए का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि यह प्रावधान जुलाई 2018 में आया था, जबकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2017 में मामले की जांच शुरू की थी।

लड़कियां हिजाब पहनने से मना कर रही हैं...सीपीआईएम नेता की टिप्पणी से शुरू हुआ नया विवाद

तिरुवनंतपुरम। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता के अनिल कुमार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी ने केरल के मलप्पुरम जिले में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनना छोड़ने के लिए प्रेरित किया है। मलप्पुरम में शिक्षा प्रणाली को देखें। क्या इसे किसी धार्मिक संगठन द्वारा बनाया गया था? मलप्पुरम जिले का गठन सीपीआईएम द्वारा किया गया था। मलप्पुरम में हो रहे परिवर्तनों के हिस्से के रूप में मलप्पुरम की नई महिलाओं को देखें। सीपीआई (एम) नेता ने कहा कि केरल में मौजूद कम्युनिस्ट पार्टी के हिस्से के रूप में और शिक्षा प्रणाली के हिस्से के रूप में अपने सिर पर हिजाब पहनने से कौन इनकार करेगा। एक नास्तिक समूह द्वारा आयोजित एक सेमिनार के दौरान दिए गए इस बयान से कई धार्मिक संगठनों और विद्वानों में आक्रोश फैल गया। सुन्नी विद्वानों के संगठन समस्त ने सीपीआई (एम) पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। आईयूएमएल नेता के एम शाजी और केपीए मजीद ने भी कुमार के बयान पर सीपीआई (एम) की निंदा की। उन्होंने स्वतंत्र सोच को हेडस्कार्फ़ के परित्याग से जोड़ने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया और सीपीआई (एम) पर धार्मिक मान्यताओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। प्रतिक्रिया के जवाब में सीपीआई (एम) के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने कुमार के दावों को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि टिप्पणियां अनुचित थीं और पार्टी के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। उन्होंने कहा कि पहनावा व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है और किसी को इसका अतिक्रमण नहीं करना चाहिए। इसी तरह, सीपीआई (एम) समर्थित विधायक केटी जलील ने कहा कि राय पूरी तरह से व्यक्तिगत है और पार्टी का रुख नहीं है, उन्होंने कहा कि 'व्यक्ति की गलती को पार्टी के फैसले के रूप में पेश करने का प्रयास गलत जानकारी वाला है।

सीआरपीएफ के एसआई के घर से एक और हाथी का दांत बरामद

उदयपुर । क्राइम ब्रांच टीम की सूचना पर उदयपुर जिले की सवीना पुलिस ने 30 सितंबर को पकड़े गए सीआरपीएफ के एसआई राहुल मीणा के घर से एक और हाथी का दांत बरामद किया है। यह भी पहले बरामद किए हाथी दांत के वजन 8 किलो और लंबाई 3 फिट के बराबर है। अब तक आरोपी के पास से कुल 16 किलो वजनी दो दांत बरामद किए जा चुके हैं। इसकी कीमत करीब 3 करोड रुपए है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की सूचना पर 30 सितंबर को पकड़े गए पांच हाथी दांत तस्करों के बारे सूचनाएं एकत्रित की गई। 2 दिन लगातार सूचना संकलन में आरोपी एसआई द्वारा गांव झाला टाला स्थित घर में एक और हाथी दांत छुपाने की जानकारी मिली। एडीजी एमएन ने बताया कि सूचना से मामले की जांच कर रही सवीना पुलिस को अवगत कराया गया। इस सूचना पर पुलिस की टीम ने आरोपी एसआई राहुल मीणा के घर पहुंच कर एक और हाथी दांत बरामद किया। इसका वजन भी 8 किलो और लंबाई 3 फीट है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की सूचना पर हाथी दांत बेचने की फिराक में घूम रहे पांच आरोपियों गांव झाला टाला अलवर निवासी राहुल मीणा (25), थाना महवा जिला दौसा निवासी अमित सिंह गुर्जर (24), भुसावर जिला भरतपुर निवासी अर्जुन सिंह मीणा (25) व संजय सिंह मीणा (31) तथा पालड़ी मीणा थाना खोह नागोरियान जयपुर निवासी रीटा शाह (25) को सवीना थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इनका सरगना राहुल मीणा सीआरपीएफ में एसआई है। जिसने जुलाई-2023 में ही कोयंबतूर से अपनी ट्रेनिंग पूरी की थी। वर्तमान में कश्मीर के सोपोर जिले में तैनात है। अगस्त महीने में छुट्टी लेकर वह वापस कोयंबटूर गया और तस्करों से हाथी दांत खरीद कर मोटा मुनाफा कमाने बेचने के लिए राजस्थान लाया लेकिन उदयपुर में सीए सर्किल पर सभी पकड़े गए।

उज्जैन रेप केश : बुधवार को आरोपी के घर पर चल सकता है बुलडोजर, तैयारी में प्रशासन

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थानीय प्रशासन 12 साल की लड़की से बलात्कार के मामले में गिरफ्तार एक ऑटो चालक के 'अवैध' घर को ध्वस्त करने की योजना बना रहा है। उज्जैन में सरकारी जमीन पर अवैध इमारत के रूप में पहचाने गए ऑटो चालक भरत सोनी के आवास को बुधवार को ध्वस्त किया जा सकता है। करीब 12 साल की एक लड़की को घायल हालत में उज्जैन की सड़कों पर घूमते हुए पाए जाने के तीन दिन बाद भरत सोनी को गिरफ्तार किया गया था। अर्धनग्न और खून से लथपथ लड़की मदद की गुहार लगाते हुए 8 किमी से अधिक तक चली। मेडिकल जांच से पता चला कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। कार्रवाई को लेकर कई बार संशय बना रहा लेकिन अब एसपी सचिन शर्मा ने कहा है कि मंगलवार को कोई कार्रवाई नहीं होगी और बुधवार को उनका घर तोड़ा जाएगा। उधर, पुलिस सूत्रों का यह भी कहना है कि अभी तक आरोपियों की कोई बड़ी संपत्ति सामने नहीं आई है। पुलिस को अभी तक भरत सोनी की किसी वैध और बड़ी संपत्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है. पुलिस को यह भी पता चला है कि भरत का परिवार बेहद गरीब है और उसके पिता भी ऑटो चलाते हैं जबकि उसका भाई एक छोटी सी दुकान चलाता है।

जातिगत जनगणना को लेकर महाराष्ट्र में हलचल तेज !

फडणवीस बोले- सही समय पर फैसला लेंगे सीएम शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। बिहार में जाति जनगणना की रिपोर्ट आ गई है। अब महाराष्ट्र में भी इसको लेकर चर्चा तेज होती दिखाई दे रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार भी इस कदम के बारे में सकारात्मक थी, लेकिन वह पहले बिहार की आधिकारिक रिपोर्ट का अध्ययन करेगी। यह घोषणा तब हुई जब भाजपा ने पार्टी के गढ़ विदर्भ में ओबीसी जनजागृति यात्रा का पहला चरण शुरू किया, जहां वह ओबीसी वोट बैंक के कारण विपक्ष से अधिक सीटें जीतती रही है। फडणवीस ने कहा कि हमने अभी तक बिहार रिपोर्ट नहीं देखी है। हम प्रामाणिकता, परिणाम और प्रभाव तथा प्रयुक्त पद्धति जानने के लिए पहले इसके आधिकारिक संस्करण का अध्ययन करेंगे। सीएम एकनाथ शिंदे उचित निर्णय लेंगे।

भाजपा नेता ने कहा कि हम इस तरह की जनगणना के विचार के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला बिहार इस तरह की जनगणना करने वाला एकमात्र राज्य था। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों ने भी (जनगणना के लिए) अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। शरद पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने बिहार की जाति आधारित गणना की सराहना करते हुए मांग की है कि महाराष्ट्र सहित देश के सभी राज्यों में इसी तरह की कवायद की जानी चाहिए। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकार छीने जाने का आरोप लगाया।

हार में नीतीश कुमार सरकार ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित जाति आधारित गणना के आंकड़े जारी किए, जिसके अनुसार राज्य की कुल आबादी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत है। बिहार के विकास आयुक्त विवेक सिंह द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ से कुछ अधिक है, जिसमें ईबीसी (36 प्रतिशत) सबसे बड़े सामाजिक वर्ग के रूप में उभरा है, इसके बाद ओबीसी (27.13 प्रतिशत) है।

असम में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई के दूसरे चरण में 800 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में बाल विवाह के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई के दूसरे चरण में मंगलवार को 800 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। इस साल की शुरुआत में अभियान के पहले चरण में राज्य भर से हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया था। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के तहत असम पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह अभियान तड़के शुरू हुआ।'' उन्होंने कहा कि अभियान अभी जारी है, यानी इस सामाजिक बुराई से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए जाने वाले लोगों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। शर्मा ने 11 सितंबर को असम विधानसभा में बताया था कि पिछले पांच साल में बाल विवाह से संबंधित मामलों में कुल 3,907 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 3,319 लोगों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत आरोप लगाए गए हैं।

भारत ने कनाडा से 10 अक्टूबर तक 40 राजनयिकों को वापस बुलाने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को सुधारने की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं दिख रही हैं। कनाडा अपने स्टैंड पर भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है वहीं भारत भी अपने उपर लगे सभी फर्जी आरोपों का कनाडा को करारा जवाब दजे रहा है। ताजा अपडेट के अनुसार बीजा सर्विस बंद करने के बाद भारत ने एक और कड़ा एक्शन लिया है। द फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में नई दिल्ली की संलिप्तता के ओटावा के आरोपों पर दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनयिक विवाद के बीच भारत ने कनाडा से 10 अक्टूबर तक लगभग 40 राजनयिकों को वापस बुलाने को कहा है।

मामले की सीधी जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने अखबार को बताया कि भारत ने धमकी दी है कि अगर कोई भी कनाडाई राजनयिक 10 अक्टूबर के बाद देश में रहेगा तो उसकी राजनयिक छूट खत्म कर दी जाएगी।

द फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, कनाडा के भारत में 62 राजनयिक हैं, जबकि नई दिल्ली ने उन्हें अपने उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या घटाकर 41 करने के लिए कहा है। विदेशी मामलों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कनाडाई सीनेट समिति के अध्यक्ष पीटर बोहेम के हवाले से समाचार पत्र ने कहा, 'अधिक कनाडाई राजनयिकों को अवांछित व्यक्ति घोषित करने से स्थिति में मदद नहीं मिलेगी और इस असहमति से जुड़ी भावनाओं को कम करना और अधिक कठिन हो जाएगा।'

बोहेम ने कहा कि प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो को पीछे हटने की उम्मीद नहीं है, उन्होंने कहा कि भारत कनाडा को ÷एक आसान निशान÷ के रूप में देखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नई दिल्ली को ओटावा की जवाबी कार्रवाई करने की सीमित क्षमता के बारे में पता था क्योंकि ओटावा में अल्पमत सरकार है। ट्रूडो जो लिबरल पार्टी के नेता हैं, भारतीय मूल और कनाडाई सिख नेता जगमीत सिंह, जो न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के प्रमुख हैं, के साथ सत्ता साझा करते हैं। द फाइनेंशियल टाइम्स ने बोहेम्स के हवाले से कहा, 'भारत जानता है कि जवाबी कार्रवाई करने की हमारी क्षमता सीमित है, हमारी अल्पमत सरकार है और इसके परिणामस्वरूप होने वाली राजनीति के बारे में पता है। और, निश्चित रूप से, भारत में चुनाव होने वाले हैं।÷ पिछले मौकों पर, भारत ने कहा है कि वह देश और कनाडा में समान संख्या में राजनयिक तैनात करना चाहता है। दिल्ली में अपने उच्चायोग में कनाडा के पास ओटावा में भारत की तुलना में कई दर्जन राजनयिक तैनात हैं। 18 सितंबर को ट्रूडो के यह कहने के बाद भारत और कनाडा के बीच एक अभूतपूर्व राजनयिक संकट पैदा हो गया कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार के एजेंटों और निज्जर की हत्या के बीच 'संभावित संबंध के विश्वसनीय आरोपों' को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही हैं। भारत, जिसने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था, ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है, उन्हें 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताया है। प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख निज्जर की जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले पर ओटावा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के जवाब में भारत ने एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। नई दिल्ली ने कनाडाई लोगों के लिए वीज़ा सेवाएं भी निलंबित कर दीं।

विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से नहीं हो पा रहा संपर्क, अंतिम दौर में पहुंचा मिशन चंद्रयान-3

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का मिशन चंद्रयान-3 अब अंतिम दौर में माना जा रहा हालांकि वैज्ञानिक लगातार विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से संपर्क करने का प्रयास कर रहे है। बीते माह सितंबर में कई बार इसरो के वैज्ञानिकों ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन सफलता नहीं मिल पाई थी। अब चूंकि तीन-चार दिन के भीतर शिव शक्ति प्वाइंट पर अंधेरा छा जाएगा और संपर्क होने की संभावना पूरी तरह खत्म हो जाएगी। माना जा रहा है कि दो या तीन दिन की अवधि में यदि संपर्क होता है तो ठीक है नहीं तो यह मिशन का आखिरी पड़ाव ही रहेगा। इसका मतलब यह नहीं है कि चंद्रमा से जुड़ी जानकारी नहीं मिलेगी। अभी चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल से इसरो की आस बनी रहेगी। प्रोपल्शन मॉड्यूल में इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा शेप नाम का एक उपकरण लगाया गया है जिससे अंतरिक्ष में छोटे ग्रहों के साथ-साथ एक्सोप्लैनेट्स की खोज चलती रहेगी।

चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल का काम शुरुआत में केवल विक्रम लैंडर को चांद की नजदीकी कक्षा में पहुंचाकर चांद का चक्कर लगाना था। प्रोपल्शन मॉड्यूल ने यह काम बेहद अच्छे से किया और अब इसरो प्रोपल्शन मॉड्यूल में लगे शेप का पूरा फायदा उठा रहा है। यह अभी कम से कम चार से पांच महीने तक काम करेगा। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा लॉन्च किए गए चंद्रयान -3 मिशन ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास सफलतापूर्वक उतरकर इतिहास रच दिया था।जिसके कारण भारत दुनिया का पहले ऐसा देश बना जिसने चांद की दक्षिणी ध्रुव में सफल लैंडिंग की।

मायावती ने यूपी सरकार से की जातीय जनगणना कराने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी यूपी सरकार से जातीय जनगणना कराने की मांग की है। उन्होंने मंगलवार को बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातीय जनगणना के मामले में अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यूपी सरकार को भी अब अपनी नीयत व नीति में जन भावना व जन अपेक्षा के अनुसार सुधार कर जातीय जनगणना अविलम्ब शुरू करा देना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने की खबरें आज काफी सुर्खियों में हैं तथा उस पर गहन चर्चाएं जारी हैं। कुछ पार्टियाँ इससे असहज ज़रूर हैं किन्तु बीएसपी के लिए ओबीसी के संवैधानिक हक के लम्बे संघर्ष की यह पहली सीढ़ी है। उन्होंने लिखा कि बीएसपी को प्रसन्नता है कि देश की राजनीति उपेक्षित 'बहुजन समाज' के पक्ष में इस कारण नयी करवट ले रही है, जिसका नतीजा है कि एससी/एसटी आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बनाने तथा घोर ओबीसी व मंडल विरोधी जातिवादी एवं साम्प्रदायिक दल भी अपने भविष्य के प्रति चिन्तित नजर आने लगे हैं।

मायावती ने कहा कि यूपी सरकार को अब अपनी नीयत व नीति में जन भावना व जन अपेक्षा के अनुसार सुधार करके जातीय जनगणना/सर्वे अविलम्ब शुरू करा देना चाहिए, किन्तु इसका सही समाधान तभी होगा जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराकर उन्हें उनका वाजिब हक देना सुनिश्चित करेगी। गौरतलब है कि बिहार सरकार ने सोमवार को जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए। गांधी जयंती के दिन बिहार सरकार के मुख्य सचिव समेत अन्य अधिकारियों ने यह रिपोर्ट जारी की। अपर मुख्य सचिव विवेक सिंह ने बताया कि जातिगत सर्वे के मुताबिक बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ के करीब है।

एनडीए का हिस्सा बनना चाहते थे केसीआर, पीएम मोदी ने किया इनकार, निजामाबाद की रैली में हो गया बीआरएस का प्लान एक्सपोज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के निज़ामाबाद में एक विशाल सभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके इंडिया अलायंस ने तीन दशकों तक महिला आरक्षण विधेयक को पारित होने से रोक दिया। घमंडिया गठबंधन ने इसमें देरी करने की साजिश रची। बिजली उत्पादन और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से एनटीपीसी द्वारा तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के चरण 1 की पहली 800 मेगावाट इकाई को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद उनकी यह टिप्पणी आई। उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक परिवार ने राज्य के हजारों परिवारों के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है और उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है।

इसके साथ ही तेलंगाना रेल बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला। प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान कई प्रमुख रेलवे परियोजनाओं का अनावरण किया। इन परियोजनाओं में मनोहराबाद और सिद्दीपेट को जोड़ने वाली एक नई रेलवे लाइन का उद्घाटन, साथ ही धर्माबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुरनूल रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण शामिल है। वहीं पीएम मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में आकर केसीआर ने हमसे मुलाकात की थी। मैंने केसीआर को एनडीए में एंट्री के लिए मना किया। केसीआर ने हमसे कहा था कि केटीआर को आशीर्वाद दें। मैंने केसीआर से कहा कि क्या आप राजा-महाराज हो।

भारत की समृद्ध संस्कृति ने देश को सदियों से एकजुट रखा है : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की समृद्ध संस्कृति ने देश को सदियों से एकजुट रखा है और इसकी सांस्कृतिक विरासत ने वैश्विक केंद्र के रूप में पहचान दिलाई है। शाह ने यहां एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों के कारण देश के सांस्कृतिक मूल्य मानव जाति को प्रकाश दिखा रहे हैं।' शाह देर शाम यहां सेंट्रल पार्क में संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वस्ति आंचलिक राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा, हमारी समृद्ध संस्कृति ने हमारे देश को सदियों से एकजुट रखा है। हमारी सांस्कृतिक विरासत ने हमारे देश को आज वैश्विक केंद्र के रूप में पहचान दिलाई है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों के कारण हमारे सांस्कृतिक मूल्य मानव जाति को प्रकाश दिखा रहे हैं। आज संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वस्ति आंचलिक राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में शामिल हुआ। इस उत्सव में हमारे पारंपरिक नृत्यों और संगीत की सुंदरता को उनके वास्तविक स्वरूप में प्रदर्शित किया गया।' दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना एवं केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी भी समारोह में शामिल हुए।

जनसंख्या आधारित अधिकारों का समर्थन करने वालों को अभिषेक मनु सिंघवी ने चेताया, बोले- बहुसंख्यकवाद को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने मंगलवार को 'जितनी आबादी, उतना हक' पर चल रही बहस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जो बिहार सरकार की जाति जनगणना के निष्कर्षों के बाद शुरू हुई थी। एक्स को आगे बढ़ाते हुए, सिंघवी ने इस बात पर जोर दिया कि जनसंख्या के आधार पर अधिकारों की वकालत करने वालों को इसके परिणामों को समझना चाहिए क्योंकि इससे 'बहुसंख्यकवाद' को बढ़ावा मिलेगा। आपको बता दें कि विशेष रूप से, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'जितनी आबादी उतना हक' की वकालत की। वरिष्ठ वकील ने साफ तौर पर कहा कि अवसर की समानता कभी भी परिणामों की समानता के समान नहीं होती। जितनी आबादी उतना हक का समर्थन करने वाले लोगों को पहले इसके परिणामों को पूरी तरह से समझना होगा। अंततः इसकी परिणति बहुसंख्यकवाद में होगी। हालांकि, इनका बाद में यह एक्स पोस्ट नहीं दिख रहा था। जाति-आधारित सर्वेक्षण पर अपने ट्वीट (जो अब हटा दिया गया है) पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी कहते हैं, 'मैंने कोई अलग रुख नहीं अपनाया। हमने इसका समर्थन किया है और हम इसका समर्थन करना जारी रखेंगे। सभी न्यायालय जो आदेश आए हैं उनमें कहा गया है कि तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना है। जब तथ्य ही नहीं होंगे तो कैसे होगा? इसलिए तथ्यों के लिए जाति जनगणना होना जरूरी है...'

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के सर्वेक्षण से पता चला है कि राज्य में 84 प्रतिशत लोग अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जनसंख्या के आधार पर उनके अधिकार प्रदान किये जाने चाहिए।

राहुल गांधी ने सोमवार को एक्स पर लिखा केंद्र सरकार के 90 सचिवों में से केवल तीन ओबीसी हैं, जो भारत के बजट का केवल 5 प्रतिशत संभालते हैं। इसलिए, भारत के जाति आंकड़ों को जानना महत्वपूर्ण है। जितनी अधिक जनसंख्या, उतने अधिक अधिकार - यह यह हमारी प्रतिज्ञा है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने 2024 के आम चुनाव से कुछ महीने पहले सोमवार को अपने बहुप्रतीक्षित जाति सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, बिहार की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ से कुछ अधिक थी, जिसमें से अत्यंत पिछड़ा वर्ग (36 प्रतिशत) सबसे बड़ा सामाजिक वर्ग था, इसके बाद अन्य पिछड़ा वर्ग 27.13 प्रतिशत था।

कोरोना के बाद पैदा हुई जानलेवा दिमागी बीमारी से अमेरिका परेशान

-प्रियन रोग से मस्तिष्क, स्तंभन दोष और बालों के झड़ने की हो रही समस्या

न्यूयॉर्क। इन दिनों अमेरिका में एक नया प्रियन रोग पैर पसार रहा है। इसका खुलासा कोरोना के बाद हुए अध्ययन में सामने आया है। जानकारों की मानें तो कोरोना वायरस महामारी के दौरान हजारों मामलों के माध्यम से यह बात सामने आई है कि लंबे समय तक कोविड-19 से पीड़ित रहने पर व्यक्ति कई अन्य बीमारियों के अलावा मस्तिष्क, स्तंभन दोष और यहां तक कि बालों के झड़ने का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों को न्यूयॉर्क में एक ऐसा मामला मिला है जहां एक व्यक्ति की मौत संभवत: कोविड-19 संक्रमण से उत्पन्न प्रियन रोग नामक घातक मस्तिष्क रोग से हुई थी। माउंट सिनाई क्वींस के डॉक्टरों ने कहा कि इसकी अत्यधिक संभावना है कि न्यूयॉर्क शहर के एक व्यक्ति में घातक प्रियन रोग विकसित होने में कोविड का योगदान है। यह स्टडी और डायग्नोसिस अमेरिकन जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए हैं। यह मामला एक 62 वर्षीय व्यक्ति के साथ हुई घटना का विवरण साझा करता है, जिसे चलने में कठिनाई होने और तेजी से बढ़ते मनोभ्रंश के लक्षण दिखने के बाद न्यूयॉर्क के एक अस्पताल, माउंट सिनाई क्वींस हॉस्पिटल सेंटर में भर्ती कराया गया था। इस स्टडी के निष्कर्ष में कहा गया है कि हमारा मामला न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों, विशेष रूप से प्रियन डिजीज के साथ कोविड के संभावित जुड़ाव को दिखाता है। अस्पताल में भर्ती होने से दो महीने पहले, क्वींस के रहनेवाले 62 वर्षीय शख्स के मुंह से लार टपकने लगी और वह धीमी गति से चलने लगा। उसे केवल तभी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया जब एक बार घर पर गिरने के बाद यह पाया गया कि वह चलने में असमर्थ है और रुक-रुक कर बातचीत कर रहा है। अस्पताल में भर्ती के उनका कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया, लेकिन सामान्य कोविड श्वसन लक्षणों के अलावा उनमें कोई लक्षण नहीं दिखे। एक मीडिया रिपोर्ट में डॉक्टर के नोट्स का हवाला देते हुए कहा, कि अस्पताल में भर्ती होने के लगभग 3 सप्ताह बाद, रोगी धीरे-धीरे गूंगा हो गया और उसे नरम भोजन निगलने में कठिनाई होने लगी, जिसके लिए पीईजी परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी, ट्यूब लगाने की आवश्यकता पड़ी। बाद में वह पैसिव फ्लेक्सन एक्सटेंशन पर गंभीर दर्द के साथ शरीर में ऐंठन संबंधित परेशानी हो गई। नोट में बताया गया है कि अस्पताल में भर्ती के छह सप्ताह बाद, मरीज को मृत घोषित कर दिया गया।

बांग्लादेश में डेंगू से मचा हाहाकार, अब तक एक हजार से अधिक की मौत

-डब्ल्यूएचओ ने चेताया,कहा लापरवाही न बरतें

ढाका। इन दिनों बांग्लादेश में डेंगू से हाहाकार मचा हुआ हैं। हालात इतने ज्यादा खराब हैं,कि अब तक एक हजार से अधिक लोगों को मौत हो चुकी है जिसमें 112 बच्चे और किशोर भी शामिल हैं । पिछले साल की अपेक्षा यहां चार गुना आधिक मौतें हुई है। डेंगू के प्रकोप से लोग डरे हुए हैं। वजह ये है कि ढाका में लगभग सवा दो लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं। घनी आबादी वाले दक्षिण एशियाई देश में यह बीमारी तेजी से फैल रही है। मरीजों की संख्या लगातार बढती जा रही है,हालात इतने ज्यादा बिगड रहे हैं कि मरीजों को भती करने के लिए अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है। बांग्लादेश में बढते डेंगू के प्रकोप को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा है कि मच्छर जनित वायरस से होने वाली बीमारियों के चलते तेजी से बुखार,उल्टी,दस्त, चिकनगुनिया पीला बुखार और जीका वायरस जैसे रोगों का अटेक होता है। ऐसा कोई टीका या दवा अभी तक नहीं है जो इस पर लगाम लगा सके। इसलिए बेहतर है कि मच्छरों को पनपने न दें और सावधानी रखें। जब भी बुखार या उल्टी हो तो तत्काल मेडिकल परीक्षण कराएं और डॉक्टर की सलाह लें। बांग्लादेश में इस तरह के प्रकोप कई बार आते रहे हैं। 1960 के दशक से डेंगू के सैकडों मामले सामने आए थे।

डच वैज्ञानिक ने की पाकिस्तान में विनाशकारी भूकंप की भविष्यवाणी

इस्लामाबाद। नीदरलैंड के एक वैज्ञानिक ने पाकिस्तान में विनाशकारी भूकंप आने की भविष्यवाणी की है। मिली जानकारी के अनुसार वैज्ञानिक ने दावा किया है कि अगले 24 घंटों में पाकिस्तान को अपने इतिहास के सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक का सामना करना पड़ेगा। यह भविष्यवाणी नीदरलैंड स्थित संगठन सोलर सिस्टम ज्योमेट्री सर्वे के डच शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स ने की। संगठन ने बलूचिस्तान के चमन इलाके में फॉल्ट लाइनों के साथ इलेक्ट्रिक चार्ज के उतार-चढ़ाव में असामान्य बढ़ोतरी का पता लगाने का दावा किया है। उसने कहा कि इससे पाकिस्तान में एक शक्तिशाली भूकंप आ सकता है। हूगरबीट्स ने कहा कि 1 से 3 अक्टूबर के बीच का समय पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने यह भविष्यवाणी 29 सितंबर को सोशल मीडिया एक्स पर करते हुए कहा था कि 'जहां तक मैं बता सकता हूं, 1-3 अक्टूबर पा?किस्तान के लिए अधिक महत्वपूर्ण होंगे।' इन अप्रमाणित भविष्यवाणियों ने पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग को एक सफाई जारी करनी पड़ी।पीएमडी ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी भूकंपीय गतिविधि की सटीक भविष्यवाणी करना असंभव है। पृथ्वी के अंदर दो प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाएं पाकिस्तान से होकर गुजरती हैं, जो सोनमियानी से देश के उत्तरी क्षेत्र तक फैली हुई हैं। मौसम कार्यालय ने कहा कि भूकंप इन सीमा रेखाओं में किसी भी बिंदु पर आ सकता है। आखिरी बार चमन फॉल्ट लाइन में बड़ा भूकंप 1892 में देखा गया था, जब रिक्टर स्केल पर 9 से 10 तीव्रता का भूकंप आया था। आमतौर पर 100 साल बीतने के बाद उसी सीमा रेखा पर भूकंप फिर से आने की संभावना होती है। अब तक भूकंप के बारे में किसी भी अंतरराष्ट्रीय संगठन से किसी भी तरह की चेतावनी या निर्देश नहीं मिले हैं।

एप्पल ने एक्स पर कस्टमर सपोर्ट देना किया बंद

वाशिंगटन (ईएमएस)। एप्पल अब एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कॉर्प पर कस्टमर सपोर्ट प्रदान नहीं कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, जो कस्टमर्स एक्स पर एप्पल अकाउंट पर डायरेक्ट संदेश भेजते हैं, उन्हें एप्पल की वेबसाइट पर गेट सपोर्ट पेज और आईफोन और आईपैड के लिए एप्पल सपोर्ट एप के लिंक के साथ स्वचलित रिप्लाई प्राप्त होता है। अकाउंट ग्राहक द्वारा भेज किसी भी मैसेज के लिए स्वचलित रिप्लाई के साथ प्रतिक्रिया देगा। ऐसा लगता है जैसे आपके आईफोन में कोई समस्या है। हम मदद कर सकते हैं, लेकिन बेस्ट सपोर्ट प्रदान करने के लिए हम इस बातचीत को किसी अन्य सपोर्ट चैनल में जारी रखना चाहते हैं। इसका मतलब यह भी है कि एप्पल सपोर्ट उन कस्टमर्स की मदद नहीं करेगा जो पोस्ट में कंपनी को टैग करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अकाउंट टिप्स, ट्रिक्स और जरुरी जानकारी साझा करना जारी रखेगा, जिसमें यूट्यूब पर ऐप्पल सपोर्ट चैनल के वीडियो भी शामिल हैं।

फोन में मग्न होकर गाने गा रही मां, बच्चे की पूल में डूबकर मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में हैरान कर देने मामला सामने आया है। यहां एक वाटरपार्क में 3 साल के बच्चे की पूल में डूबकर मौत हो गई। बच्चे की मौत का जिम्मेदार कोई और नहीं बल्कि उसकी मां है। आरोप है कि उसकी मां घंटों तक फोन में मग्न होकर गाने गा रही थी। महिला के वकील ने वॉटरपार्क में मौजूद लाइफगार्ड्स पर बच्चे का ध्यान न देने का आरोप लगाया। यह घटना एल पासो के कैंप कोहेन वॉटरपार्क में हुई। आरोपी महिला की पहचान जेसिका वीवर (35) के रूप में हुई है। अब महिला को लापरवाही के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है और उस पर अपने इकलौते बच्चे, एंथनी लियो मालवे की दुखद मौत का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

वहीं, घटना के दौरान पार्क में ड्यूटी पर 18 लाइफगार्ड्स मौजूद थे, इनमें से एक ने 3 वर्षीय बच्चे को पूल से बाहर निकाला। पूल 4 फुट गहरा था, जिसमें बच्चा मृत पड़ा हुआ था। बच्चे ने लाइफजैकेट नहीं पहना हुआ था। कैंप कोहेन वॉटरपार्क के नियम के हिसाब से 6 साल से कम उम्र के बच्चों की निगरानी एक अनुभवी तैराकी द्वारा करनी होती है, लेकिन बच्चे के पास कोई मौजूद नहीं था।

वहां मौजूद एक महिला ने गवाह दिया कि बच्चे की मां पूल के किनारे एक घंटे से अधिक समय तक पूरी तरह से अपने फोन में डूबी हुई थी, न ही ऊपर देख रही थी और न ही किसी चीज पर ध्यान दे रही थी। एक अन्य गवाह ने कहा कि महिला पूल के पास लगातार तस्वीरें ले रही थी।

चीन के खेमे में गया एक और देश, हटाएगा भारत की सेना, राष्ट्रपति मुइज्जू बनेंगे नया सिरदर्द?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को अपने बधाई संदेश में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर दोहराया कि 'भारत समय-परीक्षणित... द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे समग्र सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरल संदेश ने सारी तस्वीर साफ कर दी। भारत की उस राष्ट्रपति के साथ काम करना जारी रखने की इच्छा जिसे मालदीव के लोगों ने पहले की तरह अपने लिए चुना है, और साथ ही, बिना किसी संदर्भ के नई दिल्ली द्वारा प्रधान मंत्री की 'पड़ोसी पहले' नीति का पालन जारी रखने पर जोर दिया। लेकिन इससे ठीक उलट राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू की जीत के साथ ही ये संकेत भी मिल गए हैं कि वो चीन की ही बोली बोलेंगे और भारत के लिए मुसीबतें बढ़ाएंगे। अपने ताजा बयान में उन्होंने कुछ ऐसे ही संकेत भी दिए। मुइज्जु ने कहा कि वो अपने कार्यकाल के पहले ही दिन से मालदीव की धरती से विदेशी सैनिकों को हटाने के प्रयास शुरू करेंगे।

भारत विरोधी रूख

अभी भी यह कहने का कोई लाभ नहीं है कि मुइज्जू के तहत नए प्रशासन में भारत के लिए सब कुछ ठीक है। चुनाव जीतने के बाद ही मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत विरोधी रुख दिखाना शुरू कर दिया। चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सेना को हटाने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि वे अपने कार्यकाल के पहले ही दिन मालदीव की धरती से विदेशी सैनिकों को हटाने के प्रयास शुरू करने की बात कही। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन की ओर से मुइज्जू का संबंध जेल में बंद पार्टी नेता और पूर्ववर्ती राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के 'इंडिया आउट' अभियान पर केंद्रित था। गठबंधन को या तो खुद के बारे में अनिश्चित माना जा रहा था या वह भारत से क्या चाहता है, इस बारे में भ्रमित करने वाले संकेत दे रहा था। संयुक्त सरकारों का कहना था कि भारतीय कर्मियों के पास ऐसे हथियार नहीं थे कि उन्हें 'सैन्य कर्मी' कहा जा सके। हालाँकि वे भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के रैंकों से आए थे, वे तीन हेलीकॉप्टरों और एक डोर्नियर फिक्स्ड-विंग विमान के लिए केवल पायलट और तकनीकी कर्मी थे, जिसे नई दिल्ली ने समुद्री निगरानी और मानवीय कार्यों के लिए दक्षिणी पड़ोसी को उपहार में दिया था - एयरलिफ्ट के लिए आपातकालीन मरीज़ तत्काल आवश्यक चिकित्सा उपचार के लिए राजधानी माले जाते हैं, जो उनके द्वीपों/एटोल में उपलब्ध नहीं है।

धारणाएँ और संभावनाएँ

कारणों को जानने और समझने की जरूरत है, विशेष रूप से मालदीव के बाहर, भारत में रणनीतिक समुदाय से शुरू करते हुए जो स्थानीय मीडिया को अपनी कम-सीखी टिप्पणियों और यामीन शिविर की धारणाओं के साथ गलत धारणाओं के बारे में जानकारी देते हैं और भारत के संदर्भ में संभावनाएं अतीत में भी और भविष्य में भी। उदाहरण के लिए, मालदीव के तट रक्षक के लिए उथुरु थिला फाल्हू (यूटीएफ) द्वीप बंदरगाह है, जिसका वित्त पोषण और निर्माण भारत द्वारा किया गया है। यह 'भारतीय सैन्य कर्मियों' की तथाकथित उपस्थिति के अलावा द्विपक्षीय संबंधों को परेशान करने वाले मुद्दों में से एक रहा है। भारत के कारकों से स्वतंत्र, हालिया मालदीव-मॉरीशस आईएमबीएल (अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा) मुद्दा है, जिसके केवल एक हिस्से को निपटाने के लिए राष्ट्रपति सोलिह ने पिछले साल के अंत में मॉरीशस के प्रधान मंत्री प्रविंद जगौनाथ को एक पत्र लिखा था।

अमेरिका में विमान हादसा, चार की मौत

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी राज्य यूटा में एक छोटे विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। एक समाचार एजेंसी ने ग्रैंड काउंटी शेरिफ कार्यालय के हवाले से बताया कि पूर्वी यूटा के मोआब शहर के कैन्यनलैंड्स क्षेत्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक छोटा विमान एक सुदूर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शेरिफ कार्यालय ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि दुख की बात है कि विमान के पायलट, नॉर्थ डकोटा राज्य के सीनेटर डौग लार्सन, उनकी पत्नी और उनके दो बच्चे दुर्घटना में जीवित नहीं बचे। यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक बयान में पुष्टि की कि सिंगल इंजन पाइपर पीए-28 रविवार रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नॉर्थ डकोटा के गवर्नर डौग बर्गम ने हाल ही में एक बयान में कहा कि वह सेनेटर डौग लार्सन, उनकी पत्नी एमी और उनके दो छोटे बेटों की मौत से बहुत दुखी हैं। एफएए और यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना की जांच करेंगे।

राष्ट्रपति पद की अगली बहस के लिए केवल चार उम्मीदवार चाहते हैं रामास्वामी

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी की टीम ने रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) से पार्टी के अगले राष्ट्रपति पद के लिए 8 नवंबर को मियामी में होने वाली बहस के लिए उम्मीदवारों की संख्या सीमित करने के लिए कहा है।

सीबीएस न्यूज के मुताबिक? आरएनसी अध्यक्ष रोना मैकडैनियल को लिखे पत्र में, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अलावा केवल शीर्ष चार उम्मीदवारों को बहस के मंच पर अनुमति देने के लिए कहा है। रामास्वामी के अभियान के सीईओ बेन योहो ने पत्र में लिखा, 'नवंबर में एक और बेकार बहस कोई विकल्प नहीं है।' उन्होंने कहा, 'सफलता की न्यूनतम संभावना वाले उम्मीदवारों का शोर-शराबा होता है, जबकि प्रबल दावेदार उसी मंच के केंद्र से अनुपस्थित होते हैं, तो मतदाताओं की अच्छी तरह से सेवा नहीं की जाती है।'

योहो ने 'उम्मीदवारों को अपने प्रतिस्पर्धियों को जवाब देने के लिए अधिक समय देने' और एकल बहस मॉडरेटर के लिए भी अनुरोध किया 'जो बहस के नियमों को लागू करने में सक्षम हों और उम्मीदवारों को एक-दूसरे पर अंधाधुंध चिल्लाने से बचा सकें।' सितंबर में आखिरी प्राथमिक बहस में रामास्वामी, दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर निक्की हेली, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस, दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस, न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी और नॉर्थ डकोटा के गवर्नर डौग बर्गम सहित सात उम्मीदवार थे। आरएनसी के अनुसार, तीसरी बहस के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, उम्मीदवारों को दो राष्ट्रीय चुनावों या एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण और प्रारंभिक मतदान वाले राज्यों में दो राज्य-व्यापी सर्वेक्षणों में न्यूनतम 4 प्रतिशत समर्थन दर्ज करना होगा, और यह भी दिखाना होगा कि उनके पास है कम से कम 70,000 अद्वितीय दाता।

पोलिटिको के एक ट्रैकर के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रम्प, डेसेंटिस, रामास्वामी और हेली ने तीसरे बहस चरण के लिए योग्यताएं पूरी कर ली हैं। फाइव थर्टीएट द्वारा संकलित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के औसत से पता चलता है कि ट्रम्प 54.8 प्रतिशत वोटों के साथ सबसे मजबूत चुनौती बने हुए हैं, उनके बाद डेसेंटिस और रामास्वामी हैं। ट्रंप के अभियान सलाहकार क्रिस लासिविटा ने सीबीएस न्यूज को बताया कि ट्रंप तीसरी बहस में भी शामिल नहीं होंगे।

अगले महीने चुनाव की घोषणा करने वाले हैं पुतिन? क्रेमलिन ने मीडिया रिपोर्ट पर दिया ये जवाब

कीव (एजेंसी)। क्रेमलिन ने मंगलवार को कहा कि उसे कोमर्सेंट अखबार की उस रिपोर्ट के बारे में कुछ भी नहीं पता था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने घोषणा कर सकते हैं कि वह मार्च में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में फिर से चुनाव लड़ेंगे। प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव एक टेलीफोन ब्रीफिंग में पत्रकारों से बात कर रहे थे। कोमर्सेंट अखबार ने मंगलवार को बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही संकेत दे सकते हैं कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेंगे, जिससे क्रेमलिन प्रमुख के लिए 2030 तक सत्ता में बने रहने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

कोमर्सेंट ने राष्ट्रपति प्रशासन के करीबी अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए बताया था कि नवंबर में एक सम्मेलन के हिस्से के रूप में अधिकारियों को संदेह है कि पुतिन घोषणा कर सकते हैं कि वह अगले साल मार्च में चुनाव में भाग लेंगे। रूस के सबसे सम्मानित अखबारों में से एक अखबार ने कहा कि हालांकि, सम्मेलन में पुतिन क्या कर सकते हैं, इसके लिए अन्य परिदृश्य भी हैं और अंतिम निर्णय उन पर निर्भर है।

भारत के बाहर आंबेडकर की ''सबसे बड़ी' प्रतिमा का उद्घाटन 14 अक्टूबर को

-अमेरिका के मैरीलैंड में बनी यह प्रतिमा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार डॉ.बी. आर. आंबेडकर की भारत के बाहर ''सबसे बड़ी'' प्रतिमा का मैरीलैंड में 14 अक्टूबर को उद्घाटन होगा। 19 फुट की प्रतिमा को 'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी' (समानता की प्रतिमा) नाम दिया गया है, इस प्रसिद्ध कलाकार एवं मूर्तिकार राम सुतार ने बनाया है। सुतार ने ही गुजरात के अहमदाबाद में स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमा बनाई थी।

आंबेडकर की प्रतिमा मैरीलैंड के एकोकीक शहर में 13 एकड़ भूमि पर बनाए जा रहे 'आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र' (एआईसी) का हिस्सा है। एआईसी ने कहा, ''यह भारत के बाहर बाबासाहेब की सबसे बड़ी प्रतिमा है और इस केंद्र में बनाए जा रहे आंबेडकर स्मारक के एक हिस्से के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में अमेरिका और दुनिया के अन्य हिस्सों से आंबेडकरवादी आंदोलन के प्रतिनिधियों और उनके अनुयायियों के बड़ी संख्या में शामिल होने की उम्मीद है।' एआईसी ने बताया कि यह स्मारक बाबासाहेब के संदेशों एवं शिक्षाओं का प्रसार करेगा और समानता तथा मानवाधिकारों के प्रतीक को प्रदर्शित करेगा। प्रतिमा का अनावरण 14 अक्टूबर को होगा, जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

तिब्बत में ट्रांस-हिमालय फोरम की बैठक में हिस्सा लेंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री जिलानी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी 4-5 अक्टूबर को तिब्बत में आयोजित होने वाले तीसरे ट्रांस-हिमालय फोरम फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। यहां मीडिया की एक खबर से यह जानकारी मिली।

फोरम की बैठक तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के ल्हासा से 400 किलोमीटर पूर्व में स्थित निंगची में आयोजित होने वाली है। यह स्थान अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले के उत्तर में, और बहुत करीब स्थित है।

पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' (एपीपी) ने सोमवार को विदेश कार्यालय के हवाले से बताया,

'विदेश मंत्री चीन के विदेश मंत्री वांग यी के विशेष आमंत्रण पर यह यात्रा कर रहे हैं।'

खबर में कहा गया है कि ट्रांस-हिमालय फोरम की शुरुआत 2018 में भौगोलिक सम्पर्क, पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकी संरक्षण और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने सहित विभिन्न विषयों पर क्षेत्र के देशों के बीच व्यावहारिक सहयोग मजबूत करने के लिए की गई थी।

फोरम के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आखिरी बैठक 2019 में चीन में कोविड-19 महामारी फैलने और दुनिया भर में लॉकडाउन लगने से पहले आयोजित की गई थी। इस वर्ष फोरम का विषय 'पारिस्थितिक सभ्यता और पर्यावरण संरक्षण' है।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री जिलानी ट्रांस-हिमालय फोरम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे। इस मौके पर वह मंगोलिया के उप प्रधानमंत्री, चीन के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे।

पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा की चिंता के चलते चीन का नई योजनाओं को मंजूरी देने से इनकार

बीजिंग/इस्लामाबाद, । पाकिस्तान में व्याप्त राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा की चिंता ने चीन को बैकफुट पर ला दिया है। अब चीन ने पाकिस्तान में नई योजनाओं को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। चीन और पाकिस्तान की दोस्ती को लेकर खासी चर्चाएं होती हैं। चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरीडोर को चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अब चीन का पाकिस्तान में इस परियोजना से मोह भंग हो गया है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट का दावा है कि राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं की वजह से चीन ने पाकिस्तान में नई परियोजनाओं को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही नई बेल्ट और रोड परियोजनाओं के प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरीडोर के लिए प्राथमिक निर्णय लेने वाली संस्था की बैठक में तय हुआ कि इस कॉरडोर के दायरे को बढ़ाने से जुड़े पाकिस्तान के सुझावों को मंजूरी नहीं दी जाएगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन ने 500 किलोवोल्ट ट्रांसमिशन लाइन बनाने के पाकिस्तान के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है। इस परियोजना के तहत ग्वादर बंदरगाह को कराची से राष्ट्रीय बिजली ग्रिड से जोड़ा जाना था। इससे अलग चीन ने पाकिस्तान से जोर देकर कहा कि वह ग्वादर में 300 मेगावाट के कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्र को लेकर अपनी आपत्तियों को छोड़ दे। साथ ही घरेलू कोयले के प्रयोग के साथ इस योजना के बनाए रखने की वकालत की है। रिपोर्ट में पाकिस्तान की तरफ से चीन के साथ साझा किए गए ड्राफ्ट और दोनों पक्षों की तरफ से हस्ताक्षरित मसौदे में असमानताओं का जिक्र भी किया गया है। इसमें कहा गया है कि अप्रैल 2022 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार गिरने के बाद से ही पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल से जूझ रहा है। इसके अलावा, सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बरकरार हैं। आतंकियों ने चीनी हितों को कई बार निशाना बनाया है।

देश छोड़ें या निष्कासन का सामना करने के लिए हो जाएं तैयार... आत्मघाती बम धमाकों के बाद पाकिस्तान का अल्टीमेटम

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान ने मंगलवार को सभी अवैध अप्रवासियों को देश छोड़ने या निष्कासन का सामना करने का आदेश दिया। यह खुलासा करने के बाद कि इस साल दक्षिण एशियाई राष्ट्र में 24 में से 14 आत्मघाती बम विस्फोट अफगानों द्वारा किए गए थे। आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने कहा कि सभी अवैध अप्रवासियों को 1 नवंबर तक पाकिस्तान छोड़ देना चाहिए या जबरन निष्कासन का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में लगभग 1.73 मिलियन अफगानी नागरिकों के पास रहने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं हैं।

बुगती इस्लामाबाद में कानून और व्यवस्था पर चर्चा के लिए नागरिक और सैन्य नेताओं द्वारा प्रधान मंत्री और सेना प्रमुख से मुलाकात के बाद बोल रहे थे। पिछले सप्ताह पाकिस्तान में धार्मिक समारोहों को निशाना बनाकर किए गए दो आत्मघाती बम विस्फोटों में कम से कम 57 लोग मारे गए। बुगती की टिप्पणियों पर काबुल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अफगान तालिबान ने इन आरोपों से इनकार किया है कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जाता है और कहा है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एक घरेलू मुद्दा है। 2022 के बाद से पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बढ़ गए हैं जब सरकार और कट्टरपंथी सुन्नी इस्लामी समूहों की एक छत्र संस्था तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच युद्धविराम टूट गया।

जूनियर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत का दबदबा कायम

स्पोकेन (अमेरिका)। उभरते सितारे उन्नति हुडा और आयुष शेट्टी ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे भारतीय शटलरों ने बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व जूनियर चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शानदार शुरुआत की। ओडिशा ओपन 2022 चैंपियन उन्नति ने लड़कियों के एकल मैच के शुरुआती दौर में ताहिती की हेइरुटिया क्यूरेट के खिलाफ 21-7, 21-11 से शानदार जीत दर्ज करने के लिए अपना कौशल दिखाया। दूसरी ओर, आयुष ने भी लड़कों के एकल के पहले दौर में इटली के सिमोन पिकिनिन के खिलाफ 21-6, 21-13 से शानदार जीत हासिल की। तुषार सुवीर, देविका सिहाग और लोकेश शेट्टी अन्य तीन भारतीय थे, जिन्होंने 64 के एकल दौर में भी प्रवेश किया। तुषार ने एस्टोनिया के आंद्रेई श्मिट को 21-12, 21-15 से हराया जबकि लोकेश को लड़कों के वर्ग में वॉकओवर मिला। देविका ने लड़कियों के एकल मैच में एस्टोनिया की एलिसेवेटा बेरिक को 21-13, 21-9 से हराया।ऐसा तब हुआ जब सात्विक रेड्डी कनापुरम-वैष्णवी खडकेकर और समरवीर-राधिका शर्मा की जोड़ियों ने मिश्रित युगल वर्ग के शुरुआती दौर में जीत के साथ भारत को विजयी शुरुआत प्रदान की। जहां सात्विक-वैष्णवी की जोड़ी ने आर्मेनिया के अर्टोम हाकोबयान-अनी सहक्यान पर 21-4, 21-7 से शानदार जीत दर्ज की, वहीं समरवीर -राधिका को 21-16, 17-21, 21-14 से जीत के दौरान कड़ी मेहनत करनी पड़ी। इस बीच, लड़कों की युगल स्पर्धा में दिव्यम अरोड़ा और मयंक राणा ने नॉर्वेजियन जोड़ी फिलिप बोहेन और सैंडर ओस्टासेल को 21-13, 21-14 से हराया। इससे पहले, भारत मिश्रित टीम स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहा था। व्यक्तिगत स्पर्धाओं के लिए राउंड 64 मैच मंगलावर को खेले जाएंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइन में पहुंची, हांगकांग को 13-0 से हराया

हांगझोऊ । (एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गयी। भारतीय टीम ने अपने अंतिम पूल ए मुकाबले में हांगकांग को 13-0 से हराया। इस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से वंदना कटारिया ने तीन गोल किये। वंदना ने दूसरे, 16 वें और 48 वें मिनट जबकि दीपिका ने चौथे , 54 वें व 58 वें मिनट में गोल किये। दीप ग्रेस एक्का ने 11 वें वह 42 वें , संगीता कुमारी ने 27 वें व 55 वें इसके अलावा मोनिका ने 7 वें मिनट में एक गोल दागा। इसके अलावा वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने 34 वें और नवनीत कौर ने 58 वें मिनट में एक गोल किया। इस मैच में भारतीय टीम ने शुरु से ही हांगकांग पर हमले शुरु कर दिये। इससे भारतीय टीम को पहले ही क्वार्टर में 4-0 की बढ़त मिल गयी। वहीं दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा रहा। वंदना ने 16 वें मिनट में एक अच्छा मैदानी गोल किया। इसके अलावा, संगीता ने 27 वें मिनट में एक गोल कर भारत की बढ़त और बढ़ा दी।

भारतीय टीम ने हाफटाइम तक 6-0 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में भी मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा। वैष्णवी ने 34 वें और दीप ग्रेस ने 42 वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दो गोल किये।

अंतिम क्वार्टर के अंत में भारतीय टीम ने 8-0 की बढ़त हासिल कर ली। अंतिम क्वार्टर में भारत ने पांच गोल दागकर 13-0 से जीत हासिल की।

एशियाई खेल : नेपाल को हराकर भारतीय क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में पहुंची

यशस्वी ने लगाया शतक , बिश्नोई और आवेश ने लिए तीन-तीन विकेट

हांगझोउ ।(एजेंसी)

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर फाइनल में नेपाल को 23 रनों से हराया। भारतीय टीम की जीत में यशस्वी जायसवाल और रवि बिश्नोई की अहम भूमिका रही। बल्लेबाज यशस्वी ने जहां इस मैच में शतक लगाया, वहीं स्पिनर बिश्नोई ने तीन विकेट लिए। उनके अलावा तेज गेंदबाज आवेश खान ने भी तीन विकेट लेकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच का आखिरी ओवर शिवम दुबे ने किया उनके इस ओवर की पांच गेंदों पर एक भी रन नहीं बना पर अंतिम गेंद पर एक छक्का गया।भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम पहली बार एशियाई खेलों में उतरी है। इसमें अब टीम स्वर्ण की ओर बढ़ रही है। वहीं इससे पहले महिला टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारत ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 202 रन बनाए थे। भारतीय टीम की ओर से यशस्वी ने टी20 का अपना पहला शतक लगाया। इसी के साथ ही वह एशियाई खेलों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। इसके अलावा वह सबसे कम उम्र में टी20 में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड शुभमन गिल के नाम था। इस मैच के अंतिम चार ओवरों में रिंकू सिंह और शिवम दुबे ने मिलकर 50 से अधिक रन बनाये। रिंकू ने अंतिम ओवर में 2 छक्के और 2 चौके लगाकर भारत को 200 रनों के ऊपर पहुंचाया। रिंकू ने 15 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए। पहीं 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने शुरुआत में ही एक विकेट खो दिया। टीम का स्कोर 29 रन ही था कि सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख पेवेलियन लौट गये। वह आवेश का शिकार बने। इसके बाद नेपाल के तीन विकेट कम अंतराल में ही गिर गये जिससे टीम दबाव में आ गयी। चार विकेट गिरने के बाद दीपेंदर सिंह और संदीप जोरा ने पारी को संभाला। दीपेंदर के आउट होने के बाद टीम की उम्मीद टूट गयीं। इसके बाद टीम ढ़ह गयी। अंत में करण केसी ने तेजी से रन बनाने का प्रयास किया पर तब तक टीम के हाथों से मैचा फिसल गया था।

संक्षिप्त समाचार

भारत के अर्जुन और सुनील ने जीता कांस्य

एशियाई खेलों की कैनो डबल 1000 मीटर स्पर्धा

हांगझोऊ । भारत के अर्जुन सिंह और सुनील सिंह की जोड़ी ने मंगलवार को एशियाई खेलों में पुरुषों की कैनो डबल 1000 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा किया। अर्जुन सिंह और सुनील की जोड़ी ने फाइनल में 3:53.329 का समय निकाला। गौरतलब है कि एशियाई खेलों की शुरुआत से अब तक के आंकड़े देखें ता यह भारत का दूसरा कैनो पदक था। इससे पहले जॉनी रोमेल और सिजी कुमार सदानंदन ने साल 1994 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। वहीं उज्बेकिस्तान के शोखमुरोड खोलमुराडोव और नूरिसलोम तुखतासिन उगली ने 3:43.796 का समय निकालकर पहला स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण जबकि कजाकिस्तान के टिमोफ़े और सर्गेई येमेल्यानोव की जोड़ी ने 3:49.991 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल करते हुए रजत अपने नाम किया।

विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अश्विन का खेलना लगभग तय

चेन्नई । भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। यहां के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह तय है पर केवल दो खिलाड़ियों को लेकर ही संशय बना हुआ है। विश्वकप के ठीक पहले अक्षर पटेल की जगह पर अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को रखा गया है, ऐसे में एक स्पिनर के तौर पर उनकी जगह तय है। अक्षर फिट नहीं होने के कारण विश्वकप से बाहर हो गये हैं। अश्विन ने विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार गेंदबाजी भी की जिसके कारण ही . उन्हें टीम में जगह मिली है। वैसी भी चेन्नई अश्विन का घरेलू मैदान है और यहां कैसे खेलना है वह जानते हैं। अश्विन के खिलने के कारण कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा में से किसी एक को ही जगह मिलेगी। जडेजा गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं, ऐसे में कुलदीप को बाहर बैठना पड़ सकता है। अभी तक टीम इंडिया के पास कोई ऑफ स्पिनर नहीं था पर अश्विन के आने के बाद भारत को ऑफ स्पिनर मिल गया है। वो उन टीमों के खिलाफ कारगर हो सकते हैं, जिनके टॉप ऑर्डर में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा हैं। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष दो बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और एलेक्स कैरी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, ऐसे में अश्विन प्रभावी हो सकते हैं। भारत के पास एक विकल्प ये भी है कि टीम इंडिया चेन्नई में दो के बजाए तीन स्पिनर के साथ खेले। ऐसी स्थिति में कुलदीप, जडेजा और अश्विन तीनों खेल सकते हैं और दो तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज खेल सकते हैं। वहीं तीसरे तेज गेंदबाज की जिम्मेदारी हार्दिक पंड्या के पास रहेगी।

विश्वकप में खेलने जा रहे नूर सबसे कम उम्र, बारेसी सबसे उम्र वाले खिलाड़ी

अहमदाबाद । (एजेंसी)

एकदिवसीय विश्वकप के शुरु होने में अब कुछ ही समय रह गया है। इसी कारण देश और दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक खेल और खिलाड़ियों को लेकर जानकारियों ले रहे हैं। इस उम्र में विश्व के शीर्ष खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। टूर्नामेंट में कई कम उम्र के खिलाड़ी हैं जबकि कई खिलाड़ी उम्रदराज भी हैं जो अपना अंतिम विश्वकप खेल रहे हैं। इसमें अफगानिस्तान के नूर अहमद सबसे युवा खिलाड़ी हैं। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर की उम्र 18 वर्ष 272 दिन है। वैसे नूर के अलावा बांग्लादेश के तंजीम हसन साकिब, नीदरलैंड्स के भारतीय मूल के विक्रमजीत सिंह और अफगानिस्तान के रियाज हसन भी कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हैं।

सबसे कम उम्र के खिलाड़ी नूर अहमद ने आईपीएल-2023 में गुजरात टाइटंस की टीम की ओर से खेला था। आईपीएल के 13 मैचों में उन्होंने 16 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो चाइनामैन गेंदबाज नूर ने अब तक तीन एकदिवसीय और एक टी20 मैच में अफगानिस्तान टीम की ओर से खेला है। उसके नाम एकदिवसीय में दो और टी20 में चार विकेट हैं। पिछले साल नवंबर में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत की थी। वहीं सबसे उम्रदराज खिलाड़ी नीदरलैंड्स के वेस्ले बारेसी हैं। बारेसी 39 वर्ष 152 दिन के हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज बारेसी ने जब वर्ष 2004 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। बारेसी के अलावा अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी, भारत के आर.अश्विन, ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, इंग्लैंड के मोईन अली भी विश्वकप में खेल रहे सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी हैं।

पारुल ने चीन में लहराया तिरंगा, 5,000 मीटर की रेस में जीता गोल्ड

हांगझोऊ। (एजेंसी)

भारत की पारुल चौधरी ने चीन में इतिहास रच दिया है। उन्होंने एशियम गेम्स के 5,000 मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, उन्होंने 3,000 मीटर रेस में भी भारत को सिल्वर मेडल दिलाया था। आखिरी 50 मीटर में पारुल ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ में जापान की रिरिका हिरोनका को हराकर भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। पारुल दौड़ के बीच में छठे स्थान पर थी और फिर धीरे-धीरे आगे बढ़ती रही। उन्होंने आखिरी 50 मीटर में रफ्तार पकड़ी और अंत में मात्र 10 मीटर में उन्होंने जापानी प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ते हुए 15:14.75 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। जापान की रिरिका हिरोनका 15:15.34 के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और सिल्वर पर अपना कब्जा जमाया, जबकि कजाकिस्तान की कैरोलिन चेपकोच किपकिरुई ने 15:25.12 के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस यादगार जीत के बाद पारुल ने कहा, एक दिन पहले 3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड मेडल से चूकने के बाद मैं थोड़ी निराश थी। फिर, मैंने 5000 मीटर में गोल्ड के लिए अपना लक्ष्य तय किया। उन्होंने कहा कि भले ही मैं छठे स्थान पर खिसक गई थी, लेकिन मुझे पदक की दौड़ में वापसी का पूरा भरोसा था। हांगझोऊ में एथलेटिक्स में यह भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है। भारत ने एथलेटिक्स में अब तक 10 रजत और आठ कांस्य पदक भी जीते हैं।

मेरी कप्तानी की शैली अलग : रूतुराज

भारतीय टीम आज क्वार्टर फाइनल खेलेगी

हांगझोउ । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने एशियाई खेलों में मंगलवार को होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले से ठीक पहले कहा है कि उनकी कप्तानी की शैली अलग है और वह उसी के अनुसार खेलेंगे। रूतुराज ने माना कि वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से प्रभावित हैं और उन्होंने धोनी से काफी कुछ सीखा है पर कप्तानी का उनका अपना ही तरीका है जिस पर वह कायम रहेंगे। रूतुराज पहली बार एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। इसमें महिला टीम के बाद अब भारतीय पुरूष क्रिकेट टीम भी स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले गायकवाड़ ने कहा, 'मैने धोनी से बहुत कुछ सीखा है पर हर खिलाड़ी की अपनी शैली होती है। उनकी शैली अलग है, उनकी शख्सियत अलग है और मेरी अलग है। उन्होंने कहा, 'मैं उनके जैसा कुछ करने की जगह अपनी शैली से खेलूंगा हालांकि दबाव के बीच हालात का सामना करने और खिलाड़ियों के सही उपयोग को लेकर उनसे मिली सीख को मैं जरूर अमल में लाऊंगा। गायकवाड़ ने कहा, 'क्रिकेट में विश्व कप है, आईपीएल है और घरेलू टूर्नामेंट है। हम उस तरह के हालात और माहौल के आदी है लेकिन यहां खेलगांव में रहना, दूसरे खिलाड़ियों को और उनके संघर्षों को जानना अलग अनुभव है। वहीं मुकाबले से पहले भारतीय टीम के कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि चीन में क्रिकेट खेलने का अनुभव नया और अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, 'यहां बहुत अलग है। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि चीन में क्रिकेट खेलेंगे। पूरी टीम के लिए यह शानदार अवसर है।

विथ्या रामराज ने 400 मीटर हर्डल्स में जीता ब्रॉन्ज

हांगझोऊ। (एजेंसी)

विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स (बाधा दौड़) में 49 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने की उम्मीद जगाई थी, जब उन्होंने हांगझोऊ में 1986 के एशियाई खेलों में पीटी उषा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी की। हालांकि, मंगलवार को वह 55.42 के अंक में सुधार करने की कोशिश में चूक गईं, क्योंकि उन्होंने एशियाई खेलों में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में 55.68 का समय लिया और कांस्य पदक जीता। गीली ट्रैक पर दौड़ में और हल्की बूंदा-बांदी के कारण चुनौती और बढ़ गई। विथ्या ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन बहरीन के ओलुवाकेमी मुजिदत एडेकोया से पीछे रह गईं, जो 2014 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता थी। बहरीन धावक ने एशियाई खेलों में 54.45 सेकेंड के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की मो जिआडी ने 55.01 सेकंड में रजत पदक जीता, जो उनके सीज़न का सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। विथ्या ने कहा कि गीली ट्रैक का थोड़ा असर पड़ा। हालांकि, उन्होंने यह माना कि मुकाबले के नतीजे से इसका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने पहले भी बेंगलुरू में गीली ट्रैक में दौड़ लगाई है, इसलिए यह कोई कारण नहीं है। मुझे खुशी है क्योंकि मुझे पदक मिला, लेकिन प्रदर्शन बेहतर हो सकता था। इसलिए, समय को लेकर थोड़ी निराशा है।

कबड्डी के पहले मैच में भारत ने बांग्लादेश को 55-18 से हराया

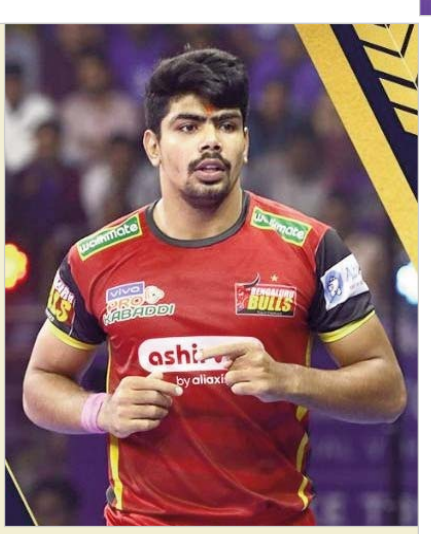

हांगझोऊ। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने 19वें एशियाई खेलों में मंगलवार को पूल ए मैच में बांग्लादेश पर 55-18 की आसान जीत के साथ शानदार शुरुआत की। भारत ने खेल के शुरुआती चरण में बांग्लादेश के खिलाफ चीजें मजबूत रखी और मैच के पांचवें मिनट में बोर्ड पर अपना पहला अंक प्राप्त करने में सफल रहे।अनुभवी रेडर नवीन कुमार ने सुपर रेड पूरी की, जिसके बाद ऑल-आउट करके भारत का स्कोर 11- 2 कर दिया। बांग्लादेश ने भारतीय कप्तान पवन सहरावत के खिलाफ सुपर टैकल किया और पहले हाफ के अंत तक मैच में बने रहे। हालांकि, स्कोर भारत के पक्ष में 24-9 था। दूसरे हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बरकरार रखी, जिससे उन्हें अपने रेडरों को मैट पर रोटेट करने का मौका मिला। सचिन और आकाश ने मिलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। फिर, 2018 के कांस्य पदक विजेताओं ने स्कोर को 37-10 तक ले जाने के लिए एक और ऑल-आउट किया और खेल के अंत तक गति बनाए रखते हुए 55-18 से आसान जीत हासिल की। भारत बुधवार को अपने दूसरे मैच में थाईलैंड से खेलेगा और गुरुवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें शुक्रवार को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

जितेश और साई किशोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया

हांगझोउ । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम में शामिल जितेश शर्मा और आर साई किशोर ने एशियाई खेलों में नेपाल के खिलाफ हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसमें से जितेश जहां विकेटकीपर हैं, वहीं साई किशोर एक ऑलराउंडर हैं। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। जितेश को पहले भी भारतीय टीम के लिए चुना गया था पर उन्हें टी20 पदार्पण का अवसर नहीं मिला था। वहीं दूसरी ओर साई किशोर ने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी लगातार रन बनाये हैं। साई को शुरुआत में रिजर्व प्लेयर के रूप में रखा गया था पर बाद में उन्हें मुख्य दल में शामिल कर लिया गया था। साई किशोर पदार्पण के दौरान भावुक भी नजर आये।

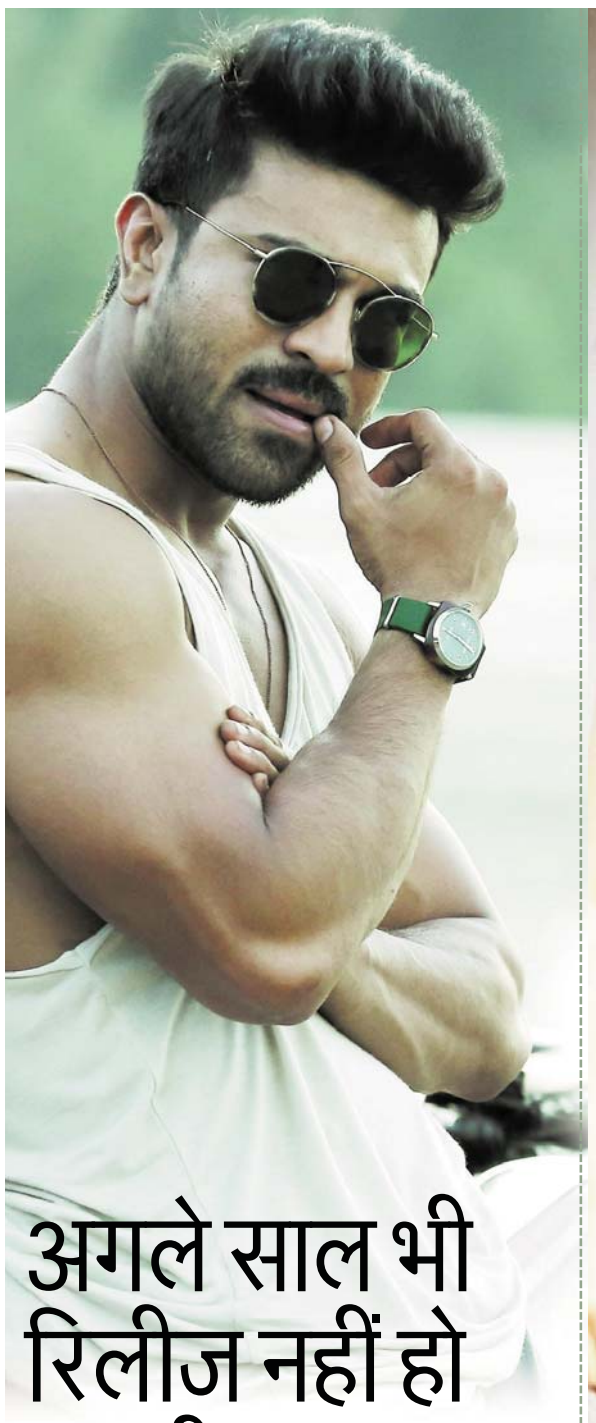

अगले साल भी रिलीज नहीं हो पाएगी राम चरण की गेम चेंजर

राम चरण आरआरआर के बाद से पैन इंडिया स्टार के रूप में उभरे हैं। अब वह अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ गेम चेंजर फिल्म में नजर आएंगे। राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। राम चरण के प्रशंसक अब उनकी बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म गेम चेंजर की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज में देरी हो सकती है, क्योंकि एक बार फिर इसकी रिलीज टाल दी गई है।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर शंकर के जरिए निर्देशित है। फिल्म की रिलीज में एक बार फिर देरी हो गई है और अब जनवरी या 2025 की गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है और देरी के कारण पूरी टीम निराश है। बताया गया है कि देरी का मुख्य कारण खुद निर्देशक शंकर हैं, क्योंकि वह एक साथ इंडियन 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं। इससे पहले ही काफी देरी हो चुकी है और प्रशंसक भी इस स्थिति से नाराज हैं। पहले इस फिल्म को 2023 में रिलीज करने की योजना थी, लेकिन लगातार देरी के कारण इसे 2024 तक बढ़ा दिया गया। अब इसे फिर से 2025 तक विलंबित किए जाने की खबर ने लोगों के बीच काफी हलचल पैदा कर दी है। मुख्य भूमिकाओं के अलावा, फिल्म में अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत और नासर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। गेम चेंजर का निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा किया गया है। संगीत थमम एस के जरिए दिया गया है और छायांकन तिरू के जरिए संभाला गया है। इससे पहले सितंबर में भी फिल्म की शूटिंग रद्द किए जाने की सूचना दी गई थी। दरअसल, कुछ प्रमुख कलाकारों की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए फिल्म के सितंबर का शूटिंग शेड्यूल रद्द कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने इसकी जानकारी देते हुए साझा किया था, गेम चेंजर का सितंबर शेड्यूल केवल कुछ कलाकारों की अनुपलब्धता के कारण रद्द कर दिया गया है। शूटिंग अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में फिर से शुरू होगी।

प्रियामणि ने साझा किया शाहरुख संग काम करने का अनुभव

द फैमिली मैन फेम एक्ट्रेस प्रियामणि हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आई थीं। अपने दमदार अभिनय से अभिनेत्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं, अब प्रियामणि के फैंस उन्हें द फैमिली मैन सीजन 3 में एक बार फिर मनोज बाजपेयी के साथ पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने अपने जवान के को-स्टार शाहरुख के लिए अपना प्यार व्यक्त किया है। प्रियामणि से हाल ही में एक इंटरव्यू में पूछा गया कि जब आप दस साल के बाद जवान के सेट पर एक-दूसरे से मिले तो शाहरुख खान की क्या प्रतिक्रिया थी? इसपर अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, उन्होंने बस मुझे देखा और एक बड़ी मुस्कान दी साथ ही मुझे कसकर गले लगाया और कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अभिनेत्री से इंटरव्यू में आगे पूछा गया कि क्या एटली के साथ काम करने का मौका था या शाहरुख के साथ फिर से जुड़ने का मौका था, जिसने आपको जवान की ओर आकर्षित किया? प्रिया ने जवाब देते हुए कहा, दोनों। एटली निर्देशित फिल्म होने के कारण यह वह कहानी थी, जिसने मेरे लिए काम किया। शाहरुख खान के साथ अभिनय करना सोने पर सुहागा था। शाहरुख हमेशा से मेरे क्रश रहे हैं। प्रिया से आगे पूछा गया कि जिंदा बंदा डांस सीक्वेंस के बारे में बताएं? इसपर अभिनेत्री ने कहा, मैं ईमानदारी से नहीं जानती थी कि उस गाने में लगभग एक हजार बैकग्राउंड डांसर होंगे, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि एटली सर ने इसके बारे में सोचा। वह कहते थे कि यह एक जेल है। इसलिए हम 50 डांसर रख सकते हैं, लेकिन उन्होंने मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और केरल भर से लड़कियों को बुलाया गया था। प्रियामणि वर्तमान में अपनी हालिया रिलीज जवान की सफलता का आनंद ले रही हैं।

अपनी अगली फिल्म तेजस में वायुसेना अधिकारी बनकर देश की रक्षा करती नजर आएंगी कंगना

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत इन दिनों अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री की फिल्म 28 सितंबर को रिलीज हुई, जिसे समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं अभिनेत्री अब अपनी अगली फिल्म तेजस की रिलीज की भी तैयारी कर रही हैं। कंगना रणौत की बहुप्रतीक्षित फिल्म तेजस अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, अब फिल्म के टीजर पर अपडेट सामने आया है।

सर्वेश मेवाड़ा के जरिए निर्देशित तेजस फिल्म में कंगना एक वायु सेना पायलट की भूमिका निभाएंगी और इसका निर्माण रोनी स्क्रूवाला ने किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंगना रणौत की तेजस का टीजर दो अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि तेजस अपना पहला टीजर दो अक्तूबर को गांधी जयंती पर रिलीज करेगा। फिल्म का निर्देशन सर्वेश मेवाड़ा ने किया है और इसमें कंगना रणौत अहम भूमिका में हैं। अपने एक्शन अवतार के अलावा अभिनेत्री फिल्म में वरुण मित्रा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। सर्वेश मेवाड़ा के जरिए निर्देशित, तेजस में कंगना रनौत वायु सेना अधिकारी तेजस गिल की मुख्य भूमिका में हैं। इससे पहले कंगना ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा की थी। कंगना ने ट्विटर पर फिल्म से अपनी तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह वायुसेना के पायलट के रूप में नजर आ रही थीं। इसके साथ उन्होंने लिखा, वायुसेना के बहादुर पायलट के सम्मान में। फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एयरफोर्स पायलट तेजस गिल के इर्द-गिर्द घूमती है और इसका मकसद उन बहादुर सैनिकों को प्रेरित करना और उनमें गर्व की गहरी भावना पैदा करना है जो रास्ते में कई चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे देश की रक्षा करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो इसके अलावा कंगना रणौत के पास इमरजेंसी भी है। इस फिल्म में कंगना रणौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ श्रेयस तलपड़े, अनुपम खेर, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी जैसे कई अन्य कलाकार नजर आएंगे।

12वीं फेल से पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार विक्रांत मैसी

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा परिंदा, 1942- ए लव स्टोरी, मिशन कश्मीर, मुन्नाभाई सीरीज, 3 इडियट्स जैसे बेहतरीन फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। अब एक बार फिर वह मजेदार विषय के साथ प्रशंसकों को खुश करने के लिए तैयार हैं। अब वह अपनी नई ओरिएंटेड फिल्म 12वीं फेल के साथ आए हैं। विधु विनोद चोपड़ा की इस फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब फिल्म के ट्रेलर से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है।

फिल्म का ट्रेलर कब होगा रिलीज

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर तीन अक्तूबर को रिलीज होने वाला है। अनुराग पाठक की बेस्टसेलर किताब पर आधारित विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी के जरिए अपनाए गए रास्तों की कहानी बयां करेगी। यह फिल्म कठिन यूपीएससी परीक्षा को चुनौती देने वाले उम्मीदवारों की वास्तविक जीवन की कहानियों से प्रेरित है। सिनेमाघरों में ट्रेलर की स्क्रीनिंग फिल्म का ट्रेलर दो फिल्मों के प्रीमियर स्क्रीनिंग, विवेक रंजन अग्निहोत्री के जरिए निर्देशित द वैक्सीन वॉर और एक्सेल एंटरटेनमेंट के जरिए निर्मित फुकरे 3 के साथ जुड़ा हुआ था, जो कल यानी 28 सितंबर को रिलीज हुई थी। ट्रेलर सिनेमाघरों में चल रहा है, क्योंकि इन दो फिल्मों का प्रीमियर हो रहा है। वहीं अब सोशल मीडिया पर तीन अक्तूबर को ट्रेलर जारी किया जाएगा।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म की बात करें तो यह अनुराग पाठक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब पर आधारित है। दरअसल यह दो आईपीएस अधिकारियों, मनोज कुमार शर्मा और श्रद्धा जोशी के साथ-साथ एक डकैत के जीवन पर आधारित है, जो वास्तविक जीवन में एक आईपीएस अधिकारी बन गया। विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल विधु विनोद चोपड़ा और जी स्टूडियो के जरिए निर्मित है। यह फिल्म 27 अक्तूबर, 2023 को रिलीज होगी।

दिल्ली क्राइम 2 में अपने किरदार पर बोलीं शेफाली

अभिनेत्री शेफाली शाह ने दिल्ली क्राइम में डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी का किरदार बखूबी अदा किया। दूसरे सीजन में वह और ज्यादा मजबूत नजर आईं। अपने इस किरदार के लिए उन्हें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 का नामांकन भी मिला है। शेफाली को बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। हाल ही में शेफाली शाह अपनी इस भूमिका के बारे में बात करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए बेहद डरावना रहा।

दर्शकों के बीच मिली खास पहचान

शेफाली शाह का कहना है कि वर्तिका के किरदार के प्रति उनमें जुनून है। उसे लेकर वह पजेसिव हैं और सचमुच मानती है कि ऐसा किरदार जीवन में सिर्फ एक बार ही अदा करने का मौका मिलता है। उनका कहना है कि इस रोल ने उन्हें खूब तारीफें दिलाईं और दर्शकों, पुलिस अधिकारियों और आईपीएस की तैयारी करने वालों के बीच उनकी एक अलग पहचान बनाई। इसी किरदार की बदौलत अब एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन भी मिला है।

आसान नहीं था यह किरदार

शेफाली शाह ने कहा, मुझे नहीं पता था कि मैं यह कर पाऊंगी या नहीं। यह बहुत ही कठिन किरदार है। इस किरदार को आपको जीना पड़ेगा। साथ ही दर्शकों के प्रति सच्चा भी रहना होगा। पहले सीजन में केस अलगा था, और वर्तिका भी अलग थी। दूसरे सीजन में उसके सामने अलग चुनौतियां थीं। दोनों के बीच एक महीन रेखा थी, जिसे समझना और किरदार को रोमांचक बनाए रखना जरूरी था। कम से कम मेरे लिए तो यह आसान काम नहीं था।

ऋचा चड्ढा ने बॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा असुरक्षा पर कही यह बात

मृगदीप सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म फुकरे सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म इस वर्ष की सबसे बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइजी में से एक है। फिल्म में पुलकित सम्राट, ऋचा चड्ढा, वरुण शर्मा, मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में हैं। फिल्म के सभी कलाकारों में खास रिश्ता देखने को मिलता है। इनके बीटीएस वीडियो और फिल्म में साथ स्क्रीन साझा करना इनके फैंस को बहुत पसंद आता है। इतनी अच्छी दोस्ती के बाद भी इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा असुरक्षा की वजह बन सकती है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया है। ऋचा चड्ढा ने कहा, क्योंकि हम बाहरी लोग हैं, हम सभी ने कभी-कभी एक ही चीज के लिए ऑडिशन दिया है। मैं अपनी कुछ फ्रेंड्स के साथ एक ही किरदार के लिए प्रतिस्पर्धा में रही हूं। अगर वह किरदार अच्छे एक्टर को मिल जाता है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। उतनी दरिया-दिली तो आप में होनी चाहिए। मुझे ऐसा लगता है कि छोटे दिल के इंसान की यही पहचान होती है कि वो दूसरे के सक्सेस में खुश नहीं हो पाते हैं। हमें उसे बदलने की जरूरत है। ऋचा ने आगे कहा, कभी-कभी हम मीडिया की टॉक्सिसिटी को भी सवाल करते हैं, जब वह ऐसा करते हैं, जैसे किसने सबसे अच्छा पहना। यह अब बहुत पुराना हो चुका है। ऐसे में अब हम मीडिया के टॉक्सिसिटी पर भी सवाल करते हैं, जब वह किसी से तुलना करने वाली बातें लिखते हैं।